THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 111 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.9 2083 बुधवार, 22 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस ने सील की सीमाएं

पटियाला, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में पंजाब से हजारों किसान मंगलवार सुबह से दिल्ली कूच के लिए निकले लेकिन उन्हें शंभू, कुंडली और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस द्वारा रोक दिया गया।

पुलिस ने सीमा पर भारी बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। वहीं, किसानों ने साफ किया कि वे किसी भी बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि "देश बचाओ मोर्चा" के तहत पहले ही यह फैसला लिया गया था कि किसान किसी भी बैरिकेड को तोड़कर आगे नहीं बढ़ेंगे।

हम छात्रों के साथ हैं : पीएम मोदी

> नीट पेपर लीक पर सख्त सजा देने की बात कही

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रमुख दलों के सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के दौरान संसद के मानसून सत्र की रणनीति, सरकार के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और सदन में एकजुट होकर सरकार का पक्ष रखने पर भी जोर दिया गया।

एनडीए की बैठक में क्या बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए बिना किसी देरी के परिणाम घोषित किए गए। प्रधानमंत्री ने बैठक में यह भी बताया कि पेपर लीक की घटना सामने आते ही सरकार ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों को जेल भेजा गया है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था की गई है। किरेन रिजिजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का भी उल्लेख किया। उन्होंने सांसदों को भरोसा दिलाया कि किसी भी एफटीए में किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों का कल्याण है और हर व्यापार समझौता देश और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

सीजेपी के प्रदर्शन के बीच आया बयान :

किरेन रिजिजू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित नीट-यूजी 2026 पेपर लीक को लेकर सीजेपी का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सोमवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। वहीं, संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया था।

संसद के दोनों सदनों में हंगामा, लोकसभा और राज्यसभा स्थगित

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र के दूसरे दिन भी संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही भारी हंगामे के कारण नहीं चल सकी। लगातार शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार, 22 जुलाई, सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष का कहना है कि वे संसद में नीट परीक्षा, पेपर लीक व जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का विषय उठाना चाहते हैं। वहीं राज्यसभा में उपसभापति ने विपक्ष से शांति बनाए रखने और नियम आधारित कार्यवाही से चलने का अनुरोध किया। लेकिन दोनों ही सदनों में हंगामा जारी रहा और संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पुलिस हिरासत से रिहा किए गए राहुल गांधी

पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन के बाद एक्शन, 3 घंटे बाद छोड़ा, प्रियंका से मिलने सोनिया थाने पहुंचीं

शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाने की मांग

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। 3 घंटे के धरने के दौरान सरकार ने राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया।

पुलिसकर्मी राहुल गांधी को ले जाने पहुंचे तो वह जमीन पर लेट गए। कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। काफी मनाने पर भी जब वह नहीं उठे तो 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उनके हाथ-पैर पकड़कर उठाकर ले गए और बस में बैठाया।

राहुल के अलावा प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया गया है। सभी नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम में रखा गया। यहां से करीब 3 घंटे बाद रात 9.45 बजे सभी को रिहा कर दिया गया। प्रियंका को मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया था। प्रियंका से मिलने सोनिया गांधी थाने पहुंची थी।

पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की।

सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि नीट पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं।

भारतवंशी कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन के एआई मंत्री

लंदन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद कनिष्क नारायण को ब्रिटेन सरकार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें कैबिनेट ऑफिस और डिपार्टमेंट फॉर बिजनेस, इनोवेशन, साइंस एंड ट्रेड में संयुक्त रूप से राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वह अब ब्रिटिश कैबिनेट की बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी गई।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने नारायण को कैबिनेट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह नियुक्ति सरकार की एआई नीति और इस तकनीक के महत्व को लेकर उसकी प्राथमिकताओं को दर्शाती है। नियुक्ति के बाद कनिष्क नारायण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि एआई मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक हो सकती है और इसका प्रभाव अन्य सभी तकनीकी बदलावों से कहीं अधिक व्यापक होगा।

उन्होंने कहा, एआई का सकारात्मक प्रभाव बेहद व्यापक हो सकता है, जिसमें ब्रिटेन का पुनः औद्योगिकीकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती और सार्वजनिक सेवाओं में बड़ा बदलाव शामिल है। हालांकि, उन्होंने एआई से जुड़े जोखिमों को भी स्वीकार किया। नारायण ने कहा कि नौकरियों, बदलाव की गति और समाज पर इसके प्रभाव को लेकर ब्रिटिश जनता की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत

17 अब भी फंसे, मलबे से सुरंग बंद रेस्क्यू करने गए कुछ वर्कर बेहोश

गंगटोक, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

केजेपी पार्टी प्रमुख बोले-बात करना है तो सरकार खुद आए

संसद मार्च में बर्गर खाने वाले प्रवक्ता को हटाया; वांगचुक मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर सरकार ने समय बर्बाद किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों एक तरह से जेपी नड्डा के घर नजरबंद थे। इसलिए अब वे सरकार से बात करने नहीं जाएंगे। सरकार को ही जंतर-मंतर पर आना होगा। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोनम वांगचुक को सफदरगंज से गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है। सीजेपी ने संसद मार्च के दौरान बर्गर खाने वाले विजेता दाहिया को प्रवक्ता पद से हटा दिया है। दाहिया ने एक वीडियो जारी करके सफाई दी है कि आप मुझे ऐसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जैसे कि प्रदर्शनकारी होना मेरा काम हो। आपने मुझे इस पद के लिए नहीं चुना है।

जम्मू कश्मीर में बारिश का कहर

फलैश फ्लड के खतरे के बीच प्रशासन ने जारी की चेतावनी, वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

जम्मू, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले में मंगलवार सुबह से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी बारिश के चलते नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन और राजोरी पुलिस ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम सामान्य होने तक बिना जरूरी कारण घरों से बाहर न निकलें। साथ ही नदी-नालों, बाढ़ प्रभावित इलाकों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। लोगों को जलभराव वाली सड़कों और पुलों को पार न करने तथा मौसम विभाग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। राजोरी पुलिस ने भी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लगातार हो रही बारिश के कारण जिले की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे में नदी किनारे रहने वाले लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं और अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। उधर, लगातार बारिश के कारण जम्मू संभाग के कई हिस्सों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड के खतरे को देखते हुए अमरनाथ यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा लगातार तीसरे दिन भी स्थगित रही।

अधिकारियों के अनुसार रविवार से अब तक पुंछ, राजोरी और डोडा जिलों में बारिश से जुड़े हादसों में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सात लोग अब भी लापता हैं। राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार अभियान चला रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक जम्मू-कश्मीर में मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

शहीद दिवस मंच से ममता की हुंकार

इंडिया गठबंधन से नाराजगी दूरकर एकजुट होने की अपील

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में आयोजित शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों को आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा का मुकाबला करना चाहिए।

ममता बनर्जी ने क्या कहा :

इसके साथ ही अपनी पार्टी के भीतर बागी तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि गद्दारों को कभी वापस नहीं लिया जाएगा। यहां बिड़ला तारामंडल के पास टीएमसी के कालीघाट गुट द्वारा आयोजित वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस रैली को संबोधित की। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई व्यक्तिगत या राजनीतिक अहंकार से कहीं बड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो मैं खुद सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में जाएंगी। उन्हें शुरू से ही हमारा समर्थन प्राप्त था और आगे भी रहेगा।

मतभेद भुलाकर एक साथ मिलकर लड़ें :

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं चाहती हूं कि बंगाल में सभी लोग 'इंडिया अलायंस' के झंडे तले एकजुट होकर भाजपा से लड़ें। मुझमें कोई अहंकार नहीं है। मैं दूसरों से भी आग्रह करती हूं कि वे अपने मतभेद भुलाकर एक साथ मिलकर लड़ें। हालांकि उन्होंने कांग्रेस या सीपीआई (एम) का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणियों को टीएमसी के इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों से अपील के रूप में देखा गया, जिनके साथ राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में उसके संबंध सहज नहीं रहे हैं। यह अपील ऐसे दिन आई जब टीएमसी खुद बुरी तरह से विभाजित नजर आ रही थी। बनर्जी ने विपक्षी दलों के प्रति सुलह का प्रस्ताव रखा, लेकिन विद्रोहियों के प्रति आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, मैं गद्दारों को चुनौती देती हूं कि वे सीधे भाजपा में शामिल हों और चुनाव लड़ें।

महुआ मोइत्रा को हाई कोर्ट से अंतरिम राहत

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा को कथित 'हेट स्पीच' मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ 5 अक्टूबर तक किसी भी तरह की सख्त पुलिस कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हालांकि अदालत ने साफ किया कि यह राहत तभी तक लागू रहेगी, जब तक महुआ मोइत्रा जांच में पूरा सहयोग करें और अदालत की ओर से तय सभी शर्तों का पालन करें। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी या अन्य सख्त कार्रवाई पर रोक लग गई है, लेकिन जांच जारी रहेगी। महुआ मोइत्रा ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर दावा किया था कि उनके खिलाफ नदिया जिले के होगलबेरिया थाने में दर्ज मामला मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित है।

'अदालत को इस सब में मत घसीटो'

सीजेपी प्रदर्शन मामले में हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस द्वारा कथित अत्यधिक बल प्रयोग के मामले में दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले की सुनवाई बुधवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी।

यह मामला मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच के समक्ष मेंशन किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने अदालत से आग्रह किया कि प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए जनहित याचिका पर आज ही तत्काल सुनवाई की जाए। सुनवाई की मांग पर बेंच ने तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार करते हुए मौखिक टिप्पणी की, अदालत को इस सब में मत घसीटो। मामला कल सुनवाई के लिए आएगा। इसके साथ ही अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि याचिका पर बुधवार को नियमानुसार सुनवाई की जाएगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। याचिकाकर्ता ने अदालत से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की है।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने कहा है कि संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा, पथराव और तोड़फोड़ के संबंध में अब तक पांच एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। पुलिस के मुताबिक, कनॉट प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट समेत अन्य थानों में मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हिंसा प्रभावित इलाकों के वीडियो फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका पर एम्स से मांगी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की खराब सेहत के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम बापू की जमानत याचिका पर फैसले के लिए एम्स से विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट मांगी है।

पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से कहा था कि वह आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट की जांच करे। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से कहा था कि वो बताए कि क्या उनकी स्वास्थ्य स्थिति ऐसी है कि क्या उन्हें कुछ समय के लिए अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। हालांकि राजस्थान सरकार ने आसाराम की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया है।

प्रकृति का कहर : बाढ़-भूस्खलन की विभीषिका झेल रहे देश के कई राज्य

असम में 11, नगालैंड में 9 की मौत, अलर्ट जारी

गुवाहाटी/कोहिमा/श्रीनगर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों समेत पहाड़ी इलाकों में प्रकृति कहर बरपा रही है। पूर्वोत्तर के राज्य असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मंगलवार को एक और व्यक्ति की मौत के साथ राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। वहीं, नगालैंड के मोन जिले में लगातार बारिश से आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है। चार लोग अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। असम के 11 जिलों में आई इस विनाशकारी बाढ़ से 3.60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मपुत्र, डिकोह, देसांग और धनसिरी जैसी कई प्रमुख नदियां राज्य के विभिन्न हिस्सों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि कुछ जल निकायों ने बाढ़ का चरम स्तर भी पार कर लिया है।

असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं सहित कई एजेंसियां लगी हुई हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, इस वर्ष की बाढ़ में अब तक 11 लोगों की जान जा चुकी है। बिस्वनाथ, चराइदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, कार्बी आंगलोंग, नगांव, शिवसागर और तिनसुकिया जिलों के 758 गांवों में 3,10,800 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों से बचाव एजेंसियों द्वारा नावों का उपयोग करके 9,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक को किया तलब

> जहाज पर हमले की निंदा की, चार भारतीयों की मौत पर कहा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए एक वाणिज्यिक जहाज पर हमले के बाद विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को रूस के प्रभारी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 19 जुलाई की शाम को एमवी गोल्डन लियो नाम के जहाज पर हमला हुआ। उस समय जहाज ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहा था। घटना के समय जहाज पर चालक दल के कुल 17 सदस्य मौजूद थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा :

मंत्रालय ने इस हमले की निंदा की। एमईए ने कहा, उपलब्ध जानकारी के अनुसार चार भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हो गई है, जबकि एक भारतीय नागरिक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूक्रेन में हमारा मिशन स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद देने के लिए प्रयास कर रहा है।

हम मृत भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायल भारतीय नागरिक के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करते हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है और दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना, निर्दोष नागरिक चालक दल के सदस्यों की जान खतरे में डालना या समुद्री आवाजाही और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी तरह की बाधा डालना निंदनीय है और इससे बचा जाना चाहिए। कीव पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस की ओर से दागी गई मिसाइल तुर्किये के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज गोल्डन लियो से टकराई। इस हमले में कुल 10 लोगों की मौत हुई। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूसी सेना ने तीन केएच-59/केएच-69 क्रूज मिसाइलें दागीं। इनमें से एक मिसाइल गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले व्यापारिक जहाज गोल्डन लियो के दाहिने हिस्से से टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। यूक्रेन के ओडेसा में आठ नाविकों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया।

युवाओं को आईएसआईएस में भर्ती करने का मामला? ईडी की कर्नाटक आठ जगहों पर की छापेमारी

✻ फंडिंग के नेटवर्क की जांच तेज

बेंगलूरू, 21 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की यह कार्रवाई उस मामले की जांच के तहत की गई है, जिसमें आरोप है कि कुछ युवाओं को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में शामिल होने के लिए भड़काया गया और इस काम के लिए पैसों का इस्तेमाल किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय एजेंसी ने बेंगलूरू और उसके आसपास करीब आठ ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। यह जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की उस प्राथमिकी से जुड़ी है, जो आईएसआईएस में भर्ती से संबंधित है। इस मामले में इकरा वेलफेयर ट्रस्ट, गाइडेंस फॉर मैनकाइंड और कुछ अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

एनआईए ने पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ये सभी प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस/आईएसआईएल/दाएश से जुड़े थे और उन्होंने बेंगलूरू के मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथ की ओर ले जाने और उन्हें आईएसआईएस में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की साजिश रची। आरोपियों ने इकरा कैंप नाम की 'मुस्लिम व्यक्तित्व विकास' कार्यशाला और उससे जुड़े साप्ताहिक अध्ययन समूह 'कुरान सर्कल' के जरिये युवाओं की पहचान की, उन्हें कट्टरपंथ की ओर बढ़ाया और आईएसआईएस में भर्ती किया। आरोप है कि उन्होंने धन जुटाया, उसे इस्तेमाल किया और भर्ती किए गए युवाओं को तुर्किये के रास्ते सीरिया भेजने में मदद की, ताकि वे आईएसआईएस में शामिल होकर सीरिया सरकार के खिलाफ लड़ सकें। एनआईए के आरोपपत्र में इन गतिविधियों को 'भारत सरकार के साथ गठबंधन रखने वाली एशियाई शक्ति सीरिया के खिलाफ युद्ध छेड़ना' बताया गया है।

'वे हमें उलझा रहे थे' नड्डा के घर किया गया नजरबंद

संसद मार्च के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार पर लगाए आरोप

जेपी नड्डा ने हमारे पैनल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने समाधान निकालने और बातचीत करने का वादा किया था। लेकिन बातचीत के लिए बुलाने के बाद, उन्होंने यहां लाठीचार्ज कर दिया। इस तरह वे हमें फंसाने की कोशिश कर रहे थे।

अभिजीत दीपके, सीजेपी के संस्थापक

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात को लेकर कहा कि सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को नजरबंद किया गया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के पुरुष कर्मियों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया है।

दीपके ने क्या आरोप लगाए

दीपके ने पत्रकारों से बताया कि 'जेपी नड्डा ने हमारे पैनल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने समाधान निकालने और बातचीत करने का वादा किया था। लेकिन बातचीत के लिए बुलाने के बाद, उन्होंने यहां लाठीचार्ज कर दिया। इस तरह वे हमें फंसाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने सौरभ दास और आशुतोष को जेपी नड्डा के घर में ही नजरबंद कर दिया। उनके फोन छीन लिए गए। हम तीन घंटे तक आशुतोष और सौरभ से संपर्क नहीं कर पाए। उन्होंने केंद्र पर आरोप लगाया कि धर्मेंद्र प्रधान को बचाने के लिए, जो पहले ही 20 से अधिक छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार है, मोदी सरकार और अमित शाह ने और बच्चों का खून बहाने का आदेश दिया। हमारे देश में क्या हो रहा है? अगर आप मार्च को रोकना चाहते थे, तो आप पानी की बौछारें इस्तेमाल कर सकते थे, लेकिन आपने आंसू गैस और क्रूर लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। बच्चों के सिर फोड़ने की क्या जरूरत थी? ये बच्चे इस देश का भविष्य हैं।'

'पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिलाओं पर किया हमला'

दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए, दीपके ने कहा कि पुलिस ने कार्रवाई के दौरान युवा लड़कियों को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि कल पूरे देश ने देखा कि दिल्ली पुलिस ने 12 साल की बच्चियों के सिर कितनी बेरहमी से फोड़े।

पुलिस ने बच्चियों को पीटा, उनके कपड़े फाड़े और उनकी छाती पर लात मारी। और यह सब पुरुष पुलिसकर्मियों ने किया। किसी भी महिला पुलिसकर्मी ने किसी बच्ची को छुआ तक नहीं जिन्होंने भी हाथ उठाया, वे सभी पुरुष पुलिसकर्मी थे।

छात्रों से ज्यादा पहुंचे बाहरी चेहरे

जोमैटो बॉय से लेकर ट्रक ड्राइवर तक शामिल

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। नीट-2026 को लेकर संसद मार्च के दौरान सोमवार को हुए बवाल के बाद केंद्र और दिल्ली सरकार ने भीड़ की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, जांच का सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल ऐसे लोगों का उद्देश्य क्या था, जिनका नीट परीक्षा से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या इन्हें किसी खास मकसद से दिल्ली बुलाया गया था और इनके पीछे कौन लोग थे?

पुलिस प्रदर्शन स्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन कैमरों और वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर लोगों की पहचान करेगी। बवाल और सरकारी काम में बाधा डालने समेत विभिन्न धाराओं में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पहचान पूरी होने के बाद उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संसद मार्च में बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी शामिल हुए, जिनका परीक्षा से प्रत्यक्ष या फिर अप्रत्यक्ष तौर पर कोई संबंध नहीं था। प्रदर्शन में ट्रक ड्राइवर, जोमैटो और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के डिलीवरी बॉय से लेकर दिहाड़ी मजदूर तक शामिल हुए।

हमको लग रहा था कि भीड़ हम पर हमला कर देगी : कंगना रनौत

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के हालिया विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली पुलिस के रुख का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि स्थिति बेहद तनावपूर्ण थी और अगर दिल्ली पुलिस मुस्तैद न होती, तो स्थिति बेकाबू हो सकती थी। सांसद कंगना रनौत ने कहा-सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने आम जन को उग्र भीड़ से बचाने के लिए एक ढाल की तरह काम किया। माहौल ऐसा बन गया था कि खुद सांसदों को भी अपने ऊपर हमले का डर सता रहा था। गौरतलब है कि सोमवार को सीजेपी के संसद मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली थी। इस मामले को लेकर जहां एक तरफ विपक्ष पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग और लाठीचार्ज को लेकर सरकार पर हमलावर है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा ने पुलिस कार्रवाई का बचाव किया है। भाजपा का कहना है कि पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया, ताकि स्थिति को हिंसक होने से रोका जा सके।

सीजेपी प्रोटेस्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने अब तक 5 एफआईआर दर्ज की

> वीडियो फुटेज से आरोपियों की पहचान जारी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने अब तक कुल पांच एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें कनॉट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट थानों के अलावा अन्य संबंधित पुलिस थानों में भी मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ ही जरूरत पड़ने पर और एफआईआर भी दर्ज की जा सकती हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जिन-जिन इलाकों में प्रदर्शन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने की घटनाएं हुईं, वहां संबंधित थानों में अलग-अलग मामले दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के वीडियो फुटेज, सीसीटीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। नई दिल्ली में संसद सत्र के दौरान बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने के मामले में भी एक अलग एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा पुलिस ने एक अन्य एफआईआर उस साजिश को लेकर दर्ज की है, जिसके तहत हिंसा की योजना बनाए जाने का आरोप है।

पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान इस मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण सबूत सामने आए हैं। इसके साथ ही सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामलों में दो अलग-अलग एफआईआर भी दर्ज की गई हैं। पार्लियामेंट स्ट्रीट थाना में दर्ज एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023, आर्म्स एक्ट, 1959 और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से संरक्षण अधिनियम (पीडीपीपी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई है। एफआईआर में सरकारी आदेश की अवहेलना, सरकारी कार्य में बाधा डालना, लोक सेवकों पर हमला, हिंसक और गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा बनना, दंगा, सार्वजनिक व्यवस्था भंग करना, गंभीर नुकसान पहुंचाना, दूसरों के जीवन और सुरक्षा को खतरे में डालना, साझा आपराधिक मंशा के तहत अपराध करना, आपराधिक साजिश, बिना वैध अनुमति हथियारों से जुड़े प्रावधान तथा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी धाराएं शामिल की गई हैं।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने गैरकानूनी रूप से भीड़ इकट्ठा कर सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित किया, सरकारी कामकाज में रुकावट डाली, हिंसक गतिविधियों में हिस्सा लिया और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और वीडियो फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

6 एमपी के शिवसेना में विलय की मंजूरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची उद्धव सेना

सीजेआई बेंच ने कहा-वादा नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 सांसदों की एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के फैसले को चुनौती देने के लिए पार्टी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई।

पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि इस मामले पर तत्काल सुनवाई की अनुमति दी जाए। हालांकि, सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया। लाइवलॉ की रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने इस मामले को भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत के सामने तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया।

'संसद में मेरा कामकाज पूरी तरह से ठप'

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने जब

उद्धव सेना के वकील से तत्काल सुनवाई की आवश्यकता के बारे में पूछा तो उन्होंने अदालत से कहा, 'एक राजनीतिक दल के तौर पर संसद में मेरा कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। ये सांसद मेरे साथ नहीं हैं। स्पीकर ने इनका दूसरी पार्टी में विलय को मंजूरी दे दी है। और यह इसी संसद सत्र के लिए है।' इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-वादा नहीं कर सकते (कल या शुक्रवार की लिस्टिंग की)। देखते हैं।

लोकसभा स्पीकर ने सत्र से पहले दी मंजूरी

रिपोर्ट के अनुसार संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी है। इस विलय के साथ ही महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के खेमे के साथ मात्र तीन लोकसभा सांसद ही रह गए हैं।

शिवसेना ही सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा

जिस शिवसेना की अगुवाई अभी एकनाथ शिंदे के हाथों में है, उसमें पहले उद्धव ठाकरे का खेमा भी शामिल था। लेकिन, पहले शिंदे ने बगावत की और चुनाव आयोग की ओर से उन्हें मूल पार्टी का नाम और चुनाव निशान भी मिल गया। शिंदे का खेमा अभी महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में सत्ताधारी एनडीए के साथ है। वहीं उद्धव ठाकरे की पार्टी दिल्ली में इंडी गठबंधन का हिस्सा है और महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी में शामिल है।

23 साल बाद लिया बाप की मौत का बदला

> नफरत ने युवक को बना दिया कातिल

पुणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)। 23 साल का लंबा इंतजार, दिल में सुलगती नफरत और पुरानी कटराज टनल के पास हुआ एक सनसनीखेज हत्या! पुणे से प्रतिशोध की एक ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है, जिसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जब 23 साल पहले एक बेकसूर पिता का कत्ल हुआ, तो उसका बेटा महज छह महीने का था। उसे नहीं पता था कि दुनिया क्या होती है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, दिल में सिर्फ एक ही सनक सवार थी, बाप की मौत का बदला! 11 जुलाई को जैसे ही पिता का कातिल जेल से जमानत पर बाहर आया, इस बेटे ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर उसका खेल खत्म कर दिया।

मृतक की पहचान 40 वर्षीय संजय बाबूराव कडू-देशमुख के रूप में हुई, जो एक अन्य आपराधिक मामले में जमानत पर बाहर घूम रहा था। पुलिस ने राजगढ़ थाने में हत्या का मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन कत्ल होने के बाद भी कातिल का कोई सुराग नहीं था। पुणे ग्रामीण पुलिस की लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने जब इस मर्डर मिस्ट्री की तफ्तीश शुरू की, तो मोबाइल टावर डंप डेटा और तकनीकी सबूतों के जाल में दो नाम आकर फंस गए, मंथन वैद्य (24) और सौरभ परदेशी।

पुलिस ने 14 जुलाई को इन दोनों को दबोच लिया। थर्ड डिग्री और कड़े इम्तहान के सामने जब आरोपियों ने मुंह खोला, तो एक ऐसी कहानी सामने आई जिसने पुलिस अफसरों की रीढ़ में सिहरन पैदा कर दी। यह कत्ल सिर्फ चंद दिनों की दुश्मनी का नतीजा नहीं था, बल्कि इसके पीछे 23 साल लंबा खूनी इंतजार छिपा था।

दिल्ली के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी

85 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित; कई रद्द, कई के रूट बदले

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली डिवीजन के गाजियाबाद-नई दिल्ली रेल मार्ग पर मंगलवार 21 जुलाई 2026 को एक मालगाड़ी के 6 भरे हुए डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके बाद रेलवे ने 85 से ज्यादा ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। यह रेल मार्ग दिल्ली-हावड़ा रूट का हिस्सा है। उत्तरी रेलवे के अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि रेलवे के बड़े अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। हादसे के कारण कई यात्री ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनें रद्द की गई हैं, कुछ को बीच रास्ते तक चलाया जा रहा है, कुछ के रूट बदले गए हैं और कुछ ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री को इस्तीफा लिखना नहीं आता

> महुआ मोइत्रा का धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा तंज

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का धरना प्रदर्शन जारी ही।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तंज कसा है। टीएमसी सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि लगता है कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा लिखना नहीं आता है।

संघ सिर्फ माफीनामा लिखना सिखता हैः महुआ मोइत्रा

महुआ मोइत्रा ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'हो सकता है कि शिक्षा मंत्री को त्याग पत्र लिखना नहीं आता हो...आरआसएस आपको (धर्मेंद्र प्रधान) सिर्फ माफीनामा लिखना सिखाता है।'

छात्रों के समर्थन में टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस उन राजनीतिक दलों

में शामिल है, जिन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को शुरुआती चरण से ही समर्थन दिया है। पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष ने जंतर-मंतर पहुंचकर वांगचुक और प्रदर्शनकारियों के प्रति एकजुटता दिखाई, जबकि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनसे (वांगचुक) फोन पर बात की।

छात्रों पर लाठीचार्ज, कांग्रेस ने अमित शाह का इस्तीफा मांगा

इस बीच, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में सोमवार को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की और कहा कि इस मामले पर प्रधानमंत्री मोदी को माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से यह भी कहा कि वह घायल छात्रों से मिलने जाएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात

इससे पहले, उन्होंने कई विपक्षी नेताओं के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और कहा कि हम चर्चा चाहते हैं। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें सरकार से पूछना पड़ेगा।'

खबरें जरा हटके

वो अनोखा शहर, जो बसा है 'मौत के कुएं' के किनारे

एक हादसा और सीधे 300 फीट गहरी खाई में समा जाएंगे घर!

दुनियाभर में कई ऐसी खौफनाक और रोमांचक जगहें मौजूद हैं, जिन्हें पहली बार देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. फ्रांस का बोजोल्स भी उन्हीं जगहों में से एक है. यहां का सबसे बड़ा आकर्षण कोई महल या ऐतिहासिक इमारत नहीं, बल्कि एक विशाल प्राकृतिक खाई है, जो किसी मौत के कुएं के समान है. हैरानी की बात यह है कि पूरा शहर इसी खाई के बिल्कुल किनारे बसा हुआ है. दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे घर किसी भी वक्त नीचे गिर जाएंगे, लेकिन सदियों से लोग यहां सामान्य जिंदगी जी रहे हैं. दक्षिण फ्रांस के अवेयरॉन इलाके में बसे इस छोटे से शहर की आबादी करीब तीन हजार है. शहर के बीचों-बीच मौजूद 'टू दे बोजोल्स' नाम की प्राकृतिक घाटी इसकी पहचान बन चुकी है. यह करीब 1200 फीट चौड़ी और लगभग 300 फीट गहरी है. ऐसा लगता है कि एक छोटे से हादसे में ही यहां के घर जमींदोज हो सकते हैं. लेकिन ये सालों से जस के तस हैं. इस जगह को ऊपर से देखने पर इसकी आकृति घोड़े की नाल जैसी दिखाई देती है, इसलिए यह जगह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है. हालांकि, इस घाटी को इंसानों ने नहीं बनाया है. वैज्ञानिकों के मुताबिक लाखों साल तक दूर्दू नदी लगातार चूना पत्थर की चट्टानों को काटती रही. धीरे-धीरे कटाव बढ़ता गया और इस तरह विशाल खाई तैयार हो गया. भूवैज्ञानिक मानते हैं कि हिमयुग के दौरान हुए प्राकृतिक बदलावों ने भी इसकी वर्तमान बनावट बनाने में अहम भूमिका निभाई. सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, इतिहास के लिहाज से भी यह शहर काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. गहरी खाई और ऊंची चट्टानों की वजह से यहां तक पहुंचना आसान नहीं था. इसी कारण पुराने समय में लोगों ने इसे सुरक्षित जगह मानकर यहां बस्ती बसाई. बाद में एक किले का भी निर्माण किया गया, जिसके कुछ अवशेष आज भी दिखाई देते हैं. वहीं, 12वीं सदी का सेंट फॉस्ट चर्च आज भी इस शहर की पहचान बना हुआ है. स्थानीय लोगों के बीच इस जगह को लेकर कई रोचक कहानियां भी सुनाई जाती हैं. कुछ लोग मानते थे कि यह विशाल गड्ढा किसी अलौकिक शक्ति ने बनाया था. हालांकि, वैज्ञानिक इसे पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम मानते हैं.

गुरुग्राम के ठेके में आई 75 लाख की शराब, सुरक्षा में लगे कई गार्ड

30 एमएल का एक पेग भी पड़ेगा महंगा!

हरियाणा का मिलेनियम सिटी गुरुग्राम लग्जरी लाइफस्टाइल, हाई-एंड कारों, महंगी इमारतों और पार्टी कल्चर के लिए मशहूर है. अब इसमें एक नया अध्याय जुड़ गया है. एमजी रोड पर ब्रिस्टल होटल के पास स्थित जी टाउन वाइन शॉप पर पहुंची है 75 लाख रुपये की 50 साल पुरानी सिंगल माल्ट स्कॉच व्हिस्की. यह द बालविन 50 साल पुरानी सिंगल माल्ट स्कॉट्च व्हिस्की है. स्कॉटलैंड से विशेष रूप से इंपोर्ट की गई इस बोतल की दुनिया भर में सिर्फ 125 बोतलें बनी थीं. भारत में सिर्फ एक बोतल पहुंची है. ठेके के मालिक का दावा है कि यह पूरे देश में इकलौती बोतल है. इतनी महंगी बोतल को लेकर ठेके पर तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. कई प्राइवेट गार्ड तैनात हैं. बोतल को दूसरी शराबों से अलग खास जगह पर रखा गया है. इसकी सुरक्षा किसी बेशकीमती आभूषण जैसी की जा रही है. लोगों में इसे देखने का उत्साह और सेल्फी का क्रेज देखा जा रहा है. बोतल के वायरल वीडियो के बाद रोजाना बड़ी संख्या में लोग सिर्फ इसे देखने और सेल्फी लेने पहुंच रहे हैं. युवा, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और दिल्ली-एनसीआर के एलीट क्लास के लोग यहां पहुंच रहे हैं. यह ठेका अब टूरिस्ट स्पॉट जैसा बन गया है. सामान्य शराब में 30 एमएल पेग सस्ता होता है, लेकिन इस दुर्लभ व्हिस्की में एक छोटा पेग भी आम आदमी की पहुंच से बाहर होगा. शौकीन इसे स्टेटस सिंबल मान रहे हैं. गुरुग्राम में जिस ठेके में इस शराब को रखा गया है, उसकी कीमत 100 करोड़ बताई जा रही है. यहां की आबकारी नीति और तेजी से बढ़ती वेल्थ ने लग्जरी शराब मार्केट को बढ़ावा दिया है. अब लोग सिर्फ महंगी गाड़ी या फ्लैट नहीं, बल्कि बार कैबिनेट में रखी शराब से भी अपनी नेटवर्थ दिखाते हैं.

हवा में उड़ते ही मच्छरों पर होगा 'मिसाइल' अटैक

अमरीकी कंपनी ने बनाया छोटा ड्रोन, अब मिनटों में होगा सफाया!

गर्मी का मौसम आते ही या बारिश के दिनों में मच्छरों का आतंक पूरी दुनिया में एक गंभीर समस्या बन जाता है. डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए इंसान दशकों से जहरीले कीटनाशकों, मॉस्किटो कॉइल और केमिकल्स का इस्तेमाल करता आ रहा है. लेकिन ये केमिकल जितने मच्छरों के लिए खतरनाक होते हैं, उतने ही इंसानी सेहत और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं. अब इस दशकों पुरानी समस्या का एक बेहद हाई-टेक और अनोखा तोड़ अमरीकी इंजीनियर्स ने ढूंढ निकाला है. एक अमरीकी टेक स्टार्टअप ने ऐसे माइक्रो-ड्रोन विकसित किए हैं, जो हवा में उड़ते हुए मच्छरों और अन्य कीड़ों को ढूंढकर मिसाइल अटैक की तरह सीधे उन्हें मार गिराने में सक्षम है.

अमेरिका के प्रसिद्ध स्टार्टअप एक्सीलेटर वाई कॉम्बिनेटर के सपोर्ट से चल रहे टॉर्नयोल नाम के इस स्टार्टअप के इंजीनियर्स ने इस एआई-संचालित माइक्रो-ड्रोन को तैयार किया है, जो मच्छरों के खात्मे की लागत को 100 गुना तक कम कर सकता है. इस स्टार्टअप का मुख्य विजन यह है कि भविष्य में जहरीले रसायनों और महंगे साधनों की जगह इन छोटे ड्रोनों के झुंड को शहरों में उड़ाया जाए, जो इंसानों को नुकसान पहुंचाए बिना मच्छरों का चुन-चुनकर हवा में ही शिकार कर सकें. हाल ही में टॉर्नयोल के सह-संस्थापक एलेक्स टौसेंट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसे उन्होंने कंपनी का पहला एयर-टू-एयर किल करार दिया है. इस वीडियो में एक बेहद छोटा ड्रोन एक बंद टेस्टिंग एरिया में एक पतंगे का पीछा करता हुआ दिखाई देता है और अंत में उस पर सटीक निशाना साधकर उसे हवा में ही मार गिराता है.

सुविचार
झूठों के साथ बहुत लोग रहते हैं लेकिन सच्चे के साथ निभाना मुश्किल होता है। जिस तरह गंदे जल में मछलियां होती है स्वच्छ जल में नहीं ।

मंत्री पोन्नम ने भाजपा अध्यक्ष को केंद्रीय निधि लाने की चुनौती दी

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीएससी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव पर जमकर हमला बोला और उन पर निराधार आरोप लगाने और केवल अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता साबित करने के लिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। मंगलवार को यहां एक बयान में, मंत्री ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को चुनौती दी कि वे तेलंगाना को अल नीनो के कारण उत्पन्न सूखे जैसी स्थितियों से निपटने में मदद करने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता प्राप्त करें।

उन्होंने कहा कि रामचंदर राव को राज्य सरकार पर आरोप लगाने के बजाय तेलंगाना के लोगों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार से धन प्राप्त करने के लिए अपने पद का उपयोग करना चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने आरोप लगाया कि चूंकि रामचंदर राव किसी भी निर्वाचित सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उनके पास अपने विचार व्यक्त करने के लिए कोई आधिकारिक मंच नहीं है और इसलिए वे राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए विधानसभा सत्रों से पहले अनावश्यक टिप्पणियां करते हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विधानसभा में क्योर विधेयक पेश करेगी, जहां सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने का पूरा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा अनावश्यक विवाद खड़ा करने के बजाय सदन में अपने विधायकों, एमएलसी और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से अपना रुख स्पष्ट कर सकती है। पोन्नम प्रभाकर ने मांग की कि भाजपा इस बात पर स्पष्ट रुख अपनाए कि जीएचएमसी सीमा के भीतर गरीब परिवारों को घर दिए जाने चाहिए या नहीं।

उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए आवास कार्यक्रम को राजनीतिक नजरिए से देखने के बजाय जन कल्याण के नजरिए से देखा जाना चाहिए। भाजपा के इस दावे का जिक्र करते हुए कि आवास योजना में केंद्र सरकार का अनुदान शामिल है, मंत्री ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे राज्य के लिए अतिरिक्त धनराशि सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालकर तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना को जारी की गई धनराशि केंद्र द्वारा दान नहीं थी, बल्कि तेलंगाना की जनता द्वारा दिए गए करों से राज्य का संवैधानिक अधिकार था।

रोड के किनारे नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह शमशाबाद में एयरपोर्ट कॉलोनी ब्रिज के पास ओआरआर सर्विस रोड पर एक सफेद बैग में नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली।

पुलिस के अनुसार, उन्हें सुबह करीब 11:30 बजे 'डायल 100' पर एक कॉल आई, जिसमें बताया गया कि सड़क के किनारे एक नवजात बच्ची को छोड़ दिया गया है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को बचाया। शुरूआती जांच से पता चला कि बच्ची का जन्म शायद एक या दो दिन पहले हुआ था।

उसे तुरंत शमशाबाद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में उसे बेहतर देखभाल और सुरक्षा के लिए अमीरपेट स्थित शिशु विहार भेज दिया गया। पुलिस ने नवजात बच्ची को लावारिस छोड़ने का मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि अगर उनके पास बच्ची या उसे छोड़ने वालों की पहचान करने में मदद करने वाली कोई जानकारी हो, तो वे सामने आएं।

बलकमपेट येल्लम्मा कल्याण महोत्सव धूमधाम से संपन्न

मंत्री कोंडा सुरेखा तथा पोन्नम प्रभाकर ने देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बलकमपेट स्थित श्री येल्लम्मा मंदिर में मंगलवार को देवी येल्लम्मा का दिव्य कल्याण महोत्सव अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर देवी के दर्शन किए और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। राज्य सरकार की ओर से वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा तथा राजस्व एवं आवास मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने देवी को रेशमी वस्त्र और मोतियों के तिलक अर्पित किए। महोत्सव में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की धर्मपत्नी गीता, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की धर्मपत्नी काव्या रेड्डी, विधायक दानम नागेंदर, तलसानी श्रीनिवास यादव, नवीन यादव तथा सरकारी सचेतक अद्दांकी दयाकर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। देवादाय आयुक्त हनुमंत राव तथा मंदिर समिति के अध्यक्ष साईबाबा के नेतृत्व में महोत्सव की व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सुव्यवस्थित दर्शन पंक्तियों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिससे भक्तों को बिना किसी परेशानी के दर्शन हो सके। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला, यातायात पुलिस उपायुक्त काजल सिंह, संयुक्त आयुक्त रामकृष्ण राव, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी विनोद रेड्डी सहित विद्युत, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, जलापूर्ति एवं सीवरेज, चिकित्सा, राजस्व, देवादाय तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी महोत्सव में भाग लेकर व्यवस्थाओं की निगरानी की।

नए क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी माधव रचय्या सल्फुले ने 20 जुलाई से क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (आरपीओ) और हैदराबाद कार्यालय के प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। 2014 बैच के आईएफएस अधिकारी सल्फुले ने इससे पहले फ्रांस के पेरिस स्थित भारतीय दूतावास में राजनीतिक और कांसुलर विंग में प्रथम सचिव के रूप में कार्य किया था।

ओआरआर पर गलत साइड गाड़ी चलाने के लिए ट्रक ड्राइवर पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को एक ड्राइवर द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट की गई शिकायत के बाद, शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड पर गलत साइड गाड़ी चलाने के आरोप में रेडी मिक्स कंक्रीट ट्रक के ड्राइवर का पता लगाकर उस पर मामला दर्ज किया गया है।

यह घटना तब सामने आई जब सरित चंदा, जिन्होंने एक्स पर खुद को पीएचडी होल्डर बताया, ने कहा कि शमशाबाद एंट्री से ओआरआर में घुसने के तुरंत बाद वे बाल-बाल बचे। उनकी पोस्ट के अनुसार, वे एक मोड़ से गुजर रहे थे तभी अचानक गलत दिशा से एक ट्रक आया, जिससे वे खतरनाक स्थिति में फंस गए।

डैशकैम क्लिप अटैच करते हुए उन्होंने कहा कि वे सुरक्षित बच गए और अधिकारियों से कार्रवाई करने की अपील की।

शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शुरू में घटना की सटीक जगह पूछी और जांच में आसानी के लिए जियो-टैग या गूगल मैप्स लोकेशन की मांग की। इसके बाद, आरजीआईए ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि उन्होंने मिली जानकारी के आधार पर जांच की और आरएमसी लॉरी के ड्राइवर का पता लगाया। ड्राइवर को कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए शमशाबाद पुलिस स्टेशन में पेश किया गया।

पुलिस ने ड्राइवरों से ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने और गलत साइड गाड़ी चलाने से बचने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि इस तरह के उल्लंघन सड़क का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

राउडी-शीटर की हत्या के मामले में तीन लोग हिरासत में

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट पुलिस ने राउडी-शीटर नंदनवनम सूरी उर्फ दसारी सूरी की हत्या के सिलसिले में मुख्य संदिग्ध समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और जांचकर्ता मामले की जांच कर रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुख्य संदिग्ध अफरोज उर्फ सलमान और दो अन्य लोगों को जानलेवा हमले के कुछ घंटों बाद हिरासत में लिया गया। घटनाओं के क्रम और हत्या में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का पता लगाने के लिए तीनों से पूछताछ की जा रही है।

खबरों के मुताबिक, हत्या के तुरंत बाद अफरोज इंस्टाग्राम लाइव सेशन में आया और उसने सनसनीखेज दावे किए। उसने कथित तौर पर लाइव प्रसारण के दौरान सूरी की हत्या की ज़िम्मेदारी ली और पुलिस के बारे में अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया। कहा जा रहा है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद जांचकर्ता इसकी सच्चाई की जांच कर रहे हैं और यह देख रहे हैं कि क्या इसे मामले में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस बीच, पुलिस को शक है कि यह हत्या पुरानी निजी दुश्मनी के कारण हुई। सूरी, जिस पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे, उसे कथित तौर पर सोमवार रात चाकू से हमला करने से पहले टीकेआर कॉलेज इलाके में बुलाया गया था। पुलिस का मानना है कि यह हत्या बदले की भावना से पहले से सोची-समझी साजिश के तहत की गई थी। उम्मीद है कि वे मामले के हिस्से के तौर पर डिजिटल सबूत, जिसमें कथित इंस्टाग्राम लाइव वीडियो भी शामिल है, इकट्ठा करेंगे।

छात्रवृत्ति वितरण समारोह में टीएसएचआरसी के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीएसएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति शमीम अख्तर, 22 जुलाई को माधापुर स्थित वैष्णवी ग्रुप कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित होने वाले वाईआरपी फाउंडेशन छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। वैष्णवी समूह के तत्वावधान में वाईआरपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ.जे. पूर्णचंद्र राव और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एम. जगदीश्वर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि वैष्णवी समूह और वाईआरपी फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष येलीशाला रवि प्रसाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

हर मतदाता अपने वोट की सुरक्षा के प्रति रहे जागरूक : महेश कुमार गौड़

एसआईआर को लेकर कांग्रेस की समीक्षा बैठक

निजामाबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बैठक में उन्होंने पार्टी नेताओं, जनप्रतिनिधियों, बूथ स्तरीय एजेंटों और नगर निगम पार्षदों के साथ चर्चा करते हुए एसआईआर प्रक्रिया के प्रति लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर निजामाबाद की महापौर उमा रानी, किसान आयोग के सदस्य गड्डुगु गंगाधर, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नागेश रेड्डी, बोब्बिली रामकृष्ण, निगम अध्यक्ष शेखर गौड़, केश वेणु, ताहेर बिन सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है और प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लोगों के बीच फैली आशंकाओं को दूर करने तथा विशेष रूप से गरीब वर्ग के लोगों को पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने बूथ स्तरीय एजेंटों को अत्यंत सतर्कता के साथ कार्य करने और प्रत्येक मतदाता के विवरण की सावधानीपूर्वक जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महेश कुमार गौड़ ने नगर निगम पार्षदों से समन्वय के साथ काम करने, पार्टी को मजबूत करने तथा मतदाताओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्ष मतों की रक्षा करना प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पुतले का दहन

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में मांगा इस्तीफा

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पुतले का दहन किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर दो बजे आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीपीसीसी ओबीसी विभाग के संयोजक डॉ. केतुरी वेंकटेश ने कहा कि दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और युवाओं पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने युवाओं से निराश नहीं होने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में पिछले 12 वर्षों के दौरान विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में 156 से अधिक बार प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं हुई हैं, जिससे देशभर के अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समुदायों तथा गरीब और बेरोजगार युवाओं को नुकसान उठाना पड़ा है। डॉ. वेंकटेश ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य केंद्र में बदलाव लाना है और पार्टी नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने तथा मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम में मेकला वीरन्ना यादव, राजेश शामीरपेट, अलोकनाथ, वरीकुप्पला सुधाकर, देरंगुला कृष्ण, अरुण कुमार गौड़, पवन गौड़, श्रीनिवास, वेदप्रकाश, श्रवण कुमार, दासरी राजुल श्रीनिवास, महेंद्र, वेंकटेश गौड़, कृष्ण, तिरुपति रविंदर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CLASSIFIEDS

किराये पर

मलकपेट स्टेशन नलगोंडा चौरस्ता मेट्रो पिल्लर नम्बर 1421 के समीप उपलब्ध , तीन रूम बड़ा हॉल , किचन , तीन बालकनी हवादार , फ़र्स्ट फ़्लोर , घरेलू पोरशन , केवल हिंदू सनातनी जैन परिवार अथवा धार्मिक सामाजिक सेवा में समर्पित इच्छुक संस्थाओं के लिये उपयुक्त Reasonable Rent & Common Charges , Cool Lane सम्पर्क करे - राजन शर्मा (Mob.) 9849562709 .

CHANGE OF NAME

I, Sadhu Divya, W/o, No. 17015366N, CFN, Sadhu Diwakar, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Sadhu Divya to Dunga Divya, vide Affidavit No. BU 316361 dt. 20.07.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

यूपी में सड़कों पर दौड़े मगरमच्छ, घरों में घुसा पानी

सोफा तैरा, 20 शहरों में बारिश, 2 में स्कूल बंद, 3 दिन में 10 मौतें

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत 20 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ में 48 घंटों से बारिश का सिलसिला जारी है। पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं। इसके अलावा, आज सभी 75 जिलों में अलर्ट है। 66 में भारी बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे में प्रयागराज में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। बारिश का पानी घरों में घुस गया। अंडरपास में 2 फीट तक जलभराव होने से ट्रैफिक रोकना पड़ा। कौशांबी में घर में पानी भरने से सोफे-कुर्सियां तैरती दिखीं। पीलीभीत और बहराइच में खराब मौसम की वजह से सभी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई।

इधर, यूपी में कई नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया है। पानी के साथ मगरमच्छ भी गांव तक पहुंच गए हैं। खेतों और सड़कों पर दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। वाराणसी-प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में 50 छोटे मंदिरों में पानी भर गया है।

इससे पहले, सोमवार को गोरखपुर, अयोध्या समेत 50 जिलों में बारिश हुई। फिरोजाबाद और उन्नाव के सरकारी अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया। शामली में नहर टूट गई। 10 फीट सड़क धंस गई। प्रदेश में पिछले 3 दिनों में बारिश और बिजली गिरने की वजह से 10 लोगों की मौत हो गई।

बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने के साथ ही मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। मानसूनी रेखा श्रीगंगानगर, रोहतक, हरदोई, वाराणसी, रांची होते हुए उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। ऐसे में यूपी में 24 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसके बाद 3-4 दिन कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। कानपुर देहात के अमराहट गांव में लगातार बारिश के बीच एक 7 फीट लंबा मगरमच्छ मिला। गांव की सूखी नहर में ग्रामीणों ने मगरमच्छ को देखा। तुरंत सूचना स्थानीय अमराहट थाना पुलिस को दी।

थाना प्रभारी महेश कुमार ने वन विभाग को सूचित किया। वन दारोगा इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। मगरमच्छ को रस्सियों की मदद से सुरक्षित निकाला। पास ही बह रही यमुना नदी में सुरक्षित छोड़ दिया।

किशनगंज जेल में 4 माह में 3 बंदियों की मौत

किशनगंज, 21 जुलाई (एजेंसियां)। किशनगंज मंडल कारा में पिछले चार महीनों के दौरान तीन बंदियों की मौत के बाद जेल प्रशासन की व्यवस्था और बंदियों की स्वास्थ्य निगरानी पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। मार्च से जुलाई 2026 के बीच अलग-अलग परिस्थितियों में इन मौतों की पुष्टि हुई है, जिनमें एक सजायाफ्ता बंदी, एक विचाराधीन महिला बंदी और एक नई महिला बंदी शामिल है। सबसे पहले, 23 मार्च 2026 को सजायाफ्ता बंदी कैलाश कामती की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी। इस मामले में जेल प्रशासन की ओर से यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) केस दर्ज कराया गया था।

बताया गया था कि बंदी लंबे समय से अस्वस्थ था और उपचार के दौरान उसकी मौत हुई। इसके बाद, 10 जून 2026 को मंडल कारा के महिला वार्ड में विचाराधीन महिला बंदी उषा रानी मृत पाई गई थी। वह दहेज मृत्यु से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद थी।

एसपी नेता के मीट प्लांट में अमोनिया गैस का रिसाव

दो नाबालिग समेत 14 महिला मजदूर अस्पताल में भर्ती

बीमार कर्मियों का चल रहा इलाज

सहारनपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। गागलहेड़ी थाना क्षेत्र स्थित एएलएम मीट प्लांट में मंगलवार दोपहर अमोनिया गैस के रिसाव से अचानक अफरा-तफरी मच गई। गैस फैलते ही प्लांट में काम कर रहे कर्मचारियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई महिला मजदूर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। घटना के बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने तत्काल काम बंद कराया। सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गैस रिसाव की इस घटना में कुल 14 महिला मजदूरों की तबीयत बिगड़ गई, जिनमें दो नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं।

मीट प्लांट में गैस रिसाव के कारण तबीयत बिगड़ने के बाद सभी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, कुछ महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर सभी के खतरे से बाहर होने की पुष्टि अभी नहीं की गई है। घायलों में सकीबा, नसरीन, गुलशन, सरवीन, रुखसार, निशा, नयना, मीसबा, मजरीन, फमीना, बानो, सरीन, नगमा सहित अन्य महिला कर्मचारी शामिल हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, गागलहेड़ी स्थित यह एएलएम मीट प्लांट समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूर्व सांसद हाजी फजलुर रहमान का है। हाजी फजलुर रहमान सहारनपुर से वर्ष 2009 से 2014 तक सपा के टिकट पर सांसद रह चुके हैं। उनके मीट प्लांट में करीब 250 मजदूर कार्यरत हैं।

गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों और पुलिस में धक्का-मुक्की

बैरिकेड हटाने को लेकर बढ़ा तनाव, ट्रेड डील के विरोध में जंतर-मंतर जा रहे थे

गाजियाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। मंगलवार दोपहर 1 बजे किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया।

किसान आगे बढ़ने की जिद पर अड़ गए और बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 20 मिनट तक मौके पर गहमा-गहमी का माहौल रहा। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देशभर के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट तक कूच का ऐलान किया था। इसी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए यूपी के किसान भी दिल्ली जा रहे थे। इसके देखते हुए दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस तैनात है। वहीं, मेरठ में किसानों ने लंबित मांगों को लेकर अपने हाथों में गन्ना लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचे। करीब सवा 11 बजे करीब 2000 किसान कमिश्नर आफिस के बाहर पहुंच गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए कमिश्नर ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगवा दिया।

करीब साढ़े 12 बजे भाकियू टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने धरने के दौरान प्रशासन को चेतावनी दे डाली।

कहा- तानाशाह अधिकारियों के लिए खुली चेतावनी है। हम यहां 2 घंटे से धरने पर हैं और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर 10 मिनट में कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार नहीं किया।

यूपी में ग्रेजुएशन पास छात्राओं को स्कूटी मिलेगी

इनकम 10 लाख तक हो, विधानसभा में संभल दंगे की रिपोर्ट पेश होगी, कैबिनेट से 18 प्रस्ताव पास

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार इस साल ग्रेजुएशन पास करने वाली छात्राओं को स्कूटी देगी। इसका फायदा उन छात्राओं को होगा, जिनके परिवार की सालाना आय 10 लाख रुपए तक होगी। हालांकि, दिव्यांग छात्राओं, शहीदों और निराश्रित परिवार की बेटियों पर आय सीमा नहीं लागू होगी।

स्कूटी हर विश्वविद्यालय और कॉलेज की टॉप 5% छात्राओं को ही मिलेगी। सरकार सिर्फ स्कूटी ही नहीं देगी, बल्कि उसका बीमा, रजिस्ट्रेशन, हेलमेट, जरूरी एक्सेसरीज और 4 लीटर पेट्रोल भी देगी। हालांकि, छात्राओं को ड्राइविंग लाइसेंस खुद बनवाना होगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया-स्कूटी बांटने के लिए 400 करोड़ का बजट मंजूरी दी गई है। स्कूटी पेट्रोल से चलने वाली होगी। इसकी खरीद जेमपोर्टल से की जाएगी। 10 लाख से ज्यादा इनकम वाले परिवारों की बेटियों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। दरअसल, मंगलवार दोपहर 12 बजे योगी कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना समेत 18 प्रस्तावों पर मुहर लगी। सरकार ने बताया कि यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र 3 अगस्त से 6 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान सदन में संभल दंगों की जांच रिपोर्ट रखी जाएगी। साथ ही अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इसके अलावा, प्रदेश में 2 और एक्सप्रेस-वे बनाए जाएंगे। इनमें विंध्य एक्सप्रेस-वे और विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे शामिल हैं।

मंदिर-मठ के पास गांजे का धुआं उड़ रहा

विधान परिषद में सुनील सिंह बोले-सूखा नशा कर रहे युवा, पंचायत में टैक्स वसूली पर विपक्ष का हंगामा

पटना, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र के दूसरे दिन पंचायत में टैक्स वसूली का मसला विधानसभा में उठा। माले विधायक ने कहा- इससे गरीबों पर बोझ बढ़ेगा। विपक्ष ने पंचायती कर, आकस्मिकता निधि पर चर्चा कराने की मांग की और कार्य स्थगन प्रस्ताव लाया। प्रस्ताव अमान्य होने पर विपक्षी विधायक हंगामा करने लगे। वेल में आए। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार सदस्यों को सीट पर जाने को कहा।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि विधेयक आएगा तो चर्चा होगी। कोई कर लग रहा है तो विपक्ष संशोधन प्रस्ताव सदन में लाए। तब विपक्षी सीट पर लौटे।

इधर, विधान परिषद में सूखे नशे का मुद्दा उठा। राजद एमएलसी सुनील सिंह ने कहा, 'बिहार में गांजा,चरस तो एकदम सामान्य है। मंदिरों के पास गांजे का धुआं उड़ रहा है।'

मंदिर, मठ-आश्रमों के नाम लेने पर बीजेपी विधायकों ने सुनील सिंह का विरोध किया। इस पर सुनील सिंह ने कहा कि मंदिर का सब पैसा आप लोग खा गए।

लंच ब्रेक के बाद इसी मुद्दे पर बीजेपी एमएलसी अनामिका सिंह और राजद एमएलसी मुन्नी रजक के बीच नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के चेंबर के बाहर खूब तू-तू मैं-मैं हुई।

इधर, जदयू विधायक श्याम रजक ने विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरा। उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े सवाल पर मंत्री लखेंद्र कुमार के जवाब से असंतुष्टी जताते हुए कहा कि डॉक्टर भीमराम अंबेडकर स्कूलों में 62 फीसदी शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में पढ़ाई कैसे होगी।

इस पर मंत्री लखेंद्र कुमार ने जबाव देते हुए कहा कि स्कूलों में 3456 शिक्षक हैं।

91 विद्यालय अभी संचालित हो रहे हैं। माध्यमिक में 1456 पद स्वीकृत हैं। उच्च माध्यमिक में 950 पद स्वीकृत हैं। कुल 2406 पद स्वीकृत हैं। 1290 शिक्षक कार्यरत हैं। टीआरई-4 के जरिए बीपीएससी को वैकेंसी के लिए भेजा गया है।

श्याम रजक ने कहा- कब होगा क्या होगा इसकी समय सीमा बताइए। मंत्री लखेंद्र कुमार ने कहा, आपकी चिंता बिल्कुल सही है। बीपीएससी जैसे ही बहाली करेगी शिक्षक बहाल हो जाएंगे। दोनों के बयानों के बीच अचानक सीएम सम्राट खड़े हुए और कहा कि मैं शिक्षा विभाग को इसे देखने के लिए कह रहा हूं। 1 महीने के अंदर यहां शिक्षक उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

प्रश्नकाल के दौरान विद्यालय भवन की कमी का मुद्दा भी सदन में उठा। जिसके बाद सीएम सम्राट चौधरी ने ऐलान किया अगले छह महीने में जिन स्कूलों के पास जमीन नहीं है, उन्हें जमीन मुहैया कराई जाएगी।

वहीं शिक्षा मंत्री ने कहा- आनेवाले 5 साल में सरकार 1 लाख शिक्षकों की नियुक्ति करेगी।

छात्रों में कहीं न कहीं आक्रोश तो है

जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर बोले चिराग पासवान

पटना, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे छात्रों की भावनाओं और उनकी चिंताओं का पूरा सम्मान करते हैं। विभिन्न मुद्दों को लेकर युवाओं में आक्रोश होना स्वाभाविक है, इसी वजह से वे सड़कों पर उतरे हैं।

लोजपा-आर प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने जोर देकर कहा कि वे किसी भी तरह से छात्रों की आवाज दबाने के पक्षधर नहीं हैं। लोकतंत्र में संवाद ही समस्याओं के समाधान का सबसे बेहतरीन जरिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के दरवाजे हमेशा बातचीत के लिए खुले हैं। कल जब छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से मिलने की इच्छा जताई, तो तुरंत केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ उनकी मुलाकात कराई गई, जहां छात्रों ने अपनी मांगें रखीं।

प्रदर्शन के दौरान हुए घटनाक्रम पर चिराग पासवान ने कहा कि कई बार आक्रोश में लोग सड़कों पर आते हैं और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार लोकतंत्र देता है। लेकिन जब मर्यादाएं लांघी जाती हैं या कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है, तो प्रशासन को कड़े कदम उठाने पड़ते हैं। हालांकि, वो ऐसे सख्त कदमों का समर्थन नहीं करता। छात्र और युवा देश का भविष्य हैं और उनकी भावनाओं का सम्मान करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

इसके साथ ही चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित एनडीए सांसदों के 'मंगल मिलन' कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री का सभी सांसदों के साथ संवाद करने की यह एक परंपरा रही है, जहां वे सामयिक मुद्दों पर अपना मार्गदर्शन देते हैं।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने भारतीय युवाओं और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य पर विशेष रूप से चर्चा की। पीएम मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे देश के युवाओं ने न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का मान बढ़ाया है।

2000 से अधिक किसानों ने कलेक्ट्रेट घेरा

बोले- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक धरना जारी रहेगा, 6 घंटे बाद ज्ञापन लिया

मेरठ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में अपनी लंबित मांगों को लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट में 6 घंटे तक प्रदर्शन किया। डीएम ने किसानों से बात की। डीएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एडीएम सिटी ब्रजेश सिंह को ज्ञापन दिया। किसान नेताओं ने कहा कि अब 1 सितंबर को कमिश्नरी पर संगठन द्वारा महापंचायत की जाएगी।

जिसमें अफसरों से पूछा जाएगा कि किसानों की कितनी मांगों पर अमल हुआ। इससे पहले मंगलवार सुबह करीब सवा 11 बजे करीब 2000 किसान अभी कमिश्नर आफिस के बाहर पहुंच गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए कमिश्नर ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगवा दिया।

करीब साढ़े 12 बजे भाकियू टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने धरने के दौरान प्रशासन को चेतावनी दी। कहा- तानाशाह अधिकारियों के लिए खुली चेतावनी है। हम यहां 2 घंटे से धरने पर हैं और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर 10 मिनट में कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार नहीं किया। नहीं तो किसके गेट टूटेंगे और क्या होगा नहीं पता।

हालांकि थोड़ी देर में ही कमिश्नर के प्रतिनिधि पहुंचे और किसानों ने उन्हें ज्ञापन सौंप दिया। इसके बाद वहां से 500 मीटर दूर हाथों में ज्वार की फसल लेकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अपने ट्रैक्टर खड़े करके धरने पर बैठ गए।

किसानों ने कहा- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। शाम करीब 5.30 बजे डीएम धरना स्थल पर पहुंचे। किसानों से ज्ञापन लिया और मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया।

बीपी की दवा खाई तो पड़ सकता है हार्ट अटैक

नकली दवाएं ज्यादा बीमार कर देंगी जीरोडॉल बढ़ा देगी दर्द और सूजन

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कहीं आपको ऐसा तो नहीं लग रहा है कि आप मां का इलाज करा रहे हैं लेकिन उनकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है? अगर ऐसा है तो सावधान हो जाइए। सावधान इसलिए भी हो जाइए कि आप जो बीपी की दवा खा रहे हैं, उससे हार्ट अटैक पड़ सकता है। इसका मतलब है दवा नहीं लेंगे तो परेशान हो सकते हैं और अगर दवा खा ली तो जान पर भी बन आ सकती है।

हम आपको डरा नहीं रहे हैं, बल्कि सावधान कर रहे हैं। दरअसल, लखनऊ की दवा मंडी अमीनाबाद, बीकेटी और गोंडा जिले में औषधि प्रशासन के अधिकारियों को छापे में लाखों की नकली दवाएं मिली हैं। ये दवाएं आप डॉक्टर की लिखी पर्ची पर लाते हैं, लेकिन आपको मेडिकल स्टोर से स्पेलिंग में गलती, फर्जी बैच नंबर के साथ डुप्लीकेट दवा मिल जाती है।

बीते दिनों हुई छापेमारी के दौरान जितनी भी दवाएं पकड़ी गईं, उनमें ज्यादातर ऐसी हैं, जिन्हें करीब हर दूसरा व्यक्ति सेवन कर रहा है। यानी उनमें ज्यादातर बुखार, जुकाम, सर्दी, नॉर्मल इन्फेक्शन, सूजन आदि की दवाएं शामिल हैं। ऐसे में हमें सावधान होने की जरूरत है।

सीनियर कंसल्टेंट डॉ. नीरज मिश्र के अनुसार, ब्लड प्रेशर की दवा असर न करने पर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। नकली एंटीबायोटिक दवाएं संक्रमण बढ़ाने के साथ एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस (बैक्टीरिया बढ़ा) कर सकती हैं।

2 पत्नियों के साथ 3-3 दिन रहेगा पति

सातवें दिन मनमर्जी करेगा, पहली बीवी की शिकायत पर पंचायत ने सुनाया फैसला

रामपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। रामपुर में पंचायत ने अनोखा फरमान सुनाया है। एक युवक को दो पत्नियों के बीच 3-3 दिन के लिए बांट दिया है। हफ्ते के आखिरी दिन यानी वीकेंड पर पति को उसकी मर्जी पर छोड़ा गया है, जिसमें वह जिसके साथ भी रहना चाहे, रह सकता है। यह फैसला पहली पत्नी की शिकायत पर पंचायत ने सोमवार शाम करीब 3 बजे सुनाया। पीड़ित ने खर्च न मिलने पर पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस की पहल पर गांव के लोगों ने पंचायत के जरिए सुलह कराई। मामला जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर टांडा थाना क्षेत्र का है।

दढ़ियाल नगर पंचायत के रहने वाले नजाकत की शादी 14 साल पहले उत्तराखंड की अशरा से हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। करीब 4 साल पहले युवक ने नेहा से दूसरी शादी कर ली। उसका कहना था कि अशरा से बेटा नहीं हो रहा है। हालांकि नेहा से भी उसे दो बेटियां ही हुईं। पति नेहा के साथ रहता है। पति के व्यवहार से परेशान होकर पहली पत्नी ने सोमवार को पुलिस चौकी में शिकायत की। अशरा का कहना था कि दूसरी शादी के बाद से पति नजाकत का व्यवहार बदल गया है। वह नेहा के साथ ही रहता है और उसे भरण-पोषण के लिए खर्च भी नहीं देता है।

दो बेटियों को पालना उसके लिए मुश्किल हो रहा है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही थी। उससे पहले ही गांव में पंचायत बैठ गई। 3-4 घंटे चली पंचायत के बाद पंचों ने अपना फैसला सुनाया। पंचायत ने कहा कि युवक को हफ्ते में तीन-तीन दिन दोनों पत्नियों के साथ रहना होगा।

चंद्रशेखर संसद के बाहर धरने पर बैठे, ओवैसी मिलने पहुंचे

डिंपल बोलीं- ये निर्मम सरकार, बच्चों के आंसुओं से भी नहीं पिघली

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के सांसद चंद्रशेखर आजाद कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में धरने पर बैठे हैं। वह संसद के बाहर अंबेडकर प्रतिमा के नीचे सोमवार देर रात से बैठे हैं।

मंगलवार दोपहर चंद्रशेखर से मिलने एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी पहुंचे और उनसे बातचीत की। कहा- हम आपके साथ हैं। इस पर चंद्रशेखर ने कहा- सरकार अन्याय कर रही है। यह हमें स्वीकार नहीं है।

इससे पहले मंगलवार सुबह दिल्ली में बारिश हुई, लेकिन चंद्रशेखर छाता लगाकर धरने पर बैठे रहे।

उन्होंने 'X' पर लिखा- जुल्म जब भी हद से आगे बढ़ने लगता है, वहीं से बदलाव का सूरज निकलने लगता है। जंतर-मंतर पर बच्चों और बच्चियों के साथ जिस प्रकार का बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया गया, उसने मन को गहराई तक झकझोर दिया। मैंने जलियांवाला बाग का दौर नहीं देखा, लेकिन आज जो दृश्य सामने आए, उन्होंने इतिहास के उस काले अध्याय की याद अवश्य दिला दी।

इधर, संसद के बाहर अखिलेश यादव ने कहा- छात्रों और युवाओं पर लाठीचार्ज किया गया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

इससे सरकार की छवि खराब हो रही है। डॉक्टरों ने बताया है कि कई छात्रों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

क्या यही सबका साथ, सबका विकास है?

वहीं, डिंपल यादव ने कहा- यह निर्मम सरकार है।

बच्चों ने इतने आंसू बहाए, लेकिन सरकार को दया नहीं आ रही। शिक्षा मंत्री को अभी तक पद से नहीं हटाया गया है।

बहू के जुल्मों से तंग आकर लाचार बुजुर्ग दंपति ने मांगी इच्छा मृत्यु

5 सालों में 10 से अधिक झूठे मुकदमे दर्ज

अलीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बुजुर्ग दंपति ने राष्ट्रपति के नाम एक पत्र लिखकर इच्छामृत्यु की अनुमति मांगे जाने का दावा किया है।

बुजुर्ग दंपति का आरोप है कि वह अपनी पुत्रवधू की प्रताड़ना, झूठे मुकदमों और सामाजिक बदनामी से परेशान हैं।

पिछले पांच सालों से उनकी पुत्र वधु ने 10 से अधिक झूठे मुकदमे दर्ज करा रखे है, वही पीड़ित बुजुर्ग दंपति ने सरकार से सुरक्षा और निष्पक्ष न्याय की मांग करते हुए राहत न मिलने पर इच्छामृत्यु की मांग दोहराई। मिली जानकारी अनुसार, पूरा मामला खैर थाना क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती का है,जहां के रहने वाले बुजुर्ग दंपति भगवती प्रसाद अग्रवाल और उनकी पत्नी विमला देवी ने अपनी एक शिकायत प्रशासन तक पहुंचाई है। बुजुर्ग दंपति ने राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग की है। बुजुर्ग दंपति का आरोप है कि उनकी पुत्र वधु रेनू अग्रवाल निवासी जयगंज ने पिछले 5 सालों से उन्हें प्रताड़ित कर रखा है और उनके खिलाफ 10 से अधिक झूठे मुकदमे दर्ज करा दिए है। जिससे उनका सामाजिक, मानसिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। वह 5 साल से मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना झेल रहे है, लेकिन अब थक चुके है, इसलिए राष्ट्रपति के नाम पत्र और ईमेल भेज कर इच्छा मृत्यु की मांग की है।

बुजुर्ग दंपति भगवती प्रसाद और उनकी पत्नी विमला देवी का आरोप है, कि सन 2000 में उनके बेटे अरविंद अग्रवाल की शादी रेनू अग्रवाल निवासी जयगंज अलीगढ़ के साथ हुई थी।

अधिकारी की आय से 258 प्रतिशत अधिक संपत्ति के मिले सबूत

लोकायुक्त की 9 ठिकानों पर रेड

इंदौर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में मध्य प्रदेश वेस्ट जोन इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एक वरिष्ठ वित्त अधिकारी के खिलाफ मंगलवार को इंदौर, धार और मुरैना में 9 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि अधिकारी के पास उसकी ज्ञात आय के स्रोतों से करीब 258 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने के सबूत मिले हैं। अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़े घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक परिसरों में मंगलवार सुबह से ही तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया।

इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। लोकायुक्त के मुताबिक, यह अधिकारी करीब 33 साल से सरकारी सेवा में है। इस दौरान उसे कुल मिलाकर लगभग 2 करोड़ रुपए वेतन मिला, लेकिन अब तक की जांच में अधिकारी और उसके परिवार के नाम पर 6.5 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति और निवेश का पता चला है। जांच में सेवा अवधि के दौरान हुए खर्चों को भी शामिल किया गया है। इसके बाद कुल खर्च और संपत्ति का मूल्य 7.16 करोड़ रुपए से अधिक आंका गया, जो अधिकारी की ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में करीब 258 प्रतिशत अधिक है। इस कार्रवाई की अगुवाई लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय ने की।

वहीं, डीएसपी सुनील टलन, आनंद चौहान, दिनेश पटेल और दीपक शेजवार की टीमों ने अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली। इस दौरान संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, बैंक खातों और संदिग्ध बेनामी निवेश की जांच की गई। तलाशी के दौरान अधिकारियों को इंदौर के सिलिकॉन सिटी में करीब 1.2 करोड़ रुपए का तीन मंजिला मकान और मुरैना में करीब 50 लाख रुपए का दो मंजिला मकान मिला।

जांच में यह भी पता चला कि पिथमपुर और धार में परिवार के सदस्यों के नाम पर ट्रांसफॉर्मर बनाने की इकाइयां और इलेक्ट्रिकल उपकरणों का कारोबार चल रहा है।

अधिकारियों को इंदौर में इन कारोबारों से जुड़े औद्योगिक प्लॉट, फैक्ट्री परिसर, कंपनी के कार्यालय, रिहायशी प्लॉट और एक इलेक्ट्रिक कार भी मिली। जांच के तहत इन कंपनियों के मालिकाना हक, निवेश और वित्तीय लेन-देन की भी जांच की जा रही है। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान अभी जारी है। दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय लेन-देन की जांच पूरी होने के बाद आय से अधिक संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ सकता है। जांच जारी रखी गई।

बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को बंगाल सरकार का तोहफा

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी के 'संकल्प पत्र' में किए गए वादे के अनुसार, 1 अगस्त से वास्तविक लाभार्थियों को बढ़ी हुई वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगता पेंशन मिलेगी। पेंशन की बढ़ी हुई धनराशि 1,500 रुपये प्रति माह होगी, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय यह 1,000 रुपये थी।

पश्चिम बंगाल पंचायत मामलों और ग्रामीण विकास विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के तहत तीन पेंशन योजनाओं में बढ़ी हुई रकम की घोषणा की। इस अधिसूचना में यह भी बताया गया है कि बढ़ी हुई रकम लाभार्थियों को 1 अप्रैल से दी जाएगी। सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना के लाभार्थियों को अतिरिक्त भत्ता मिलेगा।

यूक्रेन मिसाइल हमला : शादी से पहले उजड़ा केरल के नाविक अखिल जोयन का घर

> नौकरी छोड़ने से पहले ही छिन गई जिंदगी

शादी से पहले उजड़ा सपना!

- दो महीने बाद होनी थी शादी, घर में चल रही थीं तैयारियां।
- नौकरी छोड़ नई जिंदगी शुरू करने से पहले मिसाइल हमले में मौत।
- ओडेसा में जहाज पर हमले में चार भारतीय नाविकों ने गंवाई जान।

तिरुवनंतपुरम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास हुए रूसी मिसाइल हमले ने केरल के एक परिवार की सारी खुशियां छीन लीं। ओडेसा से अनाज लेकर रवाना हो रहे व्यापारी जहाज एमवी गोल्डन लियो पर तीन क्रूज मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार भारतीय नाविकों समेत 10 लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में केरल के कासरगोड जिले के 26 वर्षीय नाविक अखिल जोयन भी शामिल हैं। अखिल दो महीने बाद शादी करने वाले थे और इसी महीने जहाज की नौकरी छोड़कर नई शुरुआत की तैयारी कर रहे थे।

दो महीने बाद बजनी थी शहनाई, घर में छा गया मातम

अखिल अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनके पिता जोयन मर्चेंट नेवी से जुड़े रहे हैं, जबकि मां सली डाक विभाग में कार्यरत हैं। परिवार ने हाल ही में नया घर बनाया था। तीन महीने पहले ही अखिल की सगाई हुई थी और दो महीने बाद शादी की तारीख तय थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन मिसाइल हमले ने पलभर में खुशियों को मातम में बदल दिया। चेन्नई से नॉटिकल साइंस की पढ़ाई पूरी करने के बाद अखिल 19 साल की उम्र में मर्चेंट नेवी में शामिल हुए थे। पिछले छह वर्षों से वे समुद्र में सेवाएं दे रहे थे। परिवार के मुताबिक, वे अब जोखिम भरे समुद्री मार्गों से दूर रहना चाहते थे। इसी महीने के आखिर में वे एमवी गोल्डन लियो से साइन-ऑफ कर किसी सुरक्षित शिपिंग कंपनी में नौकरी करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही यह हमला उनकी जिंदगी पर भारी पड़ गया।

खेलों में भी बनाया था रिकॉर्ड

अखिल सिर्फ एक कुशल नाविक ही नहीं, बल्कि बेहतरीन खिलाड़ी भी थे। उन्होंने 30 सेकंड में सबसे ज्यादा रोप पुल-अप्स करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। स्थानीय स्तर पर वे रस्साकशी के जाने-माने खिलाड़ी थे। उनके शांत स्वभाव और मेहनती व्यक्तित्व की इलाके में खूब चर्चा होती थी। परिवार का आर्थिक और भावनात्मक सहारा भी वही थे।

84 साल के हुए मल्लिकार्जुन खरगे

पीएम मोदी समेत देश के तमाम नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के 84वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करे।'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी एक्स पर पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा 'राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्न एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।' वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वे दीर्घायु हों और स्वस्थ जीवन व्यतीत करें।'

इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की नेता शैलजा कुमारी ने खरगे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका लंबा सार्वजनिक जीवन सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणास्रोत रहा है। आपके नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

घर में लगी आग-मां और उसकी दो बेटियों की गई जान

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में एक घर में भीषण आग लगने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो सगी बहनें और उनकी मां शामिल हैं। दमकल विभाग को आग लगने की सूचना सुबह करीब 10 बजकर 21 मिनट पर मिली। आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना लोधी थाने के अंतर्गत बी.के. दत्त कॉलोनी में हुई। आग की लपटें और उठता धुआं देखकर आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों को तुरंत मौके के लिए रवाना किया गया। दमकलकर्मी तुरंत हरकत में आए और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए।

एमपी में यूसीसी बिल पास

सीएम यादव बोले-अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं चलेगा', सदन में जमकर हुआ हंगामा

"राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक देश एक ही संविधान से चले। आज के बाद मध्य प्रदेश भेदभाव से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ेगा। गोवा, उत्तराखंड और असम के बाद मध्यप्रदेश भी समान नागरिक संहिता लागू करने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा।

सीएम मोहन यादव

भोपाल, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पास हो गया है। इस दौरान हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जो हिंदू की बात करेगा, वही राज करेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि समानता हमारी संस्कृति का मूल है। भगवान की दृष्टि में सभी एक समान हैं, तो इंसानों द्वारा बनाए गए कानून में अलग-अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए।

सीएम यादव ने कहा, ₹राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक, देश एक संविधान से चले।₹ उन्होंने दावा किया कि समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी और राज्य गोवा, उत्तराखंड और असम के बाद इस दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा।

विपक्ष पर हुए हमलावर

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों के खाने के दांत अलग हैं और दिखाने के अलग। जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उनके वक्तव्य के दौरान विपक्ष का हंगामा जारी रहा, लेकिन मुख्यमंत्री ने सरकार का पक्ष विस्तार से सदन के सामने रख रहें हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं होगा। सब एक ही बाट से तौले जाएंगे। इस दौरान सीएम ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पर सदन में वक्तव्य देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को सुझाव देने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती रही है तथा देश की जनता की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के बाद मध्य प्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब मध्य प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसियों के दांत खाने के और, दिखाने के और हैं। अब कांग्रेस का पाखंड और दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का रत्तीभर भी सम्मान करती है तो उसे इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए। उनका आरोप था कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करते हुए हिंदू-मुस्लिम के नजरिए से काम करती रही है। मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान कांग्रेस विधायक चंदा चोरों और गद्दी छोड़ो के नारे लगाते रहे।

93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया डॉ. यादव ने दावा किया कि प्रदेश के 93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच ऐसी है कि वह सीधी बात भी तिरछी नजर से देखती है।

असदुद्दीन ओवैसी बोले, दोषियों पर कार्रवाई ठीक

> जिनका भविष्य बर्बाद हुआ और जिनकी मौत हुई, उनका क्या होगा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले और सीजेपी के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार से पूछे कि दोषियों को सजा देना जरूरी है लेकिन उन छात्रों के नुकसान की भरपाई कैसे होगी, जिनका भविष्य इस पूरे विवाद से प्रभावित हुआ है।

एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "उन छात्रों का क्या जिनकी मौत हो गई? उन छात्रों का क्या जिन्हें दोबारा परीक्षा देनी पड़ी लेकिन वे वैसी रैंक हासिल नहीं कर पाए? उनका समय तो बर्बाद हो ही चुका है। आप उनके लिए क्या करेंगे?" उन्होंने कहा कि केवल दोषियों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रभावित छात्रों के हितों की भी चिंता करनी होगी।

विपक्षी दलों का सरकार पर कटाक्ष

इसी बीच सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर भी विपक्षी दलों ने सरकार पर हमला बोला। ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों से बातचीत के बजाय सरकार ने सख्त रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर बैठे थे और सरकार को उनसे संवाद करना चाहिए था। उन्होंने पुलिस कार्रवाई को "कुप्रबंधन" बताते हुए कहा कि घटनास्थल के दृश्य देखकर कोई भी समझ सकता है कि प्रदर्शनकारियों के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया। ओवैसी ने बताया कि उन्होंने संसद परिसर में प्रदर्शन पर बैठे सांसद चंद्रशेखर से मुलाकात की है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध की आवाज को सुना जाना चाहिए।

झामुमो सांसद महुआ माजी बोले

वहीं, झामुमो सांसद महुआ माजी ने कहा कि सभी विपक्षी दल चाहते हैं कि संसद सुचारू रूप से चले,क्योंकि सांसदों के पास अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे हैं और राष्ट्रीय महत्व के कई विषयों पर भी चर्चा जरूरी है। सर्वदलीय बैठक में भी विपक्ष ने स्पष्ट किया था कि वह उन मुद्दों पर बहस चाहता है जिन पर देश जवाब मांग रहा है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने नीट विवाद को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश की गई है। सिविल ड्रेस में मौजूद लोगों द्वारा लाठीचार्ज किया जाना गंभीर मामला है और संसद में इस मुद्दे को उठाना जरूरी है।

अरविंद सावंत ने लोगों की घुसपैठ की आशंका जताई

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी। सावंत ने आरोप लगाया कि सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि अगर सरकार शुरुआत में ही प्रदर्शनकारियों से बात करती और मामले की जांच का भरोसा देती तो विवाद जल्द खत्म हो सकता था। लंबे समय से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोग अचानक हिंसा क्यों करेंगे।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी बीकेटीसी ने जांच समिति को सौंपे वित्तीय अभिलेख

गोपेश्वर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने अपनी कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं। समिति के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधीनस्थ मंदिरों, गेस्ट हाउसों और विद्यालयों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

भारत अब ट्रेनी नहीं ट्रेनर

कोच्चि बना 25 देशों का नौसेना प्रशिक्षण केंद्र 'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस' का आगाज

कोच्चि , 21 जुलाई (एजेंसियां)। कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान में सोमवार से चार दिवसीय बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण अभ्यास ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस का आगाज हुआ। नौसेना के इस प्रशिक्षण में कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) के 25 देशों की नौसेनाएं भाग ले रहीं। बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों में नौसेना की भूमिका भी नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। भारत एक प्रशिक्षु की भूमिका से आगे बढ़कर प्रशिक्षक की भूमिका में आ गया है। 23 जुलाई तक चलने वाले इस बड़े प्रशिक्षण अभ्यास में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और सेशेल्स जैसे देशों के शीर्ष नौसैनिक और सैन्य प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। कोच्चि तेजी से नौसेनाओं के लिए एक प्रमुख और आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में अपनी धाक जमा रहा है। यहां स्थित दक्षिणी नौसेना कमान के पास अत्याधुनिक नौसैनिक संस्थान, उन्नत सिमुलेटर और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान देता है। यही वजह है कि नियमित और उच्चस्तरीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए दुनियाभर की नौसेनाएं कोच्चि का रुख करती हैं। यहां नौसैनिक प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे पर दुनिया का भरोसा मजबूत हो रहा है।

सीएमएफ में 40 से अधिक देश शामिल

कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी संगठन है, जिसमें 40 से अधिक देश शामिल हैं। इसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना, सहयोग बढ़ाना और नौवहन की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना है। नौसेना ने बताया कि अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों को थ्योरी और प्रैक्टिकल स्तर पर प्रशिक्षित किया जाएगा। समुद्री कानून और जागरूकता के तहत मैरीटाइम लॉ, मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस और सूचनाओं के आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को फडणवीस का समर्थन

रावत बोले-20 जुलाई को 'कायर दिवस' की तरह मनाएं लोग

"लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। हालांकि, विरोध करते समय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और इसके द्वारा निर्धारित जिम्मेदारियों दोनों को ध्यान में रखना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति उचित अनुमति के साथ शांतिपूर्ण विरोध करता है, तो ऐसी अनुमति दी जाएगी।

देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को जंतर- मंतर पर सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव की। उन्होंने कहा कि हालांकि सभी को शांतिपूर्ण विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना, बिना अनुमति के प्रदर्शन करना और हिंसा का सहारा लेना स्वीकार्य नहीं है। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि बिना अनुमति के विरोध प्रदर्शन करना या हिंसा का सहारा लेना किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है। इसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों से बात करते हुए फड़नवीस ने कहा, 'लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। हालांकि, विरोध करते समय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और इसके द्वारा निर्धारित जिम्मेदारियों दोनों को ध्यान में रखना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति उचित अनुमति के साथ शांतिपूर्ण विरोध करता है, तो ऐसी अनुमति दी जाएगी,। हर किसी को ऐसे विरोध करने का अधिकार है।

मंच का दुरुपयोग करते हैं

दूसरी ओर, जानबूझकर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना, बिना अनुमति के विरोध करना या हिंसा का सहारा लेना किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है। इसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जब कोई आंदोलन चेहराविहीन या नेतृत्वविहीन हो जाता है, तो कुछ तत्व उसमें घुसपैठ करने लगते हैं और अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए उस मंच का दुरुपयोग करते हैं। पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों के खिलाफ बल का प्रयोग नहीं करना चाहती, लेकिन सोमवार की स्थिति में पुलिस को हस्तक्षेप करना आवश्यक हो गया था। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को नीट परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन को सरकार को बदनाम करने के लिए किया गया। उन्होंने इसे नाटक बताया। इसके साथ ही दावा किया कि युवाओं में जो गुस्सा दिख रहा है, वह 'बनाया-बनाया' (मनगढ़ंत) है। बीजेपी के इस वरिष्ठ नेता ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव किया और संसद तक सीजेपी के मार्च के दौरान कथित तौर पर हुई पत्थरबाजी की घटनाओं की गहन जांच की मांग की। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को दिल्ली में मुख्य न्यायाधीश के संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई की केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिन बताया। इसके साथ ही मांग की कि 20 जुलाई को हर साल कायरों का दिन के रूप में मनाया जाए।

'ये सब कायर है, राक्षस कहीं के'

रेणुका चौधरी ने संसद भवन से निकलते वक्त सरकार को जमकर कोसा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद परिसर के पास केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस भड़क गई है। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने पुलिसवालों को कायर तक बता डाला और सरकार को भी जमकर कोसा।यह वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हो गया है। स्टूडेंट्स की मांग को लेकर चल रहे इस आंदोलन की गूंज संसद से सड़क तक सुनाई दे रही है। सोशल मीडिया एक्स पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि संसद परिसर में कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पर जमकर गुस्सा निकाला।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 22 जुलाई - 2026

अमेरिकी ट्रेड डील के खिलाफ लामबंद किसान

अशोक भाटिया

किसानों द्वारा दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया गया है । इससे पहले दिल्ली, जालंधर और जम्मू नेशनल हाईवे को पूरी तरह से सील कर दिया गया है. शंभू बॉडर पर किसानों को दिल्ली कूच करने से रोका गया है । यहां भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है. पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य कई राज्यों से जुड़े किसान और सामाजिक संगठनों ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में महापंचायत बुलाई गई है । किसान नेताओं ने अलग-अलग जगहों से दिल्ली कूच कर रहे किसानों को रोके जाने का विरोध किया है व विवाद बढ़ता ही जा रहा है ।

गौरतलब है कि इस पूरे विवाद की जड़ में दोनों देशों की कृषि संरचना का बुनियादी और जमीन-आसमान का अंतर है। अमेरिका में कृषि कोई जीवन जीने का तरीका नहीं, बल्कि एक विशाल कॉरपोरेट उद्योग है। वहाँ औसतन एक किसान के पास सैकड़ों या हजारों एकड़ जमीन होती है, जहाँ अत्याधुनिक तकनीक, जीएम फसलों और भारी-भरकम मशीनों से खेती की जाती है। इसके विपरीत, भारत की हकीकत बिल्कुल जुदा है। भारत में लगभग 80 से 85 प्रतिशत किसान 'छोटे और सीमांत' वर्ग में आते हैं, जिनके पास दो से ढाई एकड़ या उससे भी कम जमीन है। भारतीय किसान के लिए खेती केवल व्यापार नहीं, बल्कि उसके परिवार के पेट भरने और जिंदा रहने का एकमात्र जरिया है। जब भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों के दरवाजे पूरी तरह खोले जाएंगे, तो यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच नहीं, बल्कि एक महाबली और एक बेहद कमजोर इंसान के बीच होगा। भारतीय सीमांत किसान किसी भी कीमत पर अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कृषि कंपनियों के उत्पादन पैमाने और उनकी आक्रामक मूल्य निर्धारण नीति का सामना नहीं कर पाएगा। नतीजा यह होगा कि घरेलू बाजार में भारतीय किसानों की फसलों को कोई खरीदार नहीं मिलेगा।

अमेरिकी सरकार अपने देश के कॉरपोरेट फार्मिंग सेक्टर को हर साल अरबों डॉलर की प्रत्यक्ष और परोक्ष सब्सिडी देती है। विश्व व्यापार संगठन के मंचों पर अमेरिका अक्सर विकासशील देशों की न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी जीवन रक्षक प्रणालियों पर सवाल उठाता है, लेकिन खुद अपने अमीर किसानों को 'ग्रीन बॉक्स' और अन्य श्रेणियों के तहत भारी वित्तीय मदद देता है। इस भारी सब्सिडी के कारण अमेरिकी कृषि उत्पादों (जैसे मक्का, सोयाबीन, कपास और पोल्ट्री उत्पाद) की उत्पादन लागत बेहद कम हो जाती है। यदि बिना किसी ठोस टैरिफ के इन उत्पादों को भारतीय बाजारों में डंप करने की अनुमति मिल जाती है, तो भारतीय मंडियों में हाहाकार मच जाएगा। भारत का किसान जो फसल भारी लागत, महंगे डीजल, महंगे बीज और खाद के जरिए पैदा करता है, अमेरिकी सब्सिडी वाले उत्पाद उससे आधी कीमत पर उपलब्ध होने लगेंगे। यह भारतीय खेती की रीढ़ तोड़ने जैसा होगा। यह मुक्त व्यापार नहीं, बल्कि एक ऐसी अनुचित प्रतिस्पर्धा है जो भारतीय किसानों को उनकी ही जमीन पर पराया और दिवालिया बना देगी।

इस ट्रेड डील का सबसे संवेदनशील और खतरनाक पहलू भारत का डेयरी और पोल्ट्री क्षेत्र है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, और खास बात यह है कि यह श्वेत क्रांति किसी बड़े कॉरपोरेट घराने ने नहीं, बल्कि देश की करोड़ों ग्रामीण महिलाओं और छोटे पशुपालकों ने अपने एक या दो मवेशियों के दम पर खड़ी की है। डेयरी उद्योग भारत के ग्रामीण परिवारों के लिए संकट के समय एटीएम की तरह काम करता है, जो उन्हें सूखा या फसल बर्बादी के वक्त भी नकदी की गारंटी देता है। अमेरिका लंबे समय से भारत पर दबाव बना रहा है कि वह अपने डेयरी बाजार को अमेरिकी कंपनियों के लिए खोले। अमेरिकी डेयरी उद्योग पूरी तरह मशीनीकृत और औद्योगिक स्तर पर संचालित होता है। इसके अलावा, वहाँ पशुओं को दिए जाने वाले चारे और हार्मोन को लेकर जो नियम हैं, वे भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हैं। अमेरिका में गायों को 'ब्लड मील' (रक्त और मांस से बना चारा) दिया जाता है, जिसे भारतीय समाज और यहाँ के किसान स्वीकार नहीं कर सकते। यदि अमेरिकी डेयरी उत्पाद, जैसे कि सस्ता मिल्क पाउडर, चीज और मट्ठा भारतीय बाजार में आ गए, तो देश के सहकारी डेयरी ढांचे (जैसे अमूल और अन्य राज्य स्तरीय कॉपरेटिव्स) को अपूरणीय क्षति होगी। करोड़ों महिलाओं के हाथ से उनका रोजगार छिन जाएगा, जो अंततः ग्रामीण भारत में गरीबी और कुपोषण को और बढ़ाएगा। इसी तरह, अमेरिकी 'चिकन लेग्स' (मुर्गे के पैर) की डंपिंग से भारत का पोल्ट्री उद्योग, जिसमें लाखों छोटे उद्यमी शामिल हैं, पूरी तरह तबाह होने की कगार पर पहुंच जाएगा।

किसान संगठनों की नाराजगी का एक और बड़ा और जायज कारण इस पूरी वार्ता प्रक्रिया में पारदर्शिता का घोर अभाव होना है। ट्रेड डील से जुड़े फैसले बंद कमरों में, बिना किसी सार्वजनिक बहस या हितधारकों से चर्चा किए लिए जा रहे हैं। भारत के संविधान में कृषि को 'राज्य सूची' का विषय माना गया है, जिसका सीधा मतलब है कि कृषि से जुड़े किसी भी बड़े फैसले में राज्य सरकारों की सहमति और भागीदारी अनिवार्य होनी चाहिए। परंतु केंद्र सरकार ने इस समझौते के फ्रेमवर्क को आगे बढ़ाते समय न तो किसान यूनियनों को विश्वास में लिया और न ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों या कृषि मंत्रियों से कोई सार्थक संवाद किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह रवैया अत्यंत चिंताजनक है। जब देश की आधी आबादी के जीवन को प्रभावित करने वाली नीति गुपचुप तरीके से तैयार की जाती है, तो जनता का व्यवस्था से भरोसा उठना लाजमी है। किसानों की यह मांग पूरी तरह तार्किक है कि सरकार इस समझौते से जुड़े सभी मसौदे और दस्तावेजों को सार्वजनिक करे और संसद में इस पर विस्तृत बहस कराई जाए। कृषि केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं है, यह किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की पहली कतार है। 1960 के दशक में भारत ने 'पीएल-480' (पीएल-480) के तहत अमेरिकी गेहूं पर निर्भरता का जो दंश झेला था, उसे देश भूला नहीं है।

उस समय अमेरिका ने खाद्यान्न आपूर्ति को एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर भारत की विदेश नीति को प्रभावित करने की कोशिश की थी। इसके बाद ही भारत ने 'हरित क्रांति' के जरिए खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल की। आज यह ट्रेड डील हमें वापस उसी खतरनाक रास्ते पर ले जाने का जोखिम पैदा कर रही है। यदि भारत अपनी खाद्य जरूरतों के लिए अमेरिकी आयात पर निर्भर हो जाता है, तो देश की 'खाद्य संप्रभुता' खतरे में पड़ जाएगी। कल को यदि कोई भू-राजनीतिक तनाव होता है, तो अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स हमारे देश की खाद्य आपूर्ति को नियंत्रित कर सकते हैं। एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में भारत कभी भी अपनी 140 करोड़ जनता की थाली की चाबी किसी विदेशी ताकत या विदेशी कंपनियों के हाथ में नहीं सौंप सकता। अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौतों में हमेशा 'बौद्धिक संपदा अधिकारों' और पेटेंट कानूनों को कड़ा करने की शर्त शामिल होती है। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां जैसे कि मोंसैटो और कारगिल चाहती हैं कि भारत के बीज कानूनों में बदलाव किया जाए ताकि वे बीजों और कृषि प्रौद्योगिकियों पर अपना पूर्ण एकाधिकार स्थापित कर सकें।

खेल की असली जीत

करीब डेढ़ महीने तक चले फुटबॉल के वैश्विक टूर्नामेंट ने दुनिया को रोमांच, अनुशासन, संघर्ष और खेल भावना का जो अनूठा संगम दिखाया, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। प्रतियोगिता के परिणामों ने साबित किया कि बड़े नाम या स्टार खिलाड़ी ही सफलता की गारंटी नहीं होते, बल्कि जीत उस टीम की होती है जो सामूहिक प्रयास, मजबूत रणनीति और मानसिक दृढ़ता के साथ खेलती है। स्पेन ने अपना दूसरा खिताब जीतकर आखिर इसी सत्य को सिद्ध किया है। पूरे टूर्नामेंट में उसका संतुलित प्रदर्शन किसी चमत्कार का नहीं, बल्कि सुनियोजित तैयारी, अनुशासन और बेहतरीन टीमवर्क का परिणाम था। दूसरी ओर, अर्जेंटीना ने भी अंतिम मुकाबले तक जिस जुझारूपन का परिचय दिया, उसने लियोनेल मेसी के करोड़ों प्रशंसकों को गर्व के साथ-साथ भावुक भी कर दिया। स्पेन की रक्षापंक्ति अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही और टीम ने हर मुकाबले में सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बड़े-बड़े दावेदारों के खिलाफ भी उसने अपनी खेल शैली नहीं बदली। दबाव में भी संयम बनाए रखा। यही कारण रहा कि खिताब के प्रबल दावेदारों में शामिल न होने के बावजूद वह अंततः चैंपियन बनकर उभरा। यह सफलता बताती है कि किसी भी खेल में व्यक्तिगत चमक से अधिक महत्वपूर्ण टीम भावना, स्पष्ट रणनीति और अनुशासित क्रियान्वयन होता है। हालांकि यह टूर्नामेंट केवल खेल तक सीमित नहीं रहा। कई घटनाओं ने यह चिंता भी बढ़ाई कि खेलों पर राजनीति का प्रभाव लगातार गहराता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय तनावों की छाया मैदान तक पहुंची और कुछ खिलाड़ियों को ऐसी परिस्थितियों में खेलना पड़ा, जिनसे खेल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए। खेल का उद्देश्य देश और समाज को जोड़ना है, इसलिए इसे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनने से बचाना आवश्यक है। यदि खेल को राजनीतिक हथियार बनाया जाएगा, तो उसकी मूल भावना कमजोर पड़ेगी। इसी संदर्भ में फीफा की भूमिका भी चर्चा के केंद्र में रही। कुछ निर्णयों और विवादों ने संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल संस्था होने के नाते फीफा की जिम्मेदारी केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी देशों और खिलाड़ियों के साथ समान व्यवहार हो तथा किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव का प्रभाव उसके निर्णयों पर न पड़े। पारदर्शिता और निष्पक्षता ही उसकी विश्वसनीयता की सबसे बड़ी ताकत है। इस टूर्नामेंट का भावनात्मक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने संभवतः आखिरी बार इस मंच पर खेला। वहीं कुछ खिलाड़ियों का व्यवहार यह भी याद दिलाता है कि जीत का उत्साह कभी खेल की मर्यादा से बड़ा नहीं होना चाहिए। महान खिलाड़ी वही होता है जो सफलता और असफलता, दोनों परिस्थितियों में गरिमा बनाए रखे। अंततः इस वैश्विक फुटबॉल प्रतियोगिता ने यह संदेश दिया कि ट्रॉफियां समय के साथ इतिहास बन जाती हैं, लेकिन टीम भावना, निष्पक्षता, अनुशासन और खेल की मर्यादा सदैव प्रेरणा देती हैं। खेल तभी वास्तव में खूबसूरत कहलाएगा, जब मैदान पर जीत केवल प्रतिभा, परिश्रम और ईमानदार प्रतिस्पर्धा की हो, न कि राजनीति या विवादों की।

चंद्रशेखर आज़ाद : जिसने सिर झुकाना सीखा ही नहीं

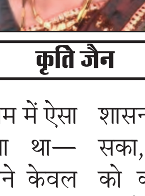

कृति जैन

कभी-कभी इतिहास राजाओं के मुकुट से नहीं, एक साधारण युवक की भींची हुई मुट्ठी से बदलता है। साम्राज्य हमेशा तोपों से नहीं टूटते, वे अडिग संकल्प के सामने भी ढह जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में ऐसा ही एक संकल्प जन्मा था—चंद्रशेखर आज़ाद। उन्होंने केवल अंग्रेजी सत्ता को चुनौती नहीं दी, बल्कि भारतीयों के मन में जड़ जमा चुके भय और मानसिक गुलामी पर भी प्रहार किया। वे जानते थे कि जिस दिन भारतीय का भय टूट जाएगा, उसी दिन साम्राज्यवाद की नींव भी हिल जाएगी। इसलिए उनका संघर्ष केवल हथियारों का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना के जागरण का था।

23 जुलाई 1906 को तत्कालीन अलिराजपुर रियासत (वर्तमान मध्यप्रदेश) के भाबरा गांव में जन्मा वह बालक किसी राजमहल का वारिस नहीं था। न उसके पास धन था, न सत्ता, न सेना; पर उसके भीतर ऐसा स्वाभिमान था, जो किसी भी साम्राज्य से विशाल था। इतिहास साक्षी है कि जब किसी राष्ट्र की मिट्टी ऐसे सपूतों को जन्म देती है, तब गुलामी की उम्र सिमटने लगती है। जलियांवाला बाग का रक्तपात केवल निर्दोषों की हत्या नहीं था, वह एक पूरी पीढ़ी के हृदय में प्रतिकार की ज्वाला बनकर धधक उठा। उसी ज्वाला ने चंद्रशेखर के मन में ऐसा अटूट संकल्प जगाया, जिसे कोई शक्ति डिगा न सकी। उन्होंने समझ लिया था कि अन्याय अपने आप समाप्त नहीं होता; उसे साहस, त्याग और मृत्यु से भी बड़े संकल्प से परास्त करना पड़ता है। किशोर अवस्था में 1921 में जब उन्हें अंग्रेजी अदालत में पेश किया गया और नाम पूछा गया, तो उन्होंने कहा - 'आजाद'। पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और गांव का नाम 'जेल' बताया। यह उत्तर केवल परिचय नहीं, बल्कि दासता के चेहरे पर करारा प्रहार और पूरे राष्ट्र के स्वाभिमान की उद्घोषणा था। अदालत में खड़ा वह किशोर अभियुक्त नहीं, स्वतंत्र भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक था। उनका जीवन सिद्ध करता है कि क्रांति केवल हथियार उठाने से नहीं, भय को पराजित करने से जन्म लेती है। जिस मनुष्य के भीतर भय समाप्त हो जाए, उसे संसार की कोई शक्ति झुका नहीं सकती। यही कारण था कि अंग्रेजी शासन उनके शरीर को तो घेर सका, पर उनके अदम्य आत्मबल को कभी बंदी नहीं बना सका। चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने साथियों को केवल संगठन नहीं, अटूट विश्वास दिया। उन्होंने सिखाया कि राष्ट्र का निर्माण नारों से नहीं, त्याग और समर्पण से होता है। उन्होंने अपने लिए कभी घर नहीं बसाया, क्योंकि पूरा भारत ही उनका घर था। उन्होंने अपने भविष्य से अधिक राष्ट्र के भविष्य को चुना। उनका सबसे बड़ा शस्त्र उनका चरित्र था। वे जानते थे कि अनुशासन के बिना संघर्ष सफल नहीं होता, नैतिकता के बिना क्रांति टिकती नहीं और संगठन के बिना बलिदान इतिहास नहीं रचता। इसलिए उनका जीवन अनुशासन, त्याग और राष्ट्रसमर्पण का पर्याय बन गया। उनका प्रत्येक क्षण राष्ट्र की अमानत था। आज जब हम स्वतंत्र भारत में साँस लेते हैं, तब यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए—क्या हम वास्तव में उतने ही स्वतंत्र हैं, जितना हमारे पूर्वज हमें बनाना चाहते थे? यदि समाज भ्रष्टाचार से समझौता कर ले, यदि युवा सुविधा को संघर्ष से बड़ा मानने लगे, यदि राष्ट्रहित से पहले स्वार्थ खड़ा हो जाए, तो क्या केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त है? चंद्रशेखर आज़ाद आज भी इसी प्रश्न का उत्तर बनकर हमारे सामने खड़े हैं। उनका जीवन कहता है कि पराधीनता केवल विदेशी शासन नहीं होती। जब चरित्र बिकने लगे, जब सत्य डरने लगे, जब अन्याय देखकर भी समाज मौन रहे, तब समझ लेना चाहिए कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अभी अधूरा है। आज के युवाओं को चंद्रशेखर आज़ाद से हथियार नहीं, साहस; विद्रोह नहीं, अनुशासन; और अन्याय के सामने अडिग रहने का चरित्र सीखना चाहिए। राष्ट्र केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से महान बनता है।

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग की खूनी विवाहिताएं

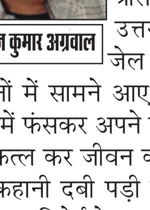

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी।

आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी। मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी।

मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है। 28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिटटू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है। यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है।

साइलेंट टेरर नेटवर्क का बढ़ता खतरा

अनिकेत सिंह

आतंकवाद अब पहले जैसा नहीं रहा। कभी इसकी पहचान सीमा पार से घुसपैठ करने वाले हथियारबंद आतंकवादियों, विस्फोटकों और प्रशिक्षण शिविरों से होती थी। आज उसका चेहरा पूरी तरह बदल चुका है। आधुनिक आतंकवाद बंदूक से पहले विचारों पर हमला करता है। वह किसी सीमा को पार करके नहीं आता, बल्कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के माध्यम से सीधे लोगों के मन तक पहुंचता है। यही कारण है कि डिजिटल युग में आतंकवाद का सबसे खतरनाक हथियार बारूद नहीं, बल्कि वैचारिक कट्टरता बन गई है।

हाल में गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) द्वारा की गई कार्रवाई ने इसी बदलते खतरे की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। पंद्रह दिनों के भीतर दो चरणों में 13 संदिग्धों की गिरफ्तारी की गई। जांच एजेंसियों का दावा है कि इनका संपर्क पाकिस्तान में बैठे कथित हैंडलरों से था। सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को जोड़ने, संदिग्ध वित्तीय सहायता प्राप्त करने, कथित परीक्षण स्वरूप विस्फोट की तैयारी तथा गुजरात में आतंकी मॉड्यूल विकसित करने जैसे आरोपों की जांच की जा रही है। इन आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा, लेकिन इस घटना ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनेक गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़े कर दिए हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत अब आतंकवाद के एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां दुश्मन सामने दिखाई नहीं देता? क्या अब आतंकवादी संगठनों का उद्देश्य केवल विस्फोट करना नहीं, बल्कि समाज के भीतर वैचारिक विभाजन और मानसिक अस्थिरता पैदा करना भी है? यदि ऐसा है, तो यह चुनौती पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और खतरनाक है।

आज किसी युवक को प्रभावित करने के लिए किसी प्रशिक्षण शिविर में ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उसके हाथ में मौजूद मोबाइल फोन ही पर्याप्त है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप, वीडियो, धार्मिक या वैचारिक रूप से भड़काने वाली सामग्री, निजी बातचीत और आर्थिक प्रलोभन के माध्यम से धीरे-धीरे उसकी सोच बदली जा सकती है। वह स्वयं यह महसूस भी नहीं करता कि कब वह सामान्य नागरिक से कट्टर विचारधारा का समर्थक बन गया। यही आधुनिक आतंकवाद की सबसे बड़ी रणनीति है।दुनिया के अनेक देशों ने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि अकेले व्यक्ति भी डिजिटल माध्यम से कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित होकर हिंसक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। ऐसे मामलों में किसी बड़े संगठन की प्रत्यक्ष उपस्थिति दिखाई नहीं देती, लेकिन वैचारिक प्रेरणा और डिजिटल संपर्क उन्हें हिंसा की राह पर ले जाते हैं। इसलिए आज आतंकवाद केवल भौतिक नहीं, बल्कि साइबर और मनोवैज्ञानिक युद्ध का भी रूप ले चुका है। गुजरात का महत्व केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है। यह भारत की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन है। देश के सबसे बड़े बंदरगाह, पेट्रोकेमिकल उद्योग, रिफाइनरियां, औद्योगिक कॉरिडोर, रक्षा प्रतिष्ठान, अंतरराष्ट्रीय निवेश और तेजी से विकसित होते शहर गुजरात को रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाते हैं। यदि कोई आतंकी संगठन यहां अपनी जड़ें जमाने की कोशिश करता है, तो उसका उद्देश्य केवल किसी एक स्थान पर हमला करना नहीं होगा। उसका लक्ष्य आर्थिक गतिविधियों को बाधित करना, निवेशकों के विश्वास को कमजोर करना, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना और भारत की विकास यात्रा को प्रभावित करना भी हो सकता है।

आतंकवाद का एक नया शब्द आज सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच तेजी से चर्चा में है- 'साइलेंट सेल'। पहले 'स्लीपर सेल' की अवधारणा अधिक प्रचलित थी, जिनके सदस्य लंबे समय तक निष्क्रिय रहते थे और आदेश मिलने पर सक्रिय हो जाते थे। लेकिन 'साइलेंट सेल' उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण है। ऐसे लोग सामान्य जीवन जीते हैं, अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हैं, समाज में घुल-मिलकर रहते हैं और किसी प्रकार के आपराधिक रिकार्ड से भी दूर दिखाई देते हैं। उनके भीतर चल रहे वैचारिक परिवर्तन का पता लगाना अत्यंत कठिन होता है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद की पहचान पहले से कहीं अधिक कठिन हो गई है।

यह भी विचारणीय है कि यदि जांच एजेंसियों के दावों के अनुसार सोशल मीडिया के माध्यम से नेटवर्क तैयार किया जा रहा था, तो डिजिटल निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। साइबर अपराध और साइबर आतंकवाद के बीच की दूरी लगातार कम होती जा रही है। संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, विदेशी डिजिटल संपर्क, एनक्रिप्टेड संवाद और ऑनलाइन कट्टरपंथी सामग्री की निगरानी अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है।हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को कभी नहीं भूलना चाहिए। किसी भी जांच में गिरफ्तार व्यक्ति तब तक दोषी नहीं माना जा सकता, जब तक न्यायालय उसके विरुद्ध लगाए गए आरोपों को प्रमाणित न कर दे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का शासन सर्वोपरि है।

इसलिए जांच एजेंसियों के दावों और न्यायालय के अंतिम निर्णय के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक है कि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे।

दूसरों की खुशी में...

डॉ. शैलेश शुक्ला

ज़िंदगी कभी-कभी उस पक्की सड़क की तरह हो जाती है, जो साफ़-सुथरी और संवरी हुई तो दिखती है, पर उसके ठीक बगल में एक गहरी खाई होती है। यह कहानी भी उसी खाई के मुहाने पर खड़ी है, जहाँ एक तरफ़ ज़िम्मेदारी का बोझ था और दूसरी तरफ़ मासूमियत की बेबसी। एक ढलती हुई दोपहर में, जब सूरज की किरणें खेतों में सोने की तरह बिखरी हुई थीं, तब उस गहरी, संकरी खाई के एक छोर पर चार छोटे-छोटे बत्तख के बच्चे और उनकी माँ बेबस खड़े थे। खाई इतनी गहरी थी कि उन नन्हें कदमों के लिए उसे पार करना आसमान से तारे तोड़ने जैसा था। माँ बत्तख ने फड़फड़ाकर खाई लांघी और सड़क पर आ खड़ी हुई, मानो कह रही हो कि 'चले आओ, दुनिया बहुत ख़ूबसूरत है।' लेकिन उन बच्चों के लिए वह खाई एक ऐसी दीवार थी जिसे लाँघना उनके बूते का नहीं था। वे चीं-चीं करते हुए जीवन की इस पहली बड़ी परीक्षा के सामने सहमे खड़े थे, मानो कह रहे हों कि हर राह दिखाने वाला राह पार कराने वाला नहीं होता।

ठीक उसी वक़्त, उस साफ़ सड़क पर एक सफ़ेद, रोएँदार पिल्ला मटकता हुआ आया। वह कोई बड़ा समाजसेवी नहीं था, न ही उसके पास दुनिया को बदलने की कोई बड़ी योजना थी। वह तो बस ज़िंदगी को उसके पूरे शबाब में जी रहा था। उसकी आँखें कंचों जैसी साफ़ थीं और उसकी पूँछ में एक अजीब सी बेफ़िक्री का आलम था। जब उसने खाई के उस पार तड़पते बच्चों को देखा, तो उसकी बेफ़िक्री हवा हो गई। वहाँ कोई तमाशा नहीं चल रहा था, बल्कि ज़िंदगी और उम्मीद के बीच एक जंग चल रही थी। पिल्ला थोड़ी देर ठिठका, उसने स्थिति का जायजा लिया। उसकी आँखों में एक अजीब सी चमक तैरने लगी कि अब क्या होगा? क्या वह भी इंसानों की तरह सिर्फ़ तमाशा देखकर आगे बढ़ जाएगा या फिर अपनी मासूमियत का कोई नया अध्याय लिखेगा? अगला पल दिल थाम देने वाला था। पिल्ले ने एक पल की भी देरी नहीं की और अपनी जान की परवाह किए बिना उस गहरी खाई के ऊपर अपने अगले पैर टिका दिए। उसका शरीर एक जीवित पुल बन गया। यह एक ऐसा पुल था जिसके पास कोई सीमेंट नहीं था, कोई लोहा नहीं था, बस एक निश्छल दिल था। उसने अपनी पीठ को उस गहरी खाई के ऊपर इस तरह तान दिया, मानो वह कह रहा हो कि 'चोट लगेगी तो मुझे लगेगी, तुम बस पार हो जाओ।' हवा ठहर सी गई थी, पत्तों ने हिलना बंद कर दिया था। माहौल इस कदर गहराया कि अगर पिल्ले का पैर ज़रा सा भी फिसलता, तो वह और वे मासूम बच्चे उस गहरी खाई में समा जाते। पर उसने हार नहीं मानी, वह अंगद के पैर की तरह जम गया। तभी एक-एक करके वे चारों बत्तख के बच्चे उस जीती-जागती पीठ पर चढ़ने लगे।

उनके छोटे-छोटे पैर जब पिल्ले की मुलायम पीठ को छू रहे थे, तो ऐसा लग रहा था मानो कोई कलाकार कैनवास पर ज़िंदगी के सबसे ख़ूबसूरत रंग उकेर रहा हो। एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रखते हुए, वे बच्चे पिल्ले की पीठ को सीढ़ी बनाकर खाई के इस पार यानी सुरक्षित सड़क पर आने लगे। आख़िरी बच्चे के पैर रखते ही पिल्ले ने अपनी पूरी ताक़त झोंक दी और उन सबको सड़क पर सुरक्षित पहुँचा दिया। यह दृश्य देखकर ऐसा लगा मानो वक़्त रुक गया हो और प्रकृति इस निस्वार्थ प्रेम के सामने नतमस्तक हो गई हो।

30 जुलाई से शुरू हो रहा है पावन माह

सोमवारी व्रत के दिन कैसे करें महादेव की पूजा

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व बताया गया है। भगवान शिव की पूजा के लिए यह महीना अति उत्तम होता है। सावन माह में आने वाले सोमवार भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। सावन सोमवार का व्रत करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त 2026
दूसरा सावन सोमवार- 10 अगस्त 2026
तीसरा सावन सोमवार- 17 अगस्त 2026
चौथा और अंतिम सावन सोमवार- 24 अगस्त 2026

भगवान शिव के भक्तों के लिए सावन का पूरा महीना किसी त्यौहार से कम नहीं होता है। इस माह में महादेव की सच्चे मन से आराधना करने से भक्तों के सभी दूर, तकलीफ दूर हो जाता है। इतना ही नहीं अगर उनकी कोई अधूरी इच्छा है वो भी पूरी हो जाती है। भगवान शिव अत्यंत भोले हैं वो एक लोटा जल और कुछ बेलपत्र से भी प्रसन्न हो जाते हैं। तो अगर आपकी भी कोई मनोकामना है तो सावन माह में आने वाले सोमवार के दिन उपवास जरूर रखें। इसके अलावा सावन माह में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। इस साल 30 जुलाई 2026 से शिवजी के प्रिय माह सावन का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। तो चलिए अब जानते हैं कि सावन माह में कितने सोमवार पड़ेंगे और सोमवारी व्रत के दिन महादेव की पूजा कैसे करनी चाहिए।

सावन 2026 में कितने सोमवार पड़ेंगे?

हिंदू धर्म में सावन का महीना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पूरे माह में हर कोई शिव की भक्ति में लीन रहता है। हर शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रहती है। आपको बता दें कि सावन में आने वाले सोमवार का विशेष महत्व होता है। सावन सोमवार को सोमवारी व्रत भी कहते हैं। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखकर भोलेनाथ और माता पार्वती की विधि-विधान के साथ पूजा करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी हो जाती हैं। इस साल सावन माह में 4 सोमवार पड़ेंगे।

पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त 2026
दूसरा सावन सोमवार- 10 अगस्त 2026
तीसरा सावन सोमवार- 17 अगस्त 2026
चौथा और अंतिम सावन सोमवार- 24 अगस्त 2026

सावन सोमवार (सोमवारी व्रत) पूजा विधि

सावन सोमवार के दिन प्रातःकाल उठकर स्नान आदि करें और साफ वस्त्र पहन लें।
सावन सोमवार के दिन संभव हो तो हरा, केसरिया या सफेद रंग के कपड़े पहनें।
इसके बाद घर के मंदिर या शिव मंदिर में जाकर व्रत का संकल्प लें।
अब सबसे पहले शिवलिंग पर जल अर्पित करें।
जल चढ़ाने के बाद कच्चा दूध, चीनी, शहद, घी और दही से शिवलिंग का जलाभिषेक करें। आखिर में एक बार फिर शुद्ध जल या गंगाजल चढ़ाएं।
फिर शिवलिंग पर चंदन का तिलक लगाएं।
चंदन अर्पित करने के बाद शिवलिंग पर बेलपत्र (बिना कटा-फटा), सफेद फूल, भांग और धतूरा चढ़ाएं।
शिवलिंग के पास दीया और धूपबत्ती जलाएं और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें।
शिव चालीसा का पाठ करें और अंत में शिवजी की आरती करें।

माताएं-बहनें जहां काम करती हैं, आंगन-सा माहौल बन जाता है

भारत में आंगन पारिवारिक सामूहिकता का प्रतीक है। साहित्यकारों ने तो आंगन को नारियों की दुनिया कहा है। तुलसी तो आंगन की महारानी है ही। कुछ ऋषियों ने मन को भी आंगन का रूपक दिया है। तुलसीदास जी लिखते हैं- बरनि न जाइ रुचिर अँगनाइ, जहँ खेलहिं नित चारिउ भाई। सुंदर आंगन का वर्णन नहीं किया जा सकता, जहां चारों भाई नित्य खेलते हैं। यह बात काकभुशुंडि जी गरुड़ जी को बता रहे हैं। श्रीराम का आंगन में खेलना तुलसीदास जी को अत्यधिक प्रिय है। इसीलिए उन्होंने वह चौपाई लिखी थी- मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी। हे दशरथ के आंगन में विहार करने वाले राम जी, आप हमारे आंगन में भी पधारें। महिलाओं की उपस्थिति से कार्यस्थल की संस्कृति भी बदल जाती है।

माताएं-बहनें जहां काम करती हैं, आंगन-सा माहौल बन जाता है। पर भारत के कार्यबल में पुरुषों के मुकाबले 10% ही महिलाएं हैं। आंगन से प्रेरित होकर हम संकल्प लें कि देश में महिला वर्कफोर्स का पार्टिसिपेशन बढ़ाया जाए।

25 जुलाई को मार्गी होंगे बुध

इन 4 राशियों का चमकेगा करियर

बुध देव 25 जुलाई 2026 को मिथुन राशि में मार्गी होने जा रहे हैं। बुध का मार्गी होना 4 राशि वालों के लिए बेहद शुभ साबित होगा। इन राशियों के सारे सपने पूरे होंगे। साथ ही बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

पंचांग अनुसार बुध 25 जुलाई की सुबह 4 बजकर 34 मिनट पर मार्गी हो जाएंगे। बुध के मार्गी होने का प्रभाव सभी राशियों के साथ-साथ देश-दुनिया पर भी पड़ेगा। ज्योतिष अनुसार बुध के गोचर से बार-बार आने वाली बाधाएं और गलतफहमियां दूर होंगी। प्रोफेशनल डील्स पक्की होंगी। बिजनेस में नए कॉन्ट्रैक्ट साइन होंगे। मीडिया, जर्नलिज्म और सोशल प्लेटफॉर्म पर गतिविधियां बढ़ेंगी। चलिए अब जानते हैं बुध के मार्गी होने का किन 4 राशियों पर बेहद सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए बुध का मार्गी होना शुभ साबित होगा। आपके साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बुध के मार्गी होने से इस राशि के सेल्स, मार्केटिंग, मीडिया और संचार से जुड़े क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को बंपर लाभ मिलेगा। संबंधों में सुधार आएगा। वाणी में मधुरता आएगी। आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा और किसी भी तरह की बहस से बचना होगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए बुध का मार्गी होना अत्यंत शुभ रहेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। करियर में खूब सफलता मिलेगी। बिजनेस में बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। परिवार में सुख और शांत बनी रहेगी। नया वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। इस राशि के लोगों की नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। पुराने निवेश से अच्छा लाभ पाने में सफल रहेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में खूब मन लगेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए बुध का गोचर अपार धन देने वाला साबित होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान आप निवेश से अच्छा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी। इस दौरान अच्छा पैसा कमाने के साथ-साथ पैसों की बचत करने में भी सफल रहेंगे। कई माध्यमों से धन प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए बुध का मार्गी होना शुभ साबित होगा। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत रहेगी। धन-धान्य में वृद्धि होगी। बिजनेस में आप काफी अच्छा लाभ कमाएंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। करियर में लाभ कमाने के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। सेहत अच्छी रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है।

23 जुलाई को शुक्र-शनि का षडाष्टक योग

इन 4 राशियों के लिए वरदान, होगा अचानक धन लाभ!

23 जुलाई 2026 को शुक्र-शनि एक-दूसरे से 150 डिग्री पर आकर षडाष्टक योग का निर्माण करेंगे। शुक्र और शनि आपस में मित्र ग्रह माने जाते हैं, इसलिए इनके बीच बनने वाला षडाष्टक दृष्टि योग कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होगा।

जब कुंडली में दो ग्रह एक-दूसरे से छठे और आठवें भाव में स्थित होते हैं, तो उनके बीच में षडाष्टक योग बनता है। 23 जुलाई को शनि शुक्र से आठवें स्थान पर रहेंगे, तो वहीं शुक्र शनि से छठे स्थान पर रहेंगे। दोनों ग्रहों के बीच बनने वाला 6-8 का संबंध 4 राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होगा। इन राशियों की तकदीर इस योग से चमक जाएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी राशियां हैं जिनके लिए यह योग किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा।

4 राशियों के लिए वरदान साबित होगा षडाष्टक योग

वृषभ : वृषभ राशि वालों के लिए शुक्र-शनि का षडाष्टक योग शुभ साबित होगा। करियर में नए अवसर मिलेंगे। व्यापार से जुड़े लोगों को अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। अटके काम पूरे होंगे। निवेश से अच्छा लाभ पाने में सफल रहेंगे। अनेक माध्यमों से धन की प्राप्ति हो सकती है। कोई सुख समाचार सुनने को मिलेगा। यात्रा से अच्छा लाभ पाने में सफल रहेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए शुक्र-शनि का षडाष्टक योग शुभ साबित होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। मनचाही नौकरी मिलने के आसार हैं। कई माध्यमों से धन की प्राप्ति के प्रबल आसार हैं। विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी। विदेशी संपर्कों से लाभ मिलेगा। मकान खरीदने का सपना पूरा हो सकता है।

तुला राशि : तुला राशि वालों के लिए षडाष्टक योग बेहद शुभ साबित होगा। धन-धान्य में वृद्धि होगी। किसी काम में बड़ी सफलता मिलने के योग हैं। नई नौकरी मिल सकती है। घर-परिवार का माहौल मंगलमय रहेगा। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। साझेदारी के कार्यों में खूब मुनाफा कमाएंगे। वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है।

मकर : शनि का षडाष्टक योग आपके लिए सकारात्मक दिखाई दे रहा है। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। किसी पुराने निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है। धर्म-कर्म से जुड़े कार्यों में खूब मन लगेगा। किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। जीवनसाथी से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

अलमारी में गंदे तरीके से रखे गए कपड़े राहु ग्रह को करते हैं अशांत

अलमारी में गंदे तरीके से रखे गए कपड़े राहु ग्रह को अशांत करते हैं। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार अलमारी में गंदे, फटे या लंबे समय से बिना उपयोग के रखे कपड़े राहु की नकारात्मकता बढ़ा सकते हैं। जानिए अलमारी को व्यवस्थित रखने, पुराने कपड़ों के सही उपयोग से जुड़े जरूरी नियम।

बहुत से लोगों की अलमारी में कपड़े बिखरे पड़े होते हैं। कई लोगों से पास इतने पुराने कपड़े रखे रहते हैं, जो इस्तेमाल नहीं होते और केवल जगह घेरते हैं। वास्तु और ज्योतिष की मान्यताओं के अनुसार अलमारी में सालों से रखे पुराने-फटे या बेतरतीब कपड़े घर की सकारात्मक ऊर्जा पर बुरा असर डाल सकते हैं। अलमारी में बिखरे और बेकार कपड़े राहु की नकारात्मकता बढ़ा सकते हैं। इसलिए कपड़ों को सलीके से रखना जरूरी माना जाता है।

राहु पर पड़ता है असर

अगर अलमारी में कपड़े बिखरे हुए हों या लंबे समय तक गंदे और बिना उपयोग के पड़े रहें, तो इससे घर का ऊर्जा संतुलन प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति राहु की नकारात्मकता को बढ़ाती है।

समय-समय पर करें सफाई

विशेषज्ञों के अनुसार हर 3 से 6 महीने में अलमारी की जांच करनी चाहिए। जिन कपड़ों का लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हुआ है, उन्हें अलग कर दें। पहनने योग्य कपड़े, जिन्हें आप उपयोग नहीं करते जरूरतमंद लोगों को दान करें। वहीं पूरी तरह खराब हो चुके कपड़ों का सही तरीके से निस्तारण करें।

गंदे तौलिये भी बढ़ाते हैं नकारात्मकता

कई दिनों तक एक ही गंदे तौलिये, चादर या बिस्तर का उपयोग करना भी शुभ नहीं माना जाता। इसलिए कपड़ों के साथ-साथ तौलिये और बिस्तर को भी साफ रखना चाहिए। अलमारी में हमेशा कपड़ों को तह लगाकर व्यवस्थित रखें।

ग्रहों से जुड़ा है वस्त्रों का संबंध

वैदिक ज्योतिष में रंगीन कपड़ों का संबंध अलग-अलग ग्रहों से बताया गया है। जैसे पीला रंग- गुरु, सफेद रंग-चंद्र और शुक्र, लाल रंग-मंगल, हरा रंग बुध और काला, गहरा नीला रंग-शनि का प्रतीक होता है। मान्यता है कि बेकार पड़े कपड़ों में ऊर्जा स्थिर हो जाती है, जिससे आपके घर का अच्छा माहौल प्रभावित हो सकता है।

पुराने कपड़ों का न करें गलत इस्तेमाल

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार फटे या पुराने कपड़ों से घर या फर्नीचर की सफाई करना सही नहीं होता। ऐसा करने से आर्थिक परेशानियां बढ़ने की आशंका बताई जाती है। वहीं अलमारी को पुराने और अनुपयोगी कपड़ों का गोदाम बनाने से भी बचें।

दान करते समय रखें ये सावधानी

अगर पुराने कपड़े किसी जरूरतमंद को दान करना चाहते हैं, तो यह ध्यान रखें कि वे साफ, बेदाग और उपयोग योग्य हों। गंदे या फटे कपड़े दान नहीं करने चाहिए। कुछ ज्योतिषाचार्य कपड़ों को दान से पहले नमक के पानी से धोने की भी सलाह देते हैं, ताकि उनसे जुड़ी नकारात्मकता दूर हो सके।

गुरु पूर्णिमा पर अन्न, पीले कपड़े, हल्दी का दान करना होता है बहुत शुभ

सनातन धर्म में हर माह की पूर्णिमा का विशेष महत्व बताया गया है। आषाढ़ माह की पूर्णिमा अति विशेष मानी जाती है, क्योंकि इस दिन गुरु पूर्णिमा का पर्व मानया जाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा का दिन अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करके उनसे आशीर्वाद पाने का होता है। इस दिन पावन नदियों में स्नान करके गुरु की पूजा की जाती है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना भी की जाती है। इस दिन दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। इस दिन किए गए दान से बहुत अधिक पुण्य प्राप्त होता है, तो आइए जानते हैं कि गुरु पूर्णिमा पर किन चीजों का दान करना बहुत शुभ होता है?

गुरु पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान

अन्नः शास्त्रों में अन्न के दान को महादान माना गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन अन्न का दान करें। इस दिन पूजा-पाठ करने के बाद जरूरतमंदों को भोजन करवाएं या फिर अन्न का दान करें। फल का दान करें। इन चीजों का दान करने से विष्णु जी और गुरु की कृपा जीवन में बनी रहती है।

गुरु दक्षिणा और सेवाः गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु, शिक्षक या मार्गदर्शक को श्रद्धा पूर्वक दक्षिणा दें। गुरुजनों की सेवा करें। ऐसा करने से सफलता के रास्ते खुलते हैं। शुभ फल प्राप्त होते हैं।

पीले कपड़ेः गुरु पूर्णिमा के दिन पीले कपड़ों का दान करना अति शुभ होता है। पीले रंग का गहरा संबंध भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति से है। इस दिन पीले कपड़े और पीला अंगोछे का दान जरूरतमंदों को करें। ऐसा करने से भाग्य का साथ मिलता है।

हल्दी, चने की दाल और पीली मिठाईः गुरु पूर्णिमा के दिन हल्दी, चने की दाल से लेकर बेसन के लड्डू या पीली मिठाइयों का दान करें। ऐसा करने से गुरु ग्रह की स्थिति कुंडली में अच्छी होती है।

धार्मिक किताबें और पढ़ाई की चीजेंः गुरु पूर्णिमा को गुरुजनों के सम्मान और ज्ञान का पर्व माना जाता है। ऐसे में इस दिन धार्मिक ग्रंथ, पुस्तकें, कॉपी से लेकर पेन और अन्य शैक्षणिक सामग्रियों का दान करें। इन चीजों का दान बहुत शुभ माना गया है।

आज भडल्या नवमी: विवाह, मुंडन, पूजा-पाठ के लिए अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त

आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 22 जुलाई 2026 को सुबह 5:16 बजे से आरंभ होगी और इसका समापन अगले दिन यानी 23 जुलाई 2026 की सुबह 7:03 बजे होगा। उदया तिथि के अनुसार 22 जुलाई को भडल्या नवमी मनाई जाएगी। यह दिन अक्षय तृतीया की तरह शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। भडल्या नवमी स्वंयसिद्ध तिथि है। इस तिथि पर सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

भडल्या नवमी 22 जुलाई को है। यह इस सीजन का आखिरी विवाह मुहूर्त है। हालांकि इस समय गुरु अस्त चल रहे हैं, इसलिए मांगलिक कार्यों पर रोक लगी हुई है, फिर भी भडल्या नवमी को अबूझ मुहूर्त माने जाने से इस दिन काफी संख्या में विवाह होंगे। इसके 2 दिन बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चार महीने के लिए सभी मांगलिक कार्य थम जाएंगे, जो एक नवंबर को देवों के जागने के साथ शुरू होंगे।

भडल्या नवमी तिथि

पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 22 जुलाई 2026 को सुबह 5:16 बजे से आरंभ होगी और इसका समापन अगले दिन यानी 23 जुलाई 2026 की सुबह 7:03 बजे होगा। उदया तिथि के अनुसार 22 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु तारा चल रहा है अस्त

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इसके बाद भगवान विष्णु के योग निद्रा में होने की वजह से अगले 4 महीने तक कोई भी मांगलिक काम नहीं किया जा सकता है। ऐसे में चातुर्मास शुरू होने से पहले शुभ काम करने का अंतिम दिन भडल्या नवमी तिथि को होता है। पिछले करीब 1 महीने से विवाह के कारक ग्रह देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त चल रहे हैं।

15 दिसंबर 2026 से 14 जनवरी 2027 तक खरमास

इस वर्ष नवंबर में केवल सात दिन और दिसंबर में सिर्फ पांच दिन विवाह मुहूर्त है। 15 दिसंबर 2026 से 14 जनवरी 2027 तक खरमास होने से विवाह नहीं हो सकेंगे। विवाह मुहूर्त 15 दिसंबर से चार फरवरी तक भी नहीं होंगे। शुक्र ग्रह के उदित होने के बाद पांच फरवरी से शुरुआत होगी।

अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त

भडल्या नवमी अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त के रूप में मानी गई है। यानी इस दिन शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त के विचार की जरूरत नहीं होती।

महत्व

भडल्या नवमी तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्त है। इस तिथि पर शुभ कार्य करने के लिए ज्योतिष गणना की आवश्यकता नहीं पड़ती है। किसी भी समय जातक अपनी सुविधा के अनुसार शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं। इस तिथि पर शुभ कार्य करने से अक्षय तृतीया के समतुल्य फल प्राप्त होता है।

एक्ट्रेस ईशा सिंह ने ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर रखी बेबाक राय, बोलीं- कोई संत नहीं है

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थी। अभिनेत्री ने हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है।

अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।

अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जूझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

मलायका के बाद क्या अर्जुन कपूर को फिर मिला प्यार ?

साहिबा बाली के साथ वायरल हुई तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों उनका नाम एक बार फिर चर्चा में है। लॉकअप 2 में पामेला एंडरसन को मजाकिया अंदाज में प्रपोज करने के बाद अब अर्जुन कपूर को एक्ट्रेस साहिबा बाली के साथ देखा गया है, जिसके बाद दोनों की डेटिंग की खबरों के जोर पकड़ लिया है। हाल ही में अर्जुन और साहिबा लन्दन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच का आनंद लेते नजर आए। 19 जुलाई 2026 को दोनों की साथ में मौजूदगी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

क्या अर्जुन और साहिबा कर रहे एक-दूसरे को डेट

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली को एक साथ देखने के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। फैंस के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं या फिर उनके बीच कुछ खास चल रहा है। इससे पहले अर्जुन कपूर लॉकअप 2 में पामेला सेरेना को मजाकिया अंदाज में प्रपोज करने को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे।

हाल ही में अर्जुन और साहिबा को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान साथ देखा गया। इस दौरान दोनों ब्लू रंग के मैचिंग ओउत्फिट्स में नजर आए। जैसे ही उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, वैसे ही यूजर्स ने कमेंट्स की बौछार कर दी। किसी ने पूछा, क्या दोनों रिलेशनशिप में हैं ? तो किसी ने लिखा, " आखिर चल क्या रहा है ? वहीं एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में कमेंट किया, लगता है कुछ तो पल रहा है।

कौन हैं साहिबा बाली ?

साहिबा बाली ने मनोरंजन और स्पोर्ट्स दोनों क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह एक अभिनेत्री होने के साथ-साथ लोकप्रिय सोपर्ट्स प्रेजेंटर भी हैं। साहिबा फिल्म लैला मजनू और दिलजीत दोसांझ स्टारर अमर सिंह चमकीला में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखा चुकी हैं। इसके अलावा वह स्टार स्पोर्ट्स के साथ जुड़कर क्रिकेट समेत कई बड़े खेल आयोजनों की एकरिंग और प्रेजेंटिंग करती हैं। अर्जुन कपूर के काम की बात की जाए तो उन्हें आखिर बार फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था। इस फिल्म में भूमि और रकुल प्रीत ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

'लॉकअप 2' में 'किसिंग' पर हुई कंट्रोवर्सी!

राम कपूर पर भड़कीं श्रेया कालरा; कहा- इतना तो मेरा बाप भी चुम्मी नहीं करता मुझे

शो 'लॉकअप' का दूसरा सीजन चल रहा है। इसमें खूब ड्रामा और लड़ाई-झगड़े

देखने को मिल रहे हैं। हालिया एपिसोड में श्रेया कालरा का गुस्सा राम कपूर पर फूटा है। अभिनेता के बार-बार किस करने पर वे बुरी तरह झल्ला गई हैं। दरअसल, 'लॉकअप 2' में राम कपूर ने श्रेया कालरा को किस किया था। इससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त उन्होंने कुछ कहा नहीं था। मगर, अब हाल ही में उन्होंने सवाल उठाया है।

श्रेया ने क्यों जताई नाराजगी?

'लॉकअप 2' में बीते हफ्ते देखने को मिला था कि राम कपूर और श्रेया कालरा ने साथ में गेम खेला। इस दौरान श्रेया बतौर कंट्रोलर खेलीं। वहीं, राम कपूर उनके डिपेंडेंट बने। इस दौरान राम को एविक्शन से बचाने के लिए टास्क में श्रेया जीतीं। टास्क जीतने के बाद राम कपूर इतने उत्साहित हो गए कि उन्होंने श्रेया को किस किया। एक्टर ने श्रेया को माथे पर और गाल पर कई बार किस की, जिससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं। उनके इस तरह किस करने पर काफी विवाद हुआ था। अब खुद श्रेया ने भी नाराजगी जताई है।

श्रेया बोलीं- 'थोड़ी तो बाउंड्री बनाओ'

हालिया एपिसोड में श्रेया ने शिल्पा शिंदे के साथ बातचीत में इस मसले का जिक्र किया। नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा, 'जब शिवांगी टास्क कर रही थी, तब राम कपूर उसके बहुत करीब आ गए थे। तब हर्षद ने उन्हें दूर किया। राम कपूर वहां से हटे तो हर्षद माफी मांगने लगा। अरे क्या सॉरी? वह आदमी मुंह पर आकर थूक देता है। ये बात बोलो उसके मुंह पर। थोड़ी तो सीमाएं बनाकर रखो, बस हर जगह थूकते रहते हो'।

कहा- 'अगली बार मुंह पकड़कर बोल दूंगी'

श्रेया ने आगे कहा, 'अगर इस बार उन्होंने मुझे किस करने की कोशिश की तो मैं उनका मुंह पकड़कर बोल दूंगी कि, 'भाई, इतना तो मेरा बाप चुम्मी नहीं करता मुझे, अब मत करियो'।

श्रेया ने राम कपूर के लिए कहा, 'मैंने तुम्हारे लिए तीन टास्क जीते, लेकिन मेरे सपोर्ट में तुम्हारा एक हाथ नहीं उठ रहा है'। श्रेया ने यह तक कह दिया कि ऐसे सीनियर की मैं इज्जत करूं? बता दें कि यह शो नेटफ्लिक्स पर आता है। इसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं।

नेशनल अवॉर्ड जीतने पर धनुष ने जाहिर की खुशी, फैंस का किया धन्यवाद

धनुष ने फोटो शेयर कर बताया कि उन्हें फिल्म 'रायन' के लिए बेस्ट रीजनल फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला है। वहीं फिल्म 'कैप्टन मिलर' के लिए उन्हें स्पेशल मेंशन (बेस्ट एक्टर) का सम्मान भी मिला है। एक्टर ने एक इमोशनल नोट भी लिखा।

धनुष ने लिखा इमोशनल नोट

इस नोट में उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए सभी का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा, 'मैं बेहद विनम्र और भावुक हूं कि मुझे ये सम्मान मिला। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। धनुष ने नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की ज्यूरी और सिलेक्शन कमेटी का धन्यवाद किया। साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया को भी सपोर्ट के लिए शुक्रिया कहा।

फैंस को दिया खास क्रेडिट

धनुष ने अपने फैंस को अपनी ताकत बताया। उन्होंने कहा, 'ये मेरा तीसरा नेशनल अवॉर्ड है एक्टर के तौर पर और डायरेक्टर के रूप में पहला। ये सब मेरे फैंस की वजह से संभव हो पाया है। दिल से धन्यवाद।'

'कैप्टन मिलर' से खास जुड़ाव

उन्होंने बताया कि 'कैप्टन मिलर' उनके दिल के बहुत करीब है और वो इसे अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस मानते हैं। ऐसे में इस फिल्म के लिए मिला सम्मान उनके लिए और भी खास है।

डायरेक्टर के रूप में पहली जीत

धनुष को 'रायन' के लिए मिला ये अवॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि ये उनका पहला नेशनल अवॉर्ड बतौर डायरेक्टर है। उन्होंने इसे एक ऐसा पल बताया जिसे वो हमेशा याद रखेंगे। धनुष ने नोट की शुरुआत में 'ओम नमः शिवाय' और आखिर में 'हर हर महादेव' लिखकर इस नोट को और स्पेशल बना दिया।

37 साल बाद मीनाक्षी शेषाद्रि ने 'नाचे नागिन गली-गली' पर किया डांस; बोलीं- 'फैंस की फरमाइश पर रिक्रिएट किया'

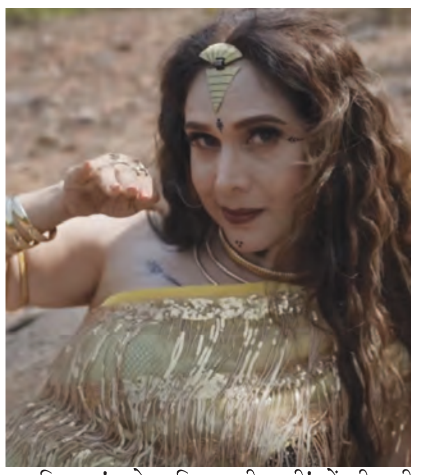

फिल्म 'नाचे नागिन गली गली' में मीनाक्षी शेषाद्रि को नागिन के रूप में देखा गया था। वहीं, अभिनेता नितीश भारद्वाज उनके अपोजिट दिखे। दिग्गज अभिनेत्री ने फिल्म के टाइटल सॉन्ग को रिक्रिएट किया है। उन्होंने तमाम दर्शकों और प्रशंसकों की गुजारिश पर फिर से इस गाने पर डांस किया है और सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है।

रानी रॉय और श्रीदेवी को क्यों किया याद?

अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने फिल्म 'नाचे नागिन गली गली' की यादें फिर से ताजा की हैं। इसी के साथ उन्होंने रीना रॉय और श्रीदेवी को भी याद किया है। अपना डांस वीडियो शेयर करते हुए मीनाक्षी शेषाद्रि ने लिखा है, '70 के दशक के बीच में आई फिल्म 'नागिन' ने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त धूम मचाई थी। इसमें रीना रॉय मुख्य भूमिका में थीं। 80 के दशक के बीच में श्रीदेवी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'नगीना' के साथ इतिहास ने खुद को दोहराया। मैंने भी इसी तरह की थीम पर एक फिल्म 'नाचे नागिन गली-गली' की थी।

बोलीं- 'कई लोगों ने की थी गुजारिश'

मीनाक्षी शेषाद्रि ने आगे लिखा है, 'मैंने इसके टाइटल सॉन्ग को फिर से बनाने का फैसला किया। रूप बदलने वाले सांपों या 'इच्छाधारी नागों' का कॉन्सेप्ट हिंदू लोक-कथाओं की एक अनोखी विशेषता है। इस फिल्म में मेरे साथ नीतीश भारद्वाज थे। यह कहानी कई कस्बों, शहरों और गांवों में दर्शकों को बहुत पसंद आई थी। मुझे इस गाने को फिर से बनाने के लिए कई अनुरोध मिले थे, तो लीजिए आपकी फरमाइश पर पेश है'।

यूजर्स ने की तारीफ

गाने में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री नागिन के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने गोल्डन और ब्लैक कलर की साड़ी पहनी है। उसी तरह का मेकअप रखा है। माथे पर 'नागमणि' लगाकर वे शानदार तरीके से थिरक रही हैं। उन्होंने एक बार फिर फैंस को मुरीद बना लिया है। उनके डांस की यूजर्स जमकर तारीफ कर रहे हैं।

मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने अपनी नई फिल्म 'अल्फा' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।

उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, शायद इसकी वजह यह है कि मैं दो बेहद मजबूत बेटियों का पिता और एक बेहद सशक्त महिला का पति हूं। या फिर इसलिए कि महिलाओं की ऊर्जा दुनिया को बदल रही है और यह जीवन की सच्चाई है।

अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें आदित्य चोपड़ा, शिव, बॉबी, आलिया, शरवरी और पूरी वाईआरएफ टीम के साथ काम करके खुशी हुई, क्योंकि वे भी महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाने में विश्वास रखते हैं। ऐसी सोच ही 'अल्फा' जैसी फिल्मों को संभव बनाती है।

बता दें कि 'अल्फा', वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर, और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी एक बेहद प्रशिक्षित महिला कीलर की है, जिसे एक बागी कमांडर ने दुनिया से अलग रखकर सुपर-सोल्जर बनाया है। जब उसे अपने परिवार और बचपन से जुड़ा चौंकाने वाला सच पता चलता है, तो वह अपनी वर्षों से बिछड़ी बहन के साथ मिलकर अपना बदला लेने के मिशन पर चल पड़ती है।

'यह अहसास शब्दों से परे है'; नितेश तिवारी की 'रामायण' का हिस्सा बनकर खुशी से झूमी रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

रकुल ने 'रामायण' को बताया सिनेमा से आगे की यात्रा

रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। आज रविवार को रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं।

साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

रकुल प्रीत बोलीं- 'बेसब्री से इंतजार है'

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

रकुल प्रीत सिंह की भूमिका क्या होगी?

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे।

वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा। वहीं, दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

मेरी कुछ सीमाएं हैं...काजल अग्रवाल ने बताया, बोल्ड और इंटिमेट सीन करना पसंद नहीं, इस वजह से ठुकराई बड़ी फिल्में

आज कल के समय में फिल्मों में बोल्ड सीन होना कोई बड़ी बात नहीं है। लोगों को फिल्म की तरफ अट्रैक्ट करने के लिए आज-कल हर फिल्म में इस तरह के सीन दिखाए जाते हैं। लेकिन जब किसी एक्ट्रेस की शादी हो जाती है तो उसके बाद यदि वो बोल्ड सीन करती है तो उसे जज किया जाता है। हाल ही में टॉक्सिक का ट्रेलर रिलीज होने के बाद कियारा को काफी ट्रोल किया जा रहा है, ऐसा इस वजह से क्योंकि इस फिल्म में ऐसे बहुत से बोल्ड सीन दिखाए गए हैं। इसी मुद्दे को लेकर काजल अग्रवाल ने भी अपनी राय रखी है।

इंटिमेट सीन पर बोलीं काजल अग्रवाल

हाल ही में काजल अग्रवाल एक पॉडकास्ट पर पहुंची और इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। काजल ने कहा कि इंटिमेट सीन करना ये उस व्यक्ति की खुद की पसंद होती है। उन्होंने कहा कि लड़कों को किसी भी रिश्ते या फैसले से पहले अच्छी तरह सोच-समझकर अपना चुनाव करना चाहिए। किसी पर कुछ करने या न करने के दवाब नहीं होना चाहिए आखिरकार यह निर्णय इंसान अपने दिल और अपनी इच्छा से लेता है। उनका मानना है कि महिलाओं को अक्सर इसलिए निशाना बनाया जाता है क्योंकि वे ऐसे मामलों में अधिक सजग और अपनी सीमाओं को लेकर स्पष्ट रहती हैं।

मैंने कभी भी बोल्ड सीन नहीं किए

काजल अग्रवाल ने कहा की उन्होंने अपने करियर में हमेशा अपनी निजी सीमाओं का सम्मान किया है। उन्होंने कभी ऐसे किरदार स्वीकार नहीं किए, जिनमें उन्हें स्क्रीन पर बोल्ड या इंटिमेट सीन देने पड़े। उनका कहना था कि वह केवल वही काम करती हैं, जिसमें वह सहज महसूस करती हैं।

उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी बिकनी पहनकर सीन नहीं किए क्योंकि वह उसमें कम्फर्टेबल नहीं थीं। इसी वजह से उन्होंने कई बड़ी फिल्मों के ऑफर भी ठुकरा दिए लेकिन उन्हें इस फैसले का कोई पछतावा नहीं है। काजल के मुताबिक, यह उनकी व्यक्तिगत सीमा और सिद्धांत हैं, जिनसे वह कभी समझौता नहीं करना चाहतीं।

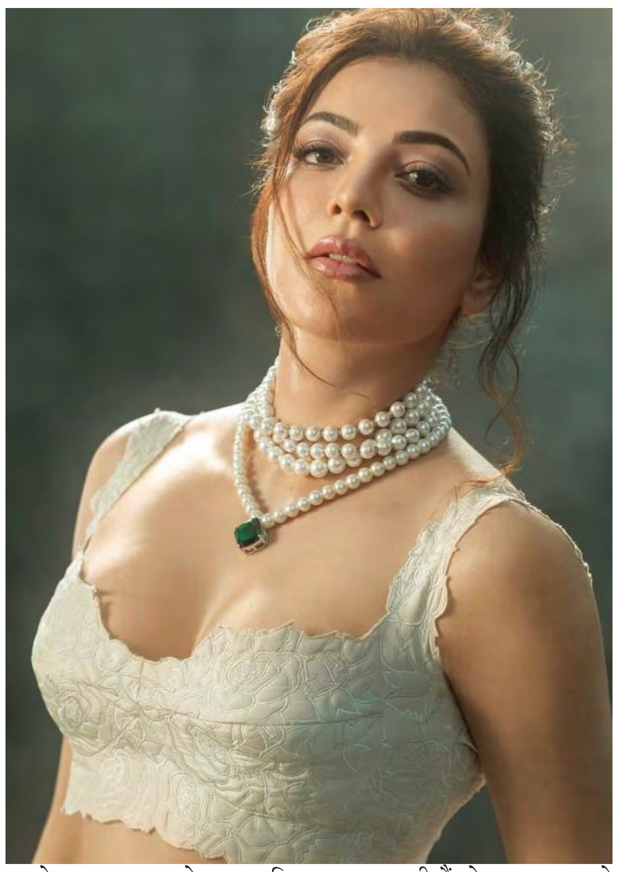

इसके बाद काजल ने बताया कि जब से वो मां बनी हैं, जब से वो कोई भी मूवी सोच-समझ कर साइन करती हैं। ऐसा इस वजह से जब भी मेरा बेटा मेरी फिल्में देखें तो असहज महसूस न करें।

किडनी खराब होने पर शरीर में दिखते है ये लक्षण, तो तुरंत भागें डॉक्टर के पास

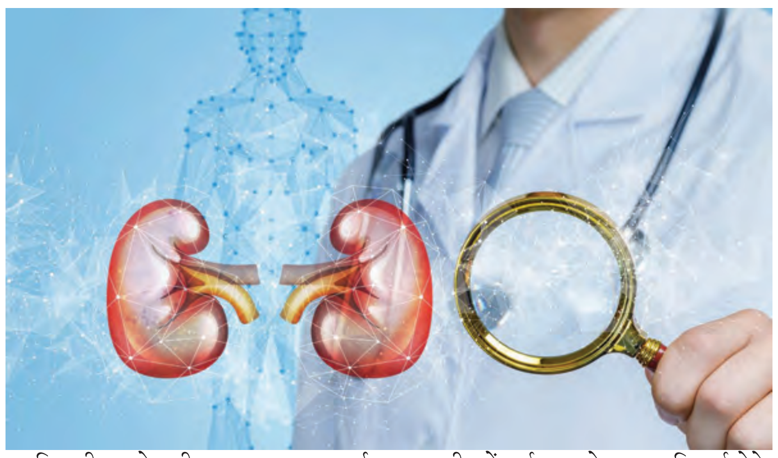

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह शरीर से गंदगी और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालती है। जब किडनी में कोई दिक्कत आती है, तो इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है। किडनी खराब होने पर शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देते है। जिनमें से कुछ संकेत सुबह उठने के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई दे सकते हैं। अगर आपके शरीर में भी ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।

चेहरे पर सूजन

यदि सुबह उठते ही आखों के पास या चेहरे में सूजन दिखाई दें, तो यह किडनी में दिक्कत का संकेत हो सकता है। जब किडनी सही से काम नहीं करती है, तो शरीर में अतिरिक्त सोडियम और पानी जमा होने लगता है, जिससे सूजन आने लगती है।

जी मिचलाना

किडनी कमजोर होने पर इसका असर पाचन तंत्र पर पड़ता है और सुबह पेट जी मचलाना, उल्टी जैसा महसूस होना जैसी परेशानी हो सकती है।

सुबह के पेशाब में बदलाव

- पेशाब में ज्यादा झाग बनना शरीर से प्रोटीन निकलने का संकेत हो सकता है।
- पेशाब का रंग ज्यादा गहरा या कोला जैसा दिख सकता है।
- पेशाब में खून आना गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

पीठ के निचले हिस्से में दर्द

किडनी कमजोर होने पर कमर या पीठ के निचले हिस्से में दर्द महसूस हो सकती है। कई बार सुबह उठने पर यह दर्द ज्यादा महसूस होती है।

त्वचा में जलन और खुजली

अगर किडनी ठीक से काम ना करे, तो शरीर से विषैले पदार्थ पूरी तरह से बाहर नहीं निकलते। जिसका असर त्वचा पर भी दिखाई दे सकता है। सुबह के समय त्वचा में जलन, खुजली और ज्यादा रूखा महसूस होना इसका एक संकेत हो सकता है।

समय रहते डॉक्टर से सम्पर्क

अगर आपको इन लक्षणों में से कोई एक भी लगातार कई दिनों तक दिखें, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय रहते डॉक्टर से सम्पर्क करके इसकी जांच करवानी चाहिए।

डायबिटीज और वजन घटाने वालों के लिए ब्राउन व लाल चावल सही

भारतीय खाने में चावल एक अहम हिस्सा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग सफेद चावल, ब्राउन राइस, बासमती चावल और कई तरह के पारंपरिक चावल का सेवन करते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपनी सेहत, वजन और ब्लड शुगर को लेकर ज्यादा जागरूक हो रहे हैं, तो यह सवाल भी बढ़ रहा है कि आखिर कौन सा चावल शरीर के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

क्या सफेद चावल सच में नुकसानदायक है या इसे सही मात्रा में खाया जा सकता है? क्या ब्राउन राइस और अन्य होल ग्रेन राइस ज्यादा फायदेमंद होते हैं? चावल का चुनाव आपकी उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और शरीर की जरूरतों पर भी निर्भर करता है। सही प्रकार के चावल को संतुलित डाइट के साथ शामिल करने से यह ऊर्जा, फाइबर और जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत बन सकता है। आइए जानते हैं सेहत के लिए कौन सा चावल बेहतर है और किसे खाने से क्या फायदे मिल सकते हैं।

सेहत के लिए सबसे अच्छा चावल कौन सा है?

ब्राउन राइस

ब्राउन राइस को अक्सर हेल्दी विकल्प माना जाता है क्योंकि यह कम प्रोसेस्ड होता है। इसमें चावल की बाहरी परत (ब्रान) मौजूद रहती है, जिसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं।

फायदेः फाइबर की मात्रा अधिक होती है। पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। वजन मैनेजमेंट में मदद कर सकता है। पाचन के लिए बेहतर माना जाता है।

हालांकि, इसका स्वाद और पकने का समय सफेद चावल से अलग होता है।

लाल चावल

लाल चावल में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर पाए जाते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

फायदेः फाइबर से भरपूर होता है।पेट की सेहत के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है।

काला चावल

काले चावल को कई जगहों पर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर माना जाता है। इसमें एंथोसायनिन नामक तत्व पाया जाता है, जो पौधों में प्राकृतिक रंग देने वाला कंपाउंड होता है।

फायदेः एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत हो सकता है। हेल्दी डाइट में शामिल किया जा सकता है। पोषण के लिहाज से सामान्य सफेद चावल से अलग विकल्प है।

सफेद चावल

सफेद चावल सबसे ज्यादा खाया जाने वाला चावल है। इसे ज्यादा प्रोसेस किया जाता है, जिससे इसकी कुछ बाहरी परतें हट जाती हैं।

फायदेः आसानी से पच जाता है। जल्दी ऊर्जा देता है। स्वाद में अच्छा और आसानी से उपलब्ध होता है। लेकिन इसे ज्यादा मात्रा में खाने से कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ सकती है। इसलिए पोर्शन कंट्रोल जरूरी है।

डायबिटीज और वजन घटाने वालों के लिए कौन सा चावल बेहतर है?

जिन लोगों को डायबिटीज या वजन से जुड़ी समस्या है, उनके लिए कम प्रोसेस्ड चावल जैसे ब्राउन राइस, लाल चावल विकल्प बेहतर हो सकते हैं। हालांकि, सिर्फ चावल का प्रकार ही नहीं बल्कि खाने की मात्रा, साथ में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थ और पूरी डाइट भी महत्वपूर्ण होती है।

क्या बारिश में भीगने से बढ़ता है हेयर फॉल और स्किन एलर्जी?

मानसून का मौसम अपने साथ ठंडी हवाएं और बारिश की फुहारें लेकर आता है। बारिश में भीगना ज्यादातर लोगों को पसंद होता है, लेकिन क्या यह आपकी त्वचा और बालों के लिए सुरक्षित है? विशेषज्ञों के अनुसार, पहली बारिश का पानी वातावरण में मौजूद धूल, धुआं, बैक्टीरिया और कई तरह के प्रदूषकों को अपने साथ लेकर आता है, जिससे स्किन और हेयर को नुकसान पहुंच सकता है।

स्किन में जलन और एलर्जी की समस्या

बारिश का पानी पूरी तरह शुद्ध नहीं होता। खासकर पहली बारिश में वातावरण में मौजूद धूल, धुआं, केमिकल्स और प्रदूषक पानी के साथ मिल जाते हैं। ऐसे में संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को खुजली, लालपन, जलन और एलर्जी की शिकायत हो सकती है।

फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

मानसून के मौसम में नमी अधिक रहती है। यदि आप बारिश में भीगने के बाद लंबे समय तक गीले कपड़ों में रहते हैं, तो शरीर के उन हिस्सों में फंगस तेजी से पनप सकता है जहां पसीना और नमी अधिक रहती है। इससे दाद, खुजली और रैशेज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मुंहासे और ऑयली स्किन की परेशानी

बारिश के मौसम में हवा में नमी बढ़ने से त्वचा ज्यादा ऑयली हो सकती है। अगर बारिश का गंदा पानी चेहरे पर सूख जाए और उसे साफ न किया जाए, तो रोमछिद्र (Pores) बंद हो सकते हैं, जिससे पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है।

त्वचा की प्राकृतिक सुरक्षा पर असर

बारिश के पानी में मौजूद प्रदूषक त्वचा की बाहरी सुरक्षा परत को प्रभावित कर सकते हैं। इससे त्वचा रूखी, बेजान और संवेदनशील महसूस हो सकती है।

बारिश का पानी बालों पर कैसे असर डालता है?

बालों की नमी कम हो सकती है

बारिश का पानी बालों की प्राकृतिक नमी और तेल को प्रभावित कर सकता है। इसके कारण बाल ड्राई, फ्रिजी और बेजान दिखने लगते हैं।

हेयर फॉल की समस्या

गीले बाल सबसे कमजोर होते हैं। यदि बारिश में भीगने के बाद बालों को ठीक से साफ और सुखाया नहीं जाए, तो स्कैल्प पर गंदगी जमा हो सकती है, जिससे बाल टूटने और झड़ने की संभावना बढ़ जाती है।

डैंड्रफ और स्कैल्प इंफेक्शन

बारिश के बाद लंबे समय तक गीले बाल रखने से स्कैल्प में नमी बनी रहती है। इससे फंगस और बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो डैंड्रफ, खुजली और स्कैल्प इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं।

बाल उलझने और टूटने लगते हैं

बारिश के पानी में मौजूद प्रदूषक और नमी बालों की क्यूटिकल लेयर को प्रभावित कर सकते हैं। इससे बाल अधिक उलझते हैं और कंघी करने पर आसानी से टूट सकते हैं।

बारिश में भीगने के बाद क्या करें?

साफ पानी से बाल और चेहरा जरूर धोएं

माइल्ड शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें

स्किन को अच्छी तरह सुखाकर मॉइस्चराइजर लगाएं

गीले बालों में कंघी न करें

ज्यादा देर तक गीले कपड़े न पहनें

फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए शरीर को सूखा रखें

पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार लें

क्या सभी लोगों के लिए बारिश में भीगना नुकसानदायक है?

बारिश में थोड़ी देर भीगना हर व्यक्ति के लिए नुकसानदायक नहीं होता। हालांकि, जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील है, जिन्हें एक्जिमा, सोरायसिस, एलर्जी, बार-बार फंगल इंफेक्शन या अत्यधिक हेयर फॉल की समस्या रहती है, उन्हें बारिश में भीगने से बचना चाहिए। पहली बारिश में भीगने की बजाय कुछ दिनों बाद होने वाली साफ बारिश अपेक्षाकृत बेहतर मानी जाती है। यदि बारिश में भीगने के बाद त्वचा पर लगातार खुजली, रैशेज, फफोले, तेज बाल झड़ना या स्कैल्प में संक्रमण जैसी समस्या दिखाई दे, तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित रहेगा।

त्वचा में तेज खुजली से पड़ रहें हैं लाल गोल छल्ले, तो न करें इग्नोर

बारिश का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है लेकिन अपने साथ कई तरह की संक्रामक बीमारियां भी लेकर आता है। इस मौसम में उमस के कारण लोग त्वचा (स्किन) से जुड़ी समस्याओं से सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं। अगर आपकी त्वचा पर भी गोल-गोल लाल रंग के चकत्ते (निशान) पड़ रहे हैं और उनमें तेज खुजली व जलन हो रही है तो इसे मामूली मानकर नजरअंदाज करने की भूल बिल्कुल न करें। इसे 'दाद' या 'रिंगवर्म' भी कहा जाता है।

जानें क्या होता है टीनिया इन्फेक्शन?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक टीनिया त्वचा के ऊपरी हिस्से में पनपने वाला एक बेहद आम फंगल संक्रमणहै। इस संक्रमण के होने पर त्वचा पर लाल रंग का एक गोल घेरा (अंगूठी या रिंग जैसा छल्ला) बन जाता है। इस घेरे के किनारे थोड़े उभरे हुए और गहरे लाल होते हैं जबकि बीच की त्वचा बिल्कुल साफ या सूखी दिखाई देती है। इसमें मरीज को असहनीय खुजली होती है।

बता दें कि यह फंगस शरीर के जिस हिस्से पर हमला करता है मेडिकल भाषा में उसके नाम भी बदल जाते हैं। जब यह फंगस सिर की त्वचा पर होता है। इसकी वजह से सिर में पपड़ी जमने लगती है और प्रभावित जगह के बाल झड़ने लगते हैं। जब यह हाथ, पैर, पीठ या पेट जैसी शरीर की मुख्य त्वचा पर गोल छल्लों के रूप में फैलता है। यह मुख्य रूप से पैरों की उंगलियों के बीच के गैप में होता है, जो लंबे समय तक जूते पहनने या गीले रहने से गलता है। यह जांघों के जोड़ों या गुप्त अंगों के आसपास होता है जहां पसीना ज्यादा जमा होता है।

बारिश के मौसम में ही क्यों बढ़ता है इसका प्रकोप?

Fungus को जिंदा रहने और अपनी संख्या बढ़ाने के लिए दो चीजों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है वो है नमी और गर्मी। बारिश के दिनों में हवा में उमस का स्तर बहुत बढ़ जाता है। जब हमें पसीना आता है या हम बारिश के पानी में भीग जाते हैं तो शरीर के जोड़ और उंगलियों के बीच के हिस्से लंबे समय तक गीले रह जाते हैं। कपड़ों की रगड़ और हवा न लगने के कारण यह नमी फंगस के लिए एकदम अनुकूल माहौल तैयार करती है जिससे टीनिया तेजी से फैलने लगता है।

बहुत तेजी से फैलता है यह संक्रमण

टीनिया एक अत्यधिक संक्रामक बीमारी है जो एक इंसान से दूसरे इंसान में बहुत आसानी से पहुंच सकती है। किसी संक्रमित व्यक्ति की त्वचा या उसके दाद वाले हिस्से को सीधे छूने से। पीड़ित व्यक्ति का तौलिया, कपड़े, कंघी, चादर या बिस्तर इस्तेमाल करने से। यदि घर में मौजूद पालतू कुत्ते या बिल्ली को यह फंगल इन्फेक्शन है तो उन्हें सहलाने या उनके संपर्क में आने से भी यह इंसानों में फैल जाता है।

कैसे रखें खुद को सुरक्षित?

- नहाने या पसीना आने के बाद शरीर को तौलिये से अच्छी तरह सुखाएं। उंगलियों के बीच और जोड़ों पर खास ध्यान दें। - सिंथेटिक कपड़ों से बचें क्योंकि वे पसीना नहीं सोखते। ढीले और सूती कपड़े पहनें ताकि त्वचा को हवा मिलती रहे।

- अपने तौलिये, कपड़े, अंदरूनी वस्त्र और कंघी को परिवार के अन्य सदस्यों से पूरी तरह अलग रखें और शेयर करने से बचें। - लक्षण दिखने पर खुद डॉक्टर न बनें। बिना डॉक्टरी पर्चे के कोई भी स्टेरॉयड वाली क्रीम न लगाएं बल्कि त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलकर सही एंटीफंगल क्रीम या दवा का कोर्स पूरा करें।

पीठ दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र 44 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।
– कमलनयन शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 57 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।
- देवीदास, करीमनगर

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे- खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 33 वर्ष है ।शौच काले रंग का होने लगा है । इसका क्या कारण हो सकता है ? बताएं!
- पी वसंत रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : शौच यानी पाखाने का रंग काले होने के कई कारण हो सकते हैं । यदि आप लौह तत्व के योग ले रहे हो , खून को बढ़ाने वाली औषध का सेवन कर रहे हो, या हरी सब्जियां अधिक मात्रा में ले रहे हो, तब भी ऐसा हो सकता है। कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे एसप्रिन , एनाल्जेसिक्स या कारटिकोर्स्टेरॉइड्स की दवाएं लेने से भी मल काला आता है। कारण - इन दवाओं के सेवन से पेट में थोड़ा बहुत रक्त स्राव होता है, जिसके कारण उसका रंग काले में बदलता है । यदि पेट में आमाशय व्रण हो या आंत में व्रण हो यानी अल्सर हो, तब भी शौच का रंग बदलता है। अतः इसके लिए विस्तृत जांच की आवश्यकता है । मल परीक्षा, एंडोस्कोपी ,कोलोनोस्कोपी आदि की मदद से सही निदान को जाना जा सकता है। निदान निश्चित होने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। प्रारंभिक चिकित्सा के लिए ऊंझा सूतशेखर रस, ऊंझा कामदुधा रस के संग ऊंझा शोणितागर्ल रस देने से और भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव देने से आराम मिलता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

बर्फ वाली बोतल को पैरों के नीचे रोल करना कहा तक सही

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक नया हेल्थ ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग पानी की बोतल में बर्फ जमाकर उसे पैरों के तलवों के नीचे रोल करते नजर आते हैं। कई लोग दावा करते हैं कि इससे पैरों का दर्द कम होता है, शरीर को आराम मिलता है और थकान दूर होती है।

कुछ लोग इसे प्लांटर फैसाइटिस (एड़ी और तलवे के दर्द) से राहत पाने का आसान घरेलू उपाय भी बताते हैं। हालांकि, हर वायरल हेल्थ ट्रेंड वैज्ञानिक रूप से सही हो, यह जरूरी नहीं है। बर्फ से सिकाई कुछ स्थितियों में फायदेमंद हो सकती है, लेकिन इसका गलत तरीके से या जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए किसी भी घरेलू उपाय को अपनाने से पहले उसके फायदे, सीमाएं और सावधानियों को समझना जरूरी है।

आइए जानते हैं कि बर्फ वाली बोतल को तलवों के नीचे घुमाने से क्या फायदे मिल सकते हैं, किन लोगों को इससे बचना चाहिए और इसे सही तरीके से कैसे करें।

1. पैरों के दर्द से अस्थायी राहत मिल सकती है

बर्फ से की जाने वाली कोल्ड थेरेपी सूजन और दर्द को कुछ समय के लिए कम करने में मदद कर सकती है। अगर लंबे समय तक खड़े रहने, चलने या व्यायाम के कारण तलवों में दर्द हो रहा है, तो बर्फ वाली बोतल को धीरे-धीरे रोल करने से आराम मिल सकता है।

2. प्लांटर फैसाइटिस में राहत मिल सकती है

प्लांटर फैसाइटिस एक ऐसी समस्या है जिसमें एड़ी और तलवे में तेज दर्द महसूस होता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर अक्सर स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के साथ सीमित समय के लिए कोल्ड थेरेपी की सलाह दे सकते हैं। बर्फ वाली बोतल को रोल करना इसी थेरेपी का एक आसान तरीका माना जाता है।

3. सूजन कम करने में मदद

अगर पैरों में हल्की सूजन या अधिक चलने के कारण असहजता महसूस हो रही है, तो ठंडक रक्त वाहिकाओं को अस्थायी रूप से संकुचित कर सूजन कम करने में मदद कर सकती है।

4. मांसपेशियों को आराम

दिनभर की भागदौड़ के बाद तलवों की मांसपेशियों में तनाव महसूस हो सकता है। ठंडी बोतल को धीरे-धीरे रोल करने से कुछ लोगों को आराम और ताजगी महसूस होती है।

क्या इसके कोई नुकसान भी हैं?

1. ज्यादा देर तक बर्फ लगाने से त्वचा को नुकसान

बर्फ को लंबे समय तक सीधे त्वचा पर लगाने से त्वचा सुन्न हो सकती है और ठंड से नुकसान का खतरा बढ़ सकता है।

2. सभी लोगों के लिए सही नहीं

जिन लोगों को डायबिटीज, नसों से जुड़ी बीमारी, खराब ब्लड सर्कुलेशन या ठंड से एलर्जी की समस्या है, उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के यह तरीका नहीं अपनाना चाहिए।

3. गंभीर दर्द का इलाज नहीं

अगर तलवों का दर्द लगातार बना रहता है, सूजन बढ़ रही है या चलने में परेशानी हो रही है, तो केवल बर्फ से राहत पाने की कोशिश करने के बजाय डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

सही तरीके से कैसे करें?

प्लास्टिक की बोतल में पानी भरकर फ्रीजर में जमा लें।

बोतल को फर्श पर रखें और तलवे के नीचे धीरे-धीरे आगे-पीछे रोल करें।

एक बार में 10–15 मिनट से अधिक न करें।

दिन में 2–3 बार जरूरत के अनुसार किया जा सकता है।

अगर तेज दर्द, सुन्नपन या त्वचा का रंग बदलने लगे, तो तुरंत रोक दें।

किन लोगों को यह तरीका नहीं अपनाना चाहिए?

डायबिटीज के मरीज (यदि पैरों की संवेदना कम हो) खराब ब्लड सर्कुलेशन वाले लोग

ठंड से एलर्जी वाले लोग

खुले घाव या त्वचा के संक्रमण वाले लोग

डॉक्टर की सलाह के बिना गंभीर एड़ी के दर्द से पीड़ित मरीज

कच्चे तेल की कीमतों ने बढ़ाई भारत की चिंता, 61% बढ़ गया ऑयल इंपोर्ट बिल!

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में भारत के अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ जिस विभाग ने कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था और जांच शुरू की थी अब उसी विभाग के निशाने पर चीन आ गया है। अदाणी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को तो वापस लेने के लिए विभाग ने कोर्ट में अर्जी डाल दी है। और अपना जवाब भी दे दिया है। लेकिन अब चीन के खिलाफ फंडिंग से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। आइए पूरी खबर जानते हैं।

अमेरिका के इस विभाग ने चीन के खिलाफ खोला मोर्चा

अमेरिका के जिस विभाग ने अदाणी के खिलाफ नवंबर 2024 में कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था उस विभाग का नाम है न्याय विभाग। अब इसी विभाग ने चीन से जुड़े एक मामले को लेकर जांच शुरू कर दी है। खबर है कि अमेरिकी न्याय विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या हार्वर्ड विश्वविद्यालय चीनी दानदाताओं को अमेरिकी छात्रों को छोड़कर छात्रवृत्ति बनाने की इजाजत दे रहा है। इस मामले में ट्रंप प्रशासन ने आइवी लीग स्कूल के खिलाफ अपनी लड़ाई में संघीय जांच शुरू कर दी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार न्याय विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को नई समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा कि हार्वर्ड के विदेशी फंडिंग खुलासे ने अमेरिकी छात्रों के खिलाफ संभावित भेदभाव के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि कौन से छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को टारगेट किया जा रहा है और इस बात पर जोर दिया कि किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय को चीन से मिली 630 मिलियन डॉलर

हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत कई अमेरिकी विश्वविद्यालयों को विदेशों से फंडिंग मिलती है। यह फंडिंग दान या फिर कॉन्ट्रैक्ट के जरिए ली जाती है। अब इसी फंडिंग के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और तावनी दी है कि विदेशी दुश्मनों से फंडिंग लेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। हार्वर्ड की फेडरल रिपोर्ट से पता चलता है कि विश्वविद्यालय ने कई दशकों में चीनी स्रोतों से 630 मिलियन डॉलर लिए हैं। कुल मिलाकर, उसने लगभग 4.5 बिलियन डॉलर की विदेशी फ़ंडिंग की जानकारी दी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने इन आंकड़ों का जिक्र तो किया, लेकिन किसी खास डोनर या प्रोग्राम का नाम नहीं लिया जिनकी समीक्षा की जा रही है।

शेयर बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 238 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,200 से नीचे

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 238.41 अंक या 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,470.11 और निफ्टी 50.80 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,187.70 पर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस के शेयरों में दो फीसदी तक की गिरावट देखी गई। क्षेत्रीय रूप से, निफ्टी सूचना प्रौद्योगिकी और निफ्टी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सूचकांकों में लगभग एक फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। समग्र बाजार की स्थिति थोड़ी सकारात्मक रही। एनएसई पर 1,805 शेयरों में बढ़त और 1,503 शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा, 127 शेयर अपरिवर्तित रहे। बाजार पर दबाव बनाने का दाम सरकारी बैंकिंग शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61 प्रतिशत), निफ्टी ऑयलएंडगैस (0.50 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.38 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.31 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.04 प्रतिशत) कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज बाजार में क्या रहा खास?

आज के कारोबार में निफ्टी सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सूचकांकों में लगभग एक फीसदी की गिरावट आई। इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी और ऑटो सूचकांकों ने एक फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बाजार को सहारा दिया। बाजार की चौड़ाई थोड़ी सकारात्मक रही। एनएसई पर बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक थी। कुल 1,805 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी रियल्टी (1.07 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.93 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (0.63 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.35 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (0.34 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एमएंडएम, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, बीईएल, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एनटीपीसी, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, आईटीसी और इटरनल लूजर्स थे।

अदाणी टोटल गैस के तिमाही नतीजे कैसे रहे?

अदाणी टोटल गैस ने पहली तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 14 फीसदी की सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की। कंपनी का शुद्ध लाभ 142 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 165 करोड़ रुपये था। हालांकि, परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़कर 1,907 करोड़ रुपये हो गया। शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर लार्जकैप शेयरों में बिकवाली दिखी, हालांकि, व्यापक बाजार में खरीदारी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,428.05 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62,987.60 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, मजबूत कॉरपोरेट आय की उम्मीद और मांग-आधारित कारोबारी अपडेट के समर्थन से मिडकैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, लार्जकैप शेयरों की तुलना में इस सेगमेंट के ऊंचे वैल्यूएशन के चलते निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बाजार में गिरावट की प्रमुख वजह लार्जकैप शेयरों का कमजोर प्रदर्शन है, जिस पर बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और निवेश प्रवाह में नरमी का असर दिखाई दे रहा है।

टाटा ट्रस्ट में बड़ा बदलाव! अगस्त में कार्यकाल खत्म होने के बाद सर रतन टाटा ट्रस्ट छोड़ेंगे विजय सिंह

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन विजय सिंह 14 अगस्त को सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी का पद छोड़ देंगे। उस दिन उनका मौजूदा कार्यकाल खत्म हो रहा है। वह लंबे समय से ट्रस्ट के साथ जुड़े हुए थे। यह खबर ऐसे समय पर आई है, जब जब ट्रस्ट आंतरिक मतभेदों और रेगुलेटरी जांच का सामना कर रहे हैं।

78 साल के विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने अगला कार्यकाल न लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि रतन टाटा के निधन के बाद ट्रस्ट में बदले माहौल ने चिंता पैदा की है और भविष्य को लेकर संदेह खड़ा किया है। मैं अपनी मौजूदा उम्र के बाद एसआरटीटी में बने नहीं रहना चाहता और मौजूदा कार्यकाल के बाद किसी अन्य ट्रस्ट में भी दोबारा नियुक्ति नहीं चाहूंगा। हालांकि, सिंह एक और साल तक सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी बने रहेंगे। उनका यह फैसला कई ऐसी घटनाओं के बाद आया है जिनसे टाटा ट्रस्ट्स के भीतर मतभेद सामने आए हैं। टाटा ट्रस्ट्स, होल्डिंग कंपनी टाटा संस की 66 फीसदी मालिक है। मई में, सिंह और साथी वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने उनकी दोबारा नियुक्ति का विरोध किया था। मिस्त्री ने 'बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन' के ट्रस्टी के तौर पर सिंह और श्रीनिवासन की योग्यता को चुनौती दी थी। उन्होंने तर्क दिया था कि वे 1923 के ट्रस्ट डीड की शर्तों को पूरा नहीं करते, जिसके अनुसार ट्रस्टी का पारसी जोरोस्ट्रियन होना और मुंबई का स्थाई निवासी होना जरूरी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के पक्ष में सिंह की पिछली सार्वजनिक टिप्पणियों के कारण, एसआरटीटी में अगले कार्यकाल के लिए उन्हें साथी ट्रस्टियों से सर्वसम्मत समर्थन मिलने की संभावना भी कम थी।उनका यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सर रतन टाटा ट्रस्ट बोर्ड की बैठकें नहीं कर पा रहा है। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने स्थाइ ट्रस्टियों की नियुक्ति और अन्य संबंधित मुद्दों पर शिकायत पर फैसला होने तक ट्रस्ट को बैठकें करने से रोक दिया है।

एथेनॉल और कच्चा तेल खरीदने के लिए कितना पैसा खर्च करती है सरकार? संसद में बताया प्रति लीटर का हिसाब

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जिसमें देश-दुनिया से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हो रही है. ऐसे में संसद सत्र में एथेनॉल और पेट्रोल को लेकर बात होना तो तय ही था. ई20 को लेकर चल रहे तमाम विरोध के बीच सरकार ने कुछ आंकड़े संसद के इस सत्र में जारी किए हैं, जिनमें बताया गया है सरकार एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल और क्रूड ऑइल मिक्स पेट्रोल पर कितना खर्च करती है.

सरकार ने बताए आंकड़े

दरअसल पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने संसद के इ सत्र में पेट्रोल और ई20 को लेकर सारे सवालों के जवाब दिए हैं. इस दौरान उन्होंने बताया है कि सरकार प्रति लीटर के हिसाब से कच्चे पर कितना खर्च करती है और ई20 पर कितना खर्च किया जा रहा है.

मंत्री सुरेश गोपी ने संसद सत्र के दौरान बताया कि, तेल कंपनियों ने अप्रैल 2025 से जून 2026 तक 49,577.36 करोड़ में 705.43 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीदा, जिससे ई20 के लिए एथेनॉल खरीद का मूल्य 70.27 रुपये प्रतिलीटर हो गया.

तो वहीं जुलाई में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत 74.8 डॉलर प्रतिबैरल है. इसका मतलब है कि सरकार पेट्रोल उत्पादन के लिए कच्चा तेल 45.31 रुपये प्रतिलीटर का भुगतान करती है.

20 प्रतिशत ही मिलाया जाएगा एथेनॉल

इसके अलवाा सरकार ने इस संद सत्र में ये भी साफ कर दिया है कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल में केवल 20 प्रतिशत की एथेनॉल मिक्स किया जाएगा. इससे ज्यादा मात्रा पर सरकार की तरफ से फिलहाल कोई सोच- विचार नहीं चल रहा है. वहीं सरकारी की तरफ से ये भी बताया गया है कि एथेनॉल मकोई नया फ्यूल नहीं है बल्कि इसका इस्तेमाल देश में साल 2001 से होता आ रहा है. साल 2001 में इसे ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल किया गया, जो एक टेस्टिंग प्रक्रिया का हिस्सा भी रहा. वहीं साल 2013-14 में पेट्रोल में इसका प्रतिशत बढ़ाया गया. वहीं अब साल 2025-26 में इसे 20 प्रतिशत तक मिलाया जा रहा है और साथ ही साथ इसे आम जनता की गाड़ियों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

चांदी 4,700 उछली, सोना भी 1,600 महंगा हुआ

सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज लगातार दूसरे दिन तेजी आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत में करीब 1,600 रुपये की तेजी आई है जबकि चांदी 4,700 रुपये उछली है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू होने के संकेत मिले हैं लेकिन निवेशकों सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसकी वजह यह है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की समुद्री नाकेबंदी करने की धमकी दी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आने की चिंता बढ़ गई है। एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी के लिए चांदी वायदा 4,706 बढ़कर 2,23,106 प्रति किलोग्राम हो गया। पिछले सत्र में यह 2,18,400 रुपये पर बंद हुई थी और आज 2,19,200 रुपये पर खुली। इसी तरह अगस्त 2026 डिलीवरी के लिए सोना वायदा 1,641 बढ़कर 1,43,029 प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में यह 1,41,388 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,42,386 रुपये पर खुला।

सर्राफा कीमतों में भी तेजी

सर्राफा मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 760 रुपये की तेजी के साथ 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाले सोने की कीमत में 700 रुपये की तेजी आई है और यह 1,32,200 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 18 कैरेट वाला सोना 570 रुपये ऊपर 1,08,160 रुपये पर पहुंच गया। चांदी 2,35,000 रुपये पर फ्लैट ट्रेड कर रही है।

सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

इंटरनेशनल मार्केट में स्पॉट गोल्ड 0.5% बढ़कर $4,023.56 प्रति औंस हो गया जबकि अगस्त डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.3% बढ़कर $4,028 हो गया। स्पॉट सिल्वर भी 0.9% बढ़कर $56.93 प्रति औंस पर पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि एमसीएक्स पर सोने के लिए सपोर्ट 1,40,850-1,40,400 रुपये और रेजिस्टेंस 1,42,000-1,43,650 है। इसी तरह चांदी के लिए सपोर्ट 2,16,000-2,14,400 रुपये और रेजिस्टेंस 2,20,000-2,23,100 रुपये है।

बदलेगा महंगाई मापने का तरीका: थोक मूल्य सूचकांक की जगह आएगा उत्पादक मूल्य सूचकांक

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था में महंगाई के आकलन को अधिक पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए सरकार ने एक बड़ा नीतिगत कदम उठाया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 15 जून को देश का पहला उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) डेटा जारी करने के साथ ही थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सरकार ने इस बड़े बदलाव के लिए पांच साल का ट्रांजिशन पीरियड तय किया है। दो दशकों से अधिक की तैयारी के बाद उठाए गए इस कदम से देश के नीतिगत फैसलों, औद्योगिक आंकड़ों और कॉर्पोरेट जगत के कमर्शियल अनुबंधों पर गहरा असर पड़ेगा। डब्ल्यूपीआई थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में बदलाव को मापता है, जबकि पीपीआई फैक्ट्री गेट पर उत्पादकों द्वारा प्राप्त कीमतों को दर्शाता है, जिसमें थोक मार्जिन और टैक्स शामिल नहीं होते। इसे बिस्किट के उदाहरण से समझते हैं। फैक्ट्री से निकलते समय उत्पादक को मिलने वाली कीमत पीपीआई है, थोक बाजार में प्रवेश करने पर इसकी कीमत डब्ल्यूपीआई है और खुदरा दुकान पर उपभोक्ता जो भुगतान करता है वह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) है। भारत में लंबे समय से महंगाई मापने के लिए डब्ल्यूपीआई और सीपीआई का उपयोग हो रहा था, लेकिन इसमें फैक्ट्री गेट पर उत्पादक को मिलने वाली वास्तविक कीमतों के बारे में इससे जानकारी नहीं मिलती थी। इसके अलावा, डब्ल्यूपीआई के ढांचे से सेवा क्षेत्र बाहर है, जो अर्थव्यवस्था में 50% से अधिक का योगदान देता है। पीपीआई इस कमी को दूर करेगा और भारत को अमेरिका, चीन और जापान जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समकक्ष लाएगा, जो आईएमएफ की सिफारिशों के अनुकूल है।साथ ही, डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष भी 2011-12 से बदलकर 2022-23 किया गया है और इसकी बास्केट को 697 से बढ़ाकर 957 आइटमकर दिया गया है।

तेल की कीमत और कमजोर मानसून भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का कहना है कि तेल की कीमतें और कमजोर मॉनसून भारत की जीपीडी ग्रोथ के लिए दो सबसे बड़े खतरे हैं। आईएमएफ के एक अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ के लिए मिडिल ईस्ट में बढ़ते टेंशन और अल-नीनो के असर से कमजोर हुए मॉनसून से बड़े जोखिम हैं। युद्ध से तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अपनी तेल की जरूरतों का लगभग 80% भारत आयात से पूरा करता है।इससे यह एनर्जी शॉक के प्रति संवेदनशील हो जाता है। इससे ग्रोथ पर बुरा असर पड़ सकता है। साथ ही इससे महंगाई बढ़ने का डर है। आईएमएफ ने इस महीने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 10 बेसिस पॉइंट घटाकर 6.4% कर दिया। वहीं, 2027-28 के लिए अनुमान 20 बेसिस पॉइंट बढ़ाया। इसे बढ़ाकर 6.7% किया गया। भारत और भूटान के लिए आईएमएफ के सीनियर रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव अनिल साल्गाडो ने सोमवार को रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में कहा, 'इसके दो मुख्य जोखिम हो सकते हैं।'उनके मुताबिक, 'एक तो यह कि युद्ध फिर से फैलने लगा है। इसका असर तेल की कीमतों पर पड़ता है।'पिछले हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट की आशंका के कारण ग्लोबल क्रूड ऑयल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर थीं।

आर्मेनिया–सऊदी अरब भारत से खरीदेंगे अस्त्र मिसाइल

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के बाद आर्मेनिया और सऊदी अरब ने भी भारत की दुश्मन की नजर से बचने में सक्षम स्वदेशी अस्त्र मिसाइल में दिलचस्पी दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इंडोनेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के साथ-साथ हवा से हवा में वार करने वाली स्वदेशी अस्त्र मिसाइल पर भी सहमति बनी थी।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान की यात्रा के दौरान क्या हुआ?

सूत्रों के मुताबिक इंडोनेशिया के बाद अब आर्मेनिया और सऊदी अरब भी भारत के साथ अस्त्र पर बातचीत कर रहे हैं। आने वाले दिनों में कुछ और देश भी इसमें दिलचस्पी दिखा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक इस साल फरवरी में तत्कालीन सीडीएस जनरल अनिल चौहान की आर्मेनिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच इस पर चर्चा हुई थी। अब आर्मेनिया अस्त्र मिसाइल खरीदने की रेस में सबसे आगे चल रहा है। आर्मेनियाई वायुसेना के बेड़े में सुखोई-30 विमान भी हैं।

किन क्षेत्रों में सहयोग करेंगे दोनों देश?

भारत अपने सुखोई-30 के साथ अस्त्र मिसाइल का एकीकरण कर चुका है, इसलिए आर्मेनिया के लिए यह तकनीकी रूप से सबसे मुफीद सौदा साबित हो सकता है। आर्मेनिया अपने सुखोई-30 बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए भारत के अनुभव का लाभ उठाने का इच्छुक है। दोनों देश निगरानी प्रणालियों, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, सामरिक संचार और प्रशिक्षण में सहयोग की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं।

जैमिंग-रोधी तकनीक ने खींचा सऊदी अरब का ध्यान

सऊदी अरब की वायुसेना में अमेरिकी और ब्रिटिश लड़ाकू विमान हैं, लेकिन अस्त्र मिसाइल की किफायती लागत और बेहतरीन जैमिंग-रोधी तकनीक ने रियाद का ध्यान खींचा है। सऊदी अरब अपने रक्षा आयात में विविधता लाना चाहता है। यदि अस्त्र का एकीकरण सऊदी अरब के एफ-15 और यूरोफाइटर टाइफून जैसे लड़ाकू विमानों पर होता है, तो यह भारतीय रक्षा उद्योग के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। पश्चिमी प्लेटफॉर्मों पर भारतीय मिसाइलों के एकीकरण का रास्ता खोल सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क---- 05-32	बजे
चंद्र	तुला	मे	सिंह---- 07-45	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या--- 09-52	बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----- 11-57	बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--- 14-06	बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु---- 16-20	बजे
शनि	मीन	मे	मकर--- 18-26	बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ--- 20-17	बजे
केतु	सिंह	मे	मीन--- 21-56	बजे
			मेष---- 23-32	बजे
			वृष----- 01-16	बजे
			मिथुन-- 03-20	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-53
सूर्यास्त. 18 -50
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष बुधवार 22 July 2026
तिथि - नवमीं दिन-रात अहोरात्र तक
नक्षत्र - स्वाति 23-03 तक उप विशाखा
योग - साध्य 18-41 तक उप शुभ
करण - बालव 18-06 तक उप कौलव
विशेषः भडली नवमी
तुला राशि के अष्टम शनि

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-23 से 13-59 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05-53 - 07-31	शुभ	उत्पात	18-50 - 20-14	अशुभ
अमृत	07-31 - 09-08	शुभ	शुभ.	20-14 - 21-37	शुभ
काल	09-08 - 10-45	अशुभ	अमृत	21-37 - 22-59	शुभ
शुभ	10-45 - 12-23	शुभ	चंचल	22-59 - 00-23	शुभ
रोग	12-23 - 13-59	अशुभ	रोग	00-23 - 01-46	अशुभ
उत्पात	13-59 - 15-37	अशुभ	काल	01-46 - 03-08	अशुभ
चंचल	15-37 - 17-14	शुभ	लाभ	03-08 - 04-31	शुभ
लाभ	17-14 - 18-50	शुभ	उत्पात	04-31 - 05-53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है ।आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी ।अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है ।अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

यमुना जल से फ्लोराइड युक्त पानी से मिलेगी राहत

सीएम भजनलाल बोले- अभावों से लड़कर बनाई पहचान

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौते को साकार करने पर शेखावाटी फाउंडेशन की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नागरिक अभिनंदन किया गया। बिड़ला सभागार में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में शेखावाटी क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, उद्यमियों, शिक्षाविदों, किसानों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि धर्म, अध्यात्म, संत परंपरा और वीरता की पहचान है। यहां के साधु-संत और आध्यात्मिक चेतना व नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देते रहे हैं। सबसे ज्यादा गर्मी और सर्दी शेखावटी में ही पड़ती है। यहां से कुछ प्रवासी व्यापार के लिए गए तो कुछ अभावों में बाहर गए।

उन्होंने कहा, शेखावाटी ने अभावों से लड़कर देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने माथे पर कलश रखा। प्रतीकात्मक रूप में यमुना का पानी शेखावाटी के कलश में डाला गया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा, अब शेखावाटी

को फ्लोराइड युक्त पानी से निजात मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला भी बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार केंद्र, हरियाणा और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें रहीं, तब भी शेखावाटी को यमुना का पानी दिलाने की कोई पहल नहीं हुई। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने उनकी पार्टी की सरकार बनने पर राजस्थान के साथ हुए यमुना जल समझौते को रद्द करने की बात कही। राजस्थान के कांग्रेस नेता वहां उसका समर्थन करते नजर आए।

फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वर्षों से लंबित यमुना जल समझौते को नई दिशा और गति मिली है। यह निर्णय शेखावाटी क्षेत्र के लाखों लोगों की आशाओं से जुड़ा है और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य का आधार बनेगा। राष्ट्रीय महामंत्री गजानंद शर्मा और कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय हरि शर्मा ने कहा कि यमुना जल उपलब्ध होने से शेखावाटी क्षेत्र की तस्वीर-तकदीर बदलेगी। पेयजल-सिंचाई की सुविधाओं में विस्तार होने के साथ कृषि, उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा, यमुना का जल पाइप लाइन से मिलने के कारण किसानों की भूमि अधिग्रहित करनी नहीं करनी पड़ेगी। केवल पाइपलाइन डालने के समय एक या दो फसलों का मुआवजा ही किसानों को देना पड़ेगा। कार्य हो जाने के बाद किसान फिर से भूमि का उपयोग कर सकेंगे। विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, प्रकाश अग्रवाल, डॉ. एसपी यादव सहित अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

'लाठियों से सच को दबाया नहीं जा सकता'

जंतर-मंतर में लाठीचार्ज पर भड़के अशोक गहलोत, बोले- कुचली जा रही आवाज

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर हुए कथित लाठीचार्ज को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया।

अशोक गहलोत ने कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार तानाशाही की राह पर चल रही है और उसे यह समझ लेना चाहिए कि लाठियों के बल पर न तो सच को दबाया जा सकता है और न ही न्याय की मांग

करने वाली आवाज़ों को हमेशा के लिए शांत किया जा सकता है।

गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में युवाओं की नाराजगी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उनके अनुसार, एक समय बड़ी संख्या में युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी के प्रचार और वादों पर भरोसा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में मतदान किया था, लेकिन अब वही युवा अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज़ को दबाने का प्रयास कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे युवाओं की आवाज़ को बलपूर्वक कुचलना लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और सरकार का दायित्व है कि वह संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकाले, न कि बल प्रयोग का सहारा ले। गहलोत ने अपने संदेश में संविधान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान और पंडित जवाहरलाल नेहरू के लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर चलता है। उन्होंने कहा कि देश को लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप ही संचालित किया जाना चाहिए, न कि तानाशाही तरीके से।

एलडीसी पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई

मुख्य आरोपी शिक्षक पदम सिंह सस्पेंड, 2 इनविजिलेटर भी निलंबित

जैसलमेर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर के स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में आयोजित एलडीसी भर्ती परीक्षा में हुई धांधली और नकल के मामले में शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की प्राथमिक रिपोर्ट और मुख्य आरोपी शिक्षक के न्यायिक अभिरक्षा में जाने के बाद जोधपुर के संयुक्त शिक्षा निदेशक ने आरोपी शिक्षक पदम सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान कमरा नंबर 10 में ड्यूटी पर तैनात दो वीक्षकों (इनविजिलेटर) भीम सिंह और जालम सिंह पर भी गाज गिरी है, उन्हें भी सस्पेंड कर दिया गया है।

बता दें कि निलंबन काल के दौरान सस्पेंड किए गए आरोपी

शिक्षक पदम सिंह का मुख्यालय ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय, पोकरण तय किया गया है। हालांकि, इस पूरे मामले में एक बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि नामजद आरोपी और स्कूल के प्रिंसिपल (केंद्राधीक्षक) पर अब तक निलंबन की कार्रवाई क्यों नहीं हुई है। इसके साथ ही प्रिंसिपल समेत तीन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे हैं।

मामले में नामजद केंद्राधीक्षक उम्मेद सिंह के निलंबन को लेकर जब विभागीय अधिकारियों से सवाल किया गया, तो नियमों की स्थिति साफ हुई। जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) महेश बिस्सा के अनुसार, शिक्षा विभाग के नियमों के तहत किसी प्रधानाचार्य को सस्पेंड करने का अधिकार संयुक्त निदेशक के पास नहीं होता।

प्रिंसिपल स्तर के अधिकारी को निलंबित करने का अधिकार केवल माध्यमिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर के पास सुरक्षित है। इसीलिए प्रिंसिपल के निलंबन से जुड़ी फाइल बीकानेर भेजी गई है और उनके खिलाफ निलंबन का आदेश वहीं से जारी किया जाएगा।

रिमझिम बारिश का दौर जारी, मौसम विभाग का 3 दिन के लिए 'येलो अलर्ट'

अलवर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों की तरह अलवर में भी पिछले कुछ दिनों से लोग धूप और उमस से बेहाल थे। लेकिन मौसम ने करवट ली और मानसून फिर से मेहरबान हो गया। अलवर में शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक झमाझम तो नहीं, लेकिन राहत देने वाली बूंदाबांदी का सिलसिला शुरू हो गया।

जिलेवासियों के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। सुबह से ही आसमान में काले बादल डेरा डाले हुए हैं और रिमझिम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। इस कारण से तापमान में काफी गिरावट आई है। लोगों को पंखों और कूलर-एसी से निजात मिली है।

अलवर वासियों के लिए राहत की बात यह है कि यह बारिश सिर्फ एक दिन के लिए नहीं आई है। मौसम विभाग के अनुसार, अलवर जिले में मानसून की गतिविधियां अगले तीन दिनों तक इसी तरह बनी रहने की संभावना है। विभाग ने इसे देखते हुए जिले में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इसका मतलब है कि अगले 72 घंटों के दौरान जिले में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। इस दौरान गरज-चमक की भी आशंका जताई गई है। ऐसे में तापमान और गिरने की उम्मीद है। बारिश ने शहर की सड़कों का नजारा भी बदल दिया। लोग दफ्तर या काम पर जाने के लिए छातों और रेनकोट का सहारा लेते नजर आए। कई जगहों पर हल्की बारिश के बावजूद सड़कों पर पानी भर गया, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को थोड़ी परेशानी जरूर हुई, लेकिन गर्मी से मिली राहत के आगे यह परेशानी नगण्य थी। बच्चे भी इस सुहाने मौसम में मस्ती करते हुए नजर आए।

रामगढ़ बांध के पुनर्जीवन को लेकर हाईकोर्ट ने अफसरों को दिया अल्टीमेटम, कल हाजिर होने के निर्देश

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के रामगढ़ बांध के पुनर्जीवन को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार को गंभीरता से काम करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार में इच्छाशक्ति हो तो रामगढ़ बांध को दोबारा जिंदा किया जा सकता है। इस मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश भुवन गोयल की खंडपीठ ने की। बेंच ने बांध को पुनर्जीवित करने के प्लान के साथ जलसंसाधन, सिंचाई व राजस्व विभाग के सचिव और जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी 23 जुलाई को व्यक्तिशः या वीसी के माध्यम से हाजिर होने का आदेश दिया।

न्यायमित्र अभिनव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि मौके पर कुछ नहीं हुआ। प्राकृतिक प्रवाह समाप्त हो गया है। कैचमेंट की टोपोग्राफी देखी

जानी चाहिए। कोर्ट ने रामगढ़ बांध को जीवित करने के प्रति गंभीरता दिखाते हुए कहा कि अतिक्रमण, अवैध आवंटन हो गए हैं, ट्रेंच बनी है, लोगों ने पक्की दीवार बना ली है। वहीं, स्थानीय नागरिकों की ओर से अधिवक्ता करण राठौड़ ने पक्षकार बनने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया है। राठौड़ की ओर से अधिवक्ता अंशुमन सक्सेना ने कहा कि उनकी ओर से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और रामगढ़ को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उन्होंने भी कोर्ट को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

रामगढ़ बांध को बचाने के लिए विधानसभा में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की ओर से दिए गए आश्वासनों, घोषणाओं का सच भी सामने आ रहा है। हाल ये रहा कि मंत्री के आश्वासन और समितियों के गठन में ही रामगढ़ बांध जिंदा होता रहा। मंत्री ने विभागीय समिति से बीते जेडीए, राजस्व विभाग की ओर से होटल, रिसोर्ट्स, खेती व अन्य कार्यों के लिए जारी किए गए अनापत्ति प्रमाण पत्रों की जांच करने का भी आश्वासन दिया। लेकिन अब भी स्थिति ऐसी है कि जेडीए व राजस्व विभाग ने बीते पांच सालों में कितने निर्माण और खेती के लिए एनओसी जारी की इसकी जांच पर अब भी पर्दा पड़ा हुआ है।

जोजरी नदी में जहर! पानी न पीने लायक और न सिंचाई के योग्य, जेएनवीयू की स्टडी में खुलासा

जोधपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जोजरी नदी में वर्षों से प्रदूषण को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब वैज्ञानिक अध्ययन ने इस संकट की गंभीरता को प्रमाणित कर दिया है। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग तथा अन्य विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं के संयुक्त अध्ययन में सामने आया है कि जोजरी नदी का पानी न केवल पीने योग्य रहा, बल्कि सिंचाई के लिए भी असुरक्षित श्रेणी में पहुंच चुका है।

जोजरी नदी के 6 स्थानों से हर सप्ताह लिए गए पानी के नमूनों की जांच में अधिकांश भौतिक एवं रासायनिक मानक भारतीय मानक ब्यूरो और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की निर्धारित सीमा से कहीं अधिक मिले। अध्ययन में वॉटर क्वालिटी इंडेक्स अत्यधिक खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि कैडमियम, लेड, क्रोमियम, निकल, जिंक और कॉपर जैसी भारी धातुओं की मौजूदगी ने मानव स्वास्थ्य और कृषि पर संभावित खतरे की चेतावनी दी है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि स्टील और टैक्सटाइल उद्योगों से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट इस स्थिति के प्रमुख कारण है। उनका मानना है कि यदि प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण और जल शोधन के उपाय तुरंत नहीं किए गए तो जोजरी नदी से जुड़े गांवों की खेती, भूजल, पशुधन और जैव विविधता पर इसका असर और गंभीर हो सकता है।

जोजरी नदी के छह स्थानों से हर सप्ताह पानी के नमूने एकत्र कर जांच की गई। पीएच, टीडीएस, ईसी, क्लोराइड, अल्केलिनिटी, डाइऑक्साइड, फ्री कार्बन फ्लोराइड, अमोनियाकल नाइट्रोजन और फॉस्फेट की जांच की गई। केवल पीएच और अमोनियाकल नाइट्रोजन वॉटर ही बीआइएस व सीपीसीबी की स्वीकार्य सीमा में मिले। क्वालिटी इंडेक्स 4872.29 से 7076.49 के बीच दर्ज हुआ, जिससे पानी को पीने योग्य नहीं माना गया।

'नीचे उफान मारती नदी, ऊपर झूलता ट्रक'

माही बांध पुल पर रोंगटे खड़े करने वाला हादसा, बाल-बाल बचा ड्राइवर

बांसवाड़ा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बांसवाड़ा स्थित प्रसिद्ध माही बांध के पुल पर मंगलवार की सुबह एक ऐसा दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जिसने वहां से गुजरने वाले हर राहगीर के रोंगटे खड़े कर दिए और देखने वालों की सांसें थाम दीं। दरअसल, रतलाम की तरफ से आ रहा एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर माही बांध पुल की पक्की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए आधा नदी के ऊपर हवा में लटक गया। गनीमत यह रही कि रेलिंग से टकराने के बाद ट्रक का पिछला हिस्सा पुल के ढांचे में ही फंस गया, जिससे वह नीचे बह रही माही नदी के गहरे पानी में गिरने से बाल-बाल बच गया। हादसे का दृश्य इतना भयानक था कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह हवा में झूल रहा था और नीचे उफान मारता पानी नजर आ रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हो गए, वहीं सूचना पर पहुंची आंबापुरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

हादसे के कारणों को लेकर जो बात सामने आई है, वह देर रात या तड़के वाहन चलाने वाले हर चालक के लिए एक बड़ी चेतावनी है। रतलाम (मध्य प्रदेश) से आ रहा यह मालवाहक

ट्रक माल लादकर बांसवाड़ा की ओर बढ़ रहा था। पूरी रात सफर करने के कारण चालक को सुबह के वक्त थकान महसूस हो रही थी।

जैसे ही ट्रक माही बांध के मुख्य पुल के ऊपर से गुजर रहा था, ड्राइवर को नींद की एक हल्की सी झपकी आ गई। महज कुछ सेकेंड्स के लिए स्टीयरिंग से नियंत्रण हटते ही ट्रक सीधे पुल की पक्की रेलिंग से जा टकराया।

हादसे के ठीक बाद घटनास्थल पर जो दृश्य बना, उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। जोरदार टक्कर के साथ ट्रक ने पुल की सीमेंट-कंक्रीट की सुरक्षा दीवार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। ट्रक का मुख्य केबिन और अगला एक्सल पुल से बाहर हवा में झूलने लगा।

टक्कर के बाद जैसे ही ट्रक हवा में लटका, चालक की नींद उड़ गई। उसने गजब की हिम्मत दिखाई और ट्रक का संतुलन पूरी तरह बिगड़ने से पहले ही किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया। इस पूरे घटनाक्रम में कोई जनहानि नहीं हुई, जिसे लोग किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। हादसे की खबर के बाद आंबापुरा थाना पुलिस बिना किसी देरी के पुलिस जीप और रेस्क्यू टीमों के साथ मौके पर पहुंची। पुल के ऊपर लटके ट्रक को देखने के लिए पुल के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए भीड़ को सुरक्षित दूरी पर हटाया और ट्रैफिक को एकतरफा चालू करवाया।

पुलिस ने तुरंत क्रेन बुलाई है ताकि ट्रक को सुरक्षित तरीके से खींचकर पुल पर वापस लाया जा सके। अगर थोड़ी सी भी चूक होती है तो ट्रक सीधे माही नदी में गिर सकता है, इसीलिए रेस्क्यू बेहद सावधानी से चलाया गया।

बांसवाड़ा का माही बांध क्षेत्र न केवल सामरिक और यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बांध के पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही 24 घंटे रहती है। ऐसे में पुल की सुरक्षा रेलिंग्स को और अधिक मजबूत और ऊंचा बनाए जाने की सख्त जरूरत है।

मंत्री से बात हो चुकी है, गिरफ्तार आरोपी ने ट्रांसफर के नाम पर महिला वीडीओ समेत 3 लोगों से की थी ठगी

कोटा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा के सांगोद थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंचायती राज मंत्री के भाई का परिचित होने का दावा कर ग्राम विकास अधिकारियों से तबादला और डेपुटेशन कराने के नाम पर रुपए ऐंठने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने महिला ग्राम विकास अधिकारी से 20 हजार रुपए लेकर जल्द तबादला करवाने का भरोसा दिलाया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने मंत्री या उनके परिजनों से किसी प्रकार की स्वीकृति या अनुशंसा के बिना उनके नाम का इस्तेमाल कर लोगों को झांसे में लिया। ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि दीगोद ग्राम पंचायत में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी मंजुला बैरागी ने शिकायत दी थी कि बारां निवासी नरोत्तम बडारिया ने स्वयं को पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के भाई का परिचित बताते हुए डेपुटेशन और तबादला कराने का आश्वासन दिया। आरोपी ने दावा किया कि मंत्री के भाई के माध्यम से उसका काम आसानी से हो जाएगा और इसकी एवज में 20 हजार रुपए अग्रिम ले लिए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने दो अन्य लोगों को भी इसी तरह का झांसा दिया था और प्रत्येक से 50-50 हजार रुपए की मांग की थी। इनमें से एक मामले में 20 हजार रुपए अग्रिम ले लिए थे। आरोपी लगातार यह कहता रहा कि जयपुर में मंत्री से बात हो चुकी है और नाम तबादला सूची में शामिल कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि काफी समय बीतने के बाद भी तबादला नहीं होने पर मंजुला बैरागी ने स्वयं पंचायती राज मंत्री के भाई से संपर्क किया।

लॉरेंस गैंग की धमकी: एक करोड़ दो वर्ना परिवार को खत्म कर देंगे; दहशत में कारोबारी का परिवार

जालौर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जालौर जिले के सांचौर कस्बे में एक बार फिर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। इस बार राव मार्केट स्थित एक मोबाइल कारोबारी से विदेशी नंबरों के जरिए 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई। रकम नहीं देने पर कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांचौर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सांचौर की मुमादेवी कॉलोनी निवासी ओमाराम ने रिपोर्ट में बताया कि 13 जुलाई को उसके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए एक करोड़ रुपये की मांग की। आरोपी ने चेतावनी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो उसे और उसके परिवार को गंभीर अंजाम भुगतने होंगे।

पीड़ित ने बताया कि 14 जुलाई को अलग-अलग विदेशी नंबरों से कई व्हाट्सएप कॉल आए, जिन्हें उसने रिसीव नहीं किया। इसके बाद 15 जुलाई को एक अन्य नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव नहीं करने पर आरोपी ने दो वॉइस मैसेज भेजे। इन संदेशों में फिरौती नहीं देने और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। 19 जुलाई को एक बार फिर विदेशी नंबर से कॉल कर आरोपी ने 1 करोड़ रुपये की मांग दोहराई और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी।

धमकियों से परेशान कारोबारी ने सांचौर थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तकनीकी टीम की मदद से विदेशी नंबरों, व्हाट्सएप कॉल और वॉइस मैसेज की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद कारोबारी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उसके घर व आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। थानाधिकारी नेमाराम ने बताया कि रंगदारी मांगने और धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

खेत की डिग्गी में डूबने से 2 सगे भाइयों की मौत

श्रीगंगानगर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ग्राम पंचायत नानूवाला क्षेत्र के गांव 56 एनपी में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां खेत में बनी पानी की गहरी डिग्गी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। अपने बड़े भाई को डूबता देख उसे बचाने के लिए कूदा छोटा भाई भी गहरे पानी की चपेट में आ गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र और मृतकों के मूल गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव 45 एनपी निवासी गुरदीप सिंह मंगलवार सुबह करीब 8 बजे किसान जगजिंदर सिंह गिल के खेत पर कृषि कार्य से गया हुआ था। इसी दौरान डिग्गी के पास काम करते समय अचानक पैर फिसलने से गुरदीप सिंह असंतुलित होकर गहरे पानी से भरी डिग्गी में जा गिरा।

बीमा कंपनी की मनमानी पर लगाम: टैक्स में गड़बड़ी बताकर रिजेक्ट किया था क्लेम, अब ब्याज समेत चुकाना होगा बिल

सिरोही, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बीमा दावों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में उपभोक्ताओं के हित में फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल टैक्स रसीद में कथित गड़बड़ी या राजस्व संबंधी तकनीकी त्रुटि के आधार पर बीमा क्लेम पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। आयोग ने द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए परिवादी को क्षतिपूर्ति राशि ब्याज सहित अदा करने तथा मानसिक संताप एवं परिवाद व्यय का भुगतान करने का आदेश दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवादी का वाहन द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से बीमित था। 9 जून 2023 को अहमदाबाद से सिरोही लौटते समय ऊंझा के निकट हाईवे पर खड़े एक ब्रेकडाउन वाहन से टक्कर होने के कारण उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में वाहन को गंभीर क्षति पहुंची और उसकी मरम्मत पर करीब ढाई लाख रुपये का खर्च आया। बीमा कंपनी ने यह कहते हुए क्लेम अस्वीकार कर दिया कि वाहन के लिए गुजरात राज्य का रोड टैक्स जमा नहीं कराया गया था तथा प्रस्तुत टैक्स रसीद निरस्त अथवा फर्जी पाई गई थी। इसके बाद परिवादी ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया।

आयोग के अध्यक्ष अभिमन्युसिंह राठौड़, सदस्य नवीनचंद्र मिश्रा एवं सदस्या जया मिस्त्री की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि दुर्घटना के समय वाहन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाण-पत्र, पंजीकरण प्रमाण-पत्र तथा राजस्थान एवं गुजरात का वैध परमिट मौजूद था। आयोग ने यह भी माना कि दुर्घटना वास्तविक थी तथा बीमा कंपनी यह साबित नहीं कर सकी कि कथित टैक्स रसीद की गड़बड़ी का दुर्घटना से कोई प्रत्यक्ष संबंध था। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग द्वारा स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, यदि किसी नियम के उल्लंघन का दुर्घटना से सीधा संबंध नहीं है, तो केवल तकनीकी या राजस्व संबंधी त्रुटि के आधार पर बीमा दावा पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसा करना सेवा में कमी माना जाएगा।

अवैध रूप से रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

सिरोही, 21 जुलाई (एजेंसियां)। आबूरोड शहर के उमरणी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिला नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों महिलाएं एकांत में बने मकान में छिपकर रह रही थीं। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें सिरोही जिला मुख्यालय स्थित वन स्टॉप सखी सेंटर लाया गया है। फिलहाल दोनों को वहीं रखा गया है तथा उनके बांग्लादेश प्रत्यावर्तन के लिए आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर आबूरोड के उमरणी स्थित रॉयल राजस्थान स्कूल के सामने एकांत में बने मकान पर दबिश दी गई।

जल्द पूरी कर निविदा प्रक्रिया शुरू करें : मुख्यमंत्री

मक्तल-नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना की समीक्षा

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मक्तल-नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना के निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति तथा भूमि अधिग्रहण की स्थिति से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्य को शीघ्र पूरा करने हेतु सरकार आवश्यक सर्वेक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आवश्यक बजट उपलब्ध कराने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि परियोजना की निविदा प्रक्रिया तत्काल शुरू की जा सके और निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

मिजोरम विधानसभा अध्यक्ष ने तेलंगाना विधानसभा का दौरा किया

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिजोरम विधानसभा अध्यक्ष पु लालबियाकजामा अपनी पत्नी वनलालरुति के साथ मंगलवार को तेलंगाना विधानसभा पहुंचे। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने उनका स्वागत किया। अध्यक्ष कक्ष में आयोजित बैठक के दौरान, दोनों राज्यों के अध्यक्षों ने विधानसभा की कार्यवाही, विधायी कार्यप्रणाली और संसदीय प्रक्रियाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रसाद कुमार ने मिजोरम के अध्यक्ष को तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकास और कल्याणकारी पहलों के बारे में भी जानकारी दी।

सम्मान के प्रतीक के रूप में, तेलंगाना के अध्यक्ष ने पु लालबियाकजामा और उनकी पत्नी को पारंपरिक शॉल भेंट करके सम्मानित किया और तेलंगाना विधानसभा की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

तेलंगाना आंदोलनकारियों के लिए स्थायी निगम बनाने की मांग

डॉक्टर, अधिवक्ता जेएसी ने पहचान समिति के समक्ष रखीं मांगें

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान समिति ने मंगलवार को अमरवीरों के स्मारक अमरदीपम पर डॉक्टर, अधिवक्ता और पत्रकार संयुक्त कार्रवाई समितियों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। बैठक में आंदोलनकारियों के समग्र कल्याण के लिए स्थायी निगम गठित कर उसे वैधानिक दर्जा देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष डॉ.के. केशवराव ने की। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य प्रो.एम. कोदंडराम, अद्दांकी दयाकर, कार्यकारी सदस्य मोते शोभन रेड्डी और एस. रामुलु नायक सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में वरिष्ठ पत्रकार अल्लम नारायण, अधिवक्ता संयुक्त कार्रवाई समिति के संयोजक एम. राजेंद्र रेड्डी, उच्च न्यायालय बार संघ के पूर्व अध्यक्ष एस. सत्यम रेड्डी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में कल्वकुंटला कविता ने भी हिस्सा लेकर समिति को अपना समर्थन दिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पहचान से संबंधित केंद्र सरकार के ऐतिहासिक शासनादेशों की प्रतियां समिति को सौंपते हुए झारखंड सहित अन्य नवगठित राज्यों में लागू व्यवस्था का अध्ययन कर तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आग्रह किया। इस पर समिति अध्यक्ष डॉ.के. केशवराव ने कहा कि उन्हें झारखंड में लागू व्यवस्था का अनुभव है और तेलंगाना के आंदोलनकारियों के साथ उससे भी बेहतर और न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और जनसंगठनों से प्राप्त सुझावों पर विचार किया जाएगा। बैठक में पत्रकार संयुक्त कार्रवाई समिति ने तेलंगाना के मीडिया संस्थानों की सुरक्षा के लिए विशेष कोष की स्थापना, आंदोलनकारी पत्रकारों को 250 वर्ग गज का आवासीय भूखंड, निःशुल्क परिवहन सुविधा, बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क शिक्षा तथा पत्रकार परिवारों के लिए विशेष अस्पताल की मांग की। अधिवक्ता संयुक्त कार्रवाई समिति ने विधान परिषद में अधिवक्ताओं के लिए पृथक सदस्य का प्रावधान करने की मांग रखी, जबकि डॉक्टर संयुक्त कार्रवाई समिति ने चिकित्सकों के लिए पृथक विधान परिषद सदस्य, आंदोलन में भाग लेने वाले चिकित्सकों को स्थानांतरण में विशेष वरीयता, पहचान पत्र जारी करने तथा आयुष अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की मांग की। बैठक में आंदोलनकारियों के कल्याण के लिए एक स्थायी निगम गठित करने, निगम में अध्यक्ष एवं निदेशक जैसे पदों पर आंदोलनकारियों को प्राथमिकता देने तथा पूरी प्रक्रिया के लिए निश्चित समय-सीमा तय करने की मांग भी उठाई गई। समिति के सदस्यों ने कहा कि पत्रकारों, डॉक्टरों और अधिवक्ताओं ने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनकी सभी मांगें विचारणीय हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि डिजिटल अभिलेखों के आधार पर पात्र व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। समिति ने यह भी कहा कि सभी सुझावों और मांगों को संकलित कर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंपा जाएगा।

छात्र संघों ने 'चलो लोक भवन' विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई गिरफ्तारियों की निंदा की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसएफआई, एआईएसएफ, पीडीएसयू और एआईएफडीएस सहित छात्र संगठनों ने हैदराबाद में 'चलो लोक भवन' विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों की गिरफ्तारी की निंदा की है। यह विरोध प्रदर्शन नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। यूनियनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने खैरताबाद के पास मार्च को रोका, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें आसिफनगर पुलिस स्टेशन ले गई। उन्होंने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान कई छात्र घायल हो गए। मीडिया को संबोधित करते हुए, एसएफआई के राज्य सचिव टी. नागराजू, एआईएसएफ के राज्य सचिव पुट्टा लक्ष्मण, पीडीएसयू के राज्य सचिव एस. अनिल और एआईएफडीएस के राज्य सचिव गड्डम नागार्जुन ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ एकजुटता व्यक्त की और केंद्र की शिक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने शिक्षा के निजीकरण और निगमीकरण को गति दी है। उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग की भी निंदा की और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया।

जलाशयों को भरने के लिए देवदुला के 9 पंप चौबीसों घंटे काम करेंगे : मंत्री

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार मंत्रियों के समूह द्वारा देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के हालिया मूल्यांकन के दौरान की गई प्रतिबद्धताओं को लगन से पूरा कर रही है।

उन्होंने आगे घोषणा की कि आज शाम से गोदावरी नदी से पानी निकालने को अधिकतम करने के लिए नौ पंपिंग स्टेशन लगातार काम करेंगे। मंगलवार को सचिवालय के अपने कक्ष में मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार का ध्यान जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसानों की रक्षा करने पर है, न कि राजनीतिक बयानबाजी में संलग्न होने पर। उन्होंने कहा, देवदुला परियोजना की हालिया समीक्षा के दौरान किए गए वादे के अनुसार, नौ पंपिंग इकाइयां आज रात से पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देंगी। ये इकाइयां चौबीसों घंटे काम करेंगी ताकि गोदावरी नदी से अधिकतम जल निकासी हो सके और नौ जिलों की जल आपूर्ति करने वाले 22 जलाशयों को भरा जा सके। मंत्री ने कहा कि इंजीनियरों को निर्देश दिया गया है कि वे पंपिंग सिस्टम को अधिकतम क्षमता पर संचालित करें ताकि देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत सभी जलाशयों को यथासंभव भरा जा सके और कम वर्षा के कारण उत्पन्न हो रही जल संकट से निपटा जा सके।

उन्होंने कहा कि सरकार की तत्काल प्राथमिकता राजनीतिक खींचतान में उलझने के बजाय लोगों के लिए जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हर परिचालन संबंधी निर्णय तकनीकी आवश्यकताओं और मौजूदा मानसून की अनिश्चितता के दौरान जल उपलब्धता को सुरक्षित रखने की जरूरत को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है।

किसानों की रक्षा करना और पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। मंत्री जी ने कहा कि बीआरएस विधायक हरीश राव कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना की विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा में संरचनात्मक संकट पैदा करने वाले महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग और प्रशासनिक निर्णय लेने वालों को देवदुला पर टिप्पणी करने से पहले अपने कार्यों का उत्तर देना चाहिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, अगर हरीश राव सिंचाई पर बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले सिंचाई मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों का स्पष्टीकरण देना होगा।

ऑनलाइन मटका के खिलाफ कार्रवाई, 34 लोगों पर मामला दर्ज

आदिलाबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को पुलिस द्वारा 10 पुलिस स्टेशन इलाकों में चलाए गए एक स्पेशल अभियान के दौरान ऑनलाइन मटका में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में 34 लोगों पर मामला दर्ज किया गया।

एसपी अखिल महाजन ने एक बयान में कहा कि जिले के 10 पुलिस स्टेशन इलाकों में प्रतिबंधित मटका जुआ के 54 संदिग्ध आयोजकों के यहां 20 स्पेशल पुलिस टीमों ने एक साथ छापेमारी की। अभियान के दौरान जुआरियों का पता लगाया गया और मावला, आदिलाबाद II टाउन, इंदरवेली, बोथ और इकोडा पुलिस स्टेशन इलाकों में 34 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

अखिल महाजन ने कहा कि जुए में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस विभाग ने युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वाली इस सामाजिक बुराई को पूरी तरह खत्म करने के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए जुआ चलाने वाले कई लोगों की पहचान की गई है।

एसपी ने आगे कहा कि आयोजकों, बुकी, खिलाड़ियों और ऑनलाइन सट्टा लगाने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। तकनीकी मदद से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मटका के जरिए गैर-कानूनी तरीके से हासिल की गई संपत्ति की जांच करने और कानूनी कार्रवाई करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि युवा आसानी से पैसा कमाने की उम्मीद में ऐसे अपराधों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, लेकिन आखिरकार वे अपना भविष्य बर्बाद कर लेंगे। उन्होंने जनता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों पर नज़र रखें। उन्होंने लोगों से युवाओं में जागरूकता पैदा करने और उन्हें ऐसी लतों से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

मंचेरियाल और आसिफाबाद में भारी बारिश

मंचेरियल, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद दोनों जिलों में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक मध्यम से भारी बारिश हुई, जिससे किसान खुश हैं।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी की वेबसाइट पर मौसम की रिपोर्ट के अनुसार, मंचेरियल जिले में औसत बारिश 58.4 मिमी थी, जबकि थंडूर मंडल मुख्यालय में तेलंगाना में सबसे अधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। बेल्लमपल्ली मंडल में 119 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि कोटापल्ली मंडल केंद्र में 105.6 मिमी बारिश हुई।

यूओएच ने विश्व फोटोग्राफी दिवस प्रतियोगिता और प्रदर्शनी की घोषणा की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के संचार विभाग ने अपने विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह और फोटो प्रतियोगिता के तीसरे संस्करण की घोषणा की है, जिसके कार्यक्रम 19 से 23 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे। यह प्रतियोगिता शौकिया और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए खुली है, जिसमें तीन विजेता पुरस्कार, तीन सांत्वना पुरस्कार और तीन योग्यता प्रमाण पत्र शामिल हैं।

प्रविष्टियां 5 अगस्त, 2026 को शाम 5 बजे तक जमा करनी होंगी। चयनित तस्वीरों को 19 से 23 अगस्त तक सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन में पांच दिवसीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा। इस समारोह में फोटोग्राफरों, दृश्य कहानीकारों और मीडिया पेशेवरों द्वारा समकालीन फोटोग्राफी, उभरती प्रौद्योगिकियों और दृश्य कहानी कहने पर विशेषज्ञ वार्ता और पैनल चर्चा भी शामिल होगी।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दबीरपुरा पुलिस ने मंगलवार को दोपहिया वाहन चोरी के मामले में 55 वर्षीय एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया और उसके पास से दो चोरी के होंडा एक्टिवा स्कूटर बरामद किए। आरोपी दासारी श्याम उर्फ नरसिंग, जो एक होटल में नौकर है और दोमलगुडा पुलिस स्टेशन में संदिग्धों की सूची में दर्ज है, ने पूछताछ के दौरान वाहन चोरी करने की बात कबूल कर ली। एक स्कूटर दबीरपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले से संबंधित था, जबकि दूसरा नारायणगुडा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले से जुड़ा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसके तहत हैदराबाद और नालगोंडा जिलों में वाहन चोरी से जुड़े 10 मामले दर्ज हैं। उसे अदालत में पेश किया गया और संपत्ति से जुड़े अन्य अपराधों में उसकी संलिप्तता का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस मामले की जांच एस. कीर्ति, एसआई, थाना दबीरपुरा और उनकी टीम द्वारा पी. उपाशंकर, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, दबीरपुरा के मार्गदर्शन में, एल. राजा वेंकट रेड्डी, एसीपी, मलकपेट डिवीजन और के. मोहम्मद मजीद, एडिशनल डीसीपी, चारमीनार जोन, हैदराबाद की निगरानी में की जा रही है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव भव्यरुप से सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पीरजादीगुड़ा आर.के.एम.फंक्शन हॉल स्थित समस्त गुरु भक्त मंडल भाग्यनगर के तत्वावधान में परम पूज्य गुरुदेव माधवरावजी महाराज के आशीर्वाद से द्वितीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव रविवार 19 जुलाई 2026 मध्यान 12.15 बजे कलश-यात्रा. पूज्य गुरुवर श्री सोहनरामजी महाराज उत्तराधिकारी रामद्वारा निमाज का पुष्पवर्षा एवं गाजे-बाजे के साथ स्वागत व बधावा, पूजन एवं प्रवचन कार्यक्रम में गुरुवर के चरणों में श्रीफल व पुष्प अर्पितकर आशीर्वाद प्राप्तकर भजनों, व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए भक्तगण।

अवसर पर भजनों के पुष्प अर्पित करते हुए ओमप्रकाश, कन्हैयालाल वैष्णव, हुक्मीचन्द पीपाड़ा। कार्यक्रम में पधारे अतिथियोफ्क का सम्मानकर उपस्थित समस्त गुरु भक्त मंडल भाग्यनगर हैदराबाद के कार्यकर्ता। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

जामबाग डिवीज़न के एक्स-कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल के सख्त निर्देशों और सुपरविज़न में, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट के स्टाफ ने हजारी भवन, जामबाग डिवीज़न में पानी के पॉल्यूशन का काम शुरू कर दिया है। यह काम हजारी भवन के लोकल लोगों की रिप्रेजेंटेशन पर आधारित है।

बेगम बाजार में एसआईआर रजिस्ट्रेशन ड्राइव

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने संगठन की टीम के सदस्यों के साथ मिलकर, आज बेगम बाज़ार वार्ड कार्यालय में आयोजित स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न रजिस्ट्रेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

टीम ने स्थानीय निवासियों और अधिकारियों से बातचीत कर योग्य नागरिकों को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया और इस काम में नागरिकों की भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया। पूरे प्रोग्राम के दौरान बजरंग सेना तेलंगाना के सदस्यों ने लोगों में जागरूकता बढ़ाने में मदद की और इस क्षेत्र में नागरिक और प्रशासनिक पहलों का समर्थन करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बीपी आचार्य की कार्टून पुस्तक का विमोचन

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन में पूर्व आईएएस अधिकारी बीपी आचार्य की कार्टून पुस्तक ऑब्ट्यूज़ एंगल के नए संस्करण का विमोचन किया।

इस पुस्तक में पिछले चार दशकों की उनकी प्रशासनिक यात्रा पर आधारित कार्टून संकलित हैं। यह पुस्तक अब पेपरबैक संस्करण में उपलब्ध है। काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट के ट्रस्टी बीपी आचार्य ने प्रो. पांडुरंगा राव तथा वारंगल के श्रीधर राव सहित ट्रस्ट के अन्य न्यासियों के साथ राज्यपाल को ट्रस्ट के प्रकाशन भी भेंट किए।

जीडीमेटला, सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर में आयोजित शिवपुराण कथा का वाचन पंडित संजय कृष्ण शास्त्री ने किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने उपस्थित होकर भगवान शिव की महिमा का श्रवण किया।

गणना प्रपत्र जमा करने के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता भी न रखी जाए : सीईओ

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मंगलवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी सहित राज्य के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी तथा उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. चारी भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण तेज गति से पूरा किया जाए तथा उपलब्ध समय का प्रभावी उपयोग करते हुए निर्धारित लक्ष्य हासिल किया जाए। उन्होंने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, बूथ स्तरीय पर्यवेक्षकों और बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने राजनीतिक दलों के साथ आयोजित बैठकों का पारदर्शी अभिलेखीकरण करने, शहरी क्षेत्रों तथा अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने और अति विशिष्ट एवं विशिष्ट मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि किसी मतदाता ने गणना प्रपत्र ऑनलाइन जमा कर दिया है तो बूथ स्तरीय अधिकारी उससे कागजी प्रपत्र जमा कराने पर जोर न दें। साथ ही गणना प्रपत्र जमा करने के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता भी न रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को मतदाताओं को गणना प्रपत्र जमा करने में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने, उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करने तथा अनुपस्थित, स्थानांतरित अथवा मृत (एएसडी) मतदाताओं के मामलों का सावधानीपूर्वक सत्यापन कर सही अभिलेख बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी को और मजबूत करने, पर्यवेक्षी अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाने तथा मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने पर भी जोर दिया गया।

एआईएसएफ राज्यव्यापी 'चलो कलेक्ट्रेट' विरोध प्रदर्शन की घोषणा की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसएफ) ने लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति निधि की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर 23 जुलाई को राज्यव्यापी 'चलो कलेक्ट्रेट' विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। एआईएसएफ के प्रदेश अध्यक्ष कासिरेड्डी मणिकांत रेड्डी और प्रदेश सचिव पुट्टा लक्ष्मण ने मंगलवार को यहां अभियान का पोस्टर जारी किया और तेलंगाना सरकार पर छात्रों के कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रवृत्ति और शुल्क वापसी भुगतान में देरी के कारण हजारों छात्र आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वर्ल्डकप हॉकी के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले एफआईएच मेंस हॉकी वर्ल्ड कप के लिए 20 मेंबर्स की भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। प्रो लीग टीम में शामिल रहे चार खिलाड़ियों को अंतिम दल में जगह नहीं मिली है। इसमें डिफेंडर अमनदीप लकड़ा, मिडफील्डर राज कुमार पाल, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी के नाम हैं।

सबसे अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह के अलावा हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अमित रोहिदास जैसे खिलाड़ी टीम की रीढ़ होंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है। फुल्टन ने भरोसा जताया कि 1975 विश्व कप जीत के 50 साल पूरे होने के मौके पर यह टीम भारतीय हॉकी इतिहास में नया अध्याय लिख सकती है।

भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। सभी ग्रुप मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में खेले जाएंगे।

भारत की टीम

गोलकीपरः मोहित एचएस, सूरज करकेरा। डिफेंडरः जर्मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच। मिडफील्डरः मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे। फॉरवर्डः मंदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा।

सिंधु ने कमबैक का क्रेडिट विराट को दिया

लिखा- वे मिले और कुछ समझाया, इससे नजरिया बदला

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने अपनी दमदार वापसी का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दिया है। उन्होंने 2 दिन पहले जापान ओपन सुपर-750 का खिताब जीता। सिंधु ने करीब 2 साल बाद कोई खिताब जीता था। इससे पहले वे करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं।

31 साल की पीवी सिंधु ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक में कोहली की भूमिका का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करियर के सबसे मुश्किल दौर में उन्होंने विराट से सलाह ली थी और उनकी एक सीख ने पूरी सोच बदल दी।

सिंधु ने लिखा- मैंने लगातार चोटों, खराब प्रदर्शन और मानसिक दबाव के बीच विराट कोहली से संपर्क किया। कोहली ने कुछ ही मिनटों में जवाब दिया और अगले दिन उनसे मुलाकात की। इस दौरान उनके पति वेंकट दत्ता साई भी मौजूद थे।

सिंधु ने कहा- 'चोट के दौरान कई बार आत्मविश्वास डगमगाया, लेकिन मैंने खुद पर भरोसा नहीं खोया। जापान ओपन का यह खिताब केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत है कि मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है।' सिंधु ने कहा कि उस मुलाकात में हुई बातचीत निजी रहेगी, लेकिन विराट की सबसे बड़ी सीख थी कि ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में दोबारा खुशी तलाशनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वह सुबह 5:30 बजे अभ्यास के लिए ट्रॉफी जीतने नहीं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से उठती हैं।

इस मानसिक बदलाव के साथ सिंधु ने अपने खेल में कई सुधार किए। उन्होंने करीब 3.5 किलो वजन कम किया, नेट गेम को मजबूत बनाया, डेटा आधारित ट्रेनिंग अपनाई और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह व स्ट्रेंथ ट्रेनर वेन लोम्बार्ड के साथ फिटनेस पर विशेष काम किया।

पैर के लिगामेंट की चोट के बाद डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने सिंधु को पूरा आराम करने की सलाह दी। इसके बाद दत्ता साई उन्हें अमेरिका के अटलांटा ले गए। जहां परिवार के बीच रहकर मानसिक रूप से सिंधु ने खुद को फिर से तैयार किया।

पेरिस ओलिंपिक के बाद डेटा एनालिटिक्स की मदद से सिंधु के खेल का विश्लेषण किया। सात ट्रैकिंग डिवाइस के जरिए फिटनेस, हार्ट रेट, नींद, रिकवरी और ट्रेनिंग लोड की लगातार निगरानी की गई। लगभग 3.5 किलो वजन कम कराया गया, जबकि मसल्स बरकरार रखी गईं।

कोच इरवांशाह ने उनके नेट गेम, धैर्य और अटैकिंग पैटर्न पर काम किया। टीम ने अनफोर्स्ड एरर कम करने और लंबे समय तक उच्च स्तर पर खेलने की क्षमता विकसित करने पर फोकस किया। इन बदलाव का असर सिंधु के खेल में देखने को मिला। उन्होंने यामागुची को महज 50 मिनट में सीधे गेम में हरा दिया। उन्होंने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 चीनी खिलाड़ी चेन यूफेई को हराया।

अब सिंधु की नजर चीन ओपन, विश्व चैंपियनशिप और लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 पर है। उनके पति वेंकट दत्ता साई का कहना है कि टीम का अंतिम लक्ष्य अभी भी ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतना है।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर रेप का आरोप

कोलकाता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के आदेश दिए; डिवाइस जब्त करने को कहा

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता हाईकोर्ट ने रेप मामले में आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पुलिस को अभिषेक के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया है, ताकि कथित निजी फोटो और वीडियो शेयर ना किए जा सकें।

बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर एक महिला ने शादी का वादा कर संबंध बनाने और दोनों के निजी पलों की रिकॉर्डिंग करने के आरोप लगाए हैं। क्रिकेटर पर धमकियां देने के भी आरोप हैं।

23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

शिकायत के अनुसार अभिषेक पोरेल की महिला से जनवरी 2023 में पहचान हुई थी। महिला का आरोप है कि पोरेल उसे मंकुंडू स्थित अपने फ्लैट में ले गया और शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए। बाद में उसे पता चला कि आरोपी के अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध थे।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि अभिषेक ने उसे अवैध रूप से रोके रखा, खाना नहीं दिया और अलग-थलग रखा गया। दो अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई कथित घटना के बाद उसकी शारीरिक स्थिति बिगड़ गई थी और उसे तत्काल इलाज कराना पड़ा। महिला ने फोन और सोशल मीडिया के जरिए धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है।

जांच के दौरान एक पेन ड्राइव जब्त की गई है, जिसमें अहम डिजिटल सामग्री होने की आशंका है। ऐसे में आरोपी की गिरफ्तारी और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती आवश्यक है, ताकि कथित आपत्तिजनक डेटा को आगे शेयर होने से रोका जा सके।

हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस पहले से आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अदालत ने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था।

आशुतोष शर्मा इंग्लैंड में हैम्पशायर क्रिकेट क्लब से खेलेंगे

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा इंग्लैंड के घरेलू वन-डे कप में हैम्पशायर क्रिकेट क्लब की ओर से खेलेंगे। काउंटी क्लब ने उनके साथ पूरे टूर्नामेंट के लिए करार की घोषणा की।

जीएमआर ग्रुप दिल्ली कैपिटल्स और हैम्पशायर क्रिकेट क्लब दोनों का को-ओनर है।

27 साल के आशुतोष के नाम भारतीय क्रिकेट में सबसे तेज टी20 अर्धशतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 11 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी।

हैम्पशायर क्रिकेट क्लब के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट ने कहा कि आशुतोष ने IPL में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया और दबाव में अच्छा खेलने की क्षमता रखते हैं। पिछले सीजन में वन-डे कप का खिताब चूकने वाले हैम्पशायर क्रिकेट क्लब को उम्मीद है कि आशुतोष इस बार टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

दूसरे यूथ टेस्ट के पहले दिन भारत अंडर-19 का स्कोर 253/3

कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे यूथ टेस्ट के पहले दिन भारत अंडर-19 ने 0/2 की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए 65 ओवर में 3 विकेट पर 253 रन बना लिए। बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल समय से पहले रोकना पड़ा।

सलामी बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी और सागर विर्क बिना खाता खोले आउट हो गए थे। इसके बाद कप्तान यशवर्धन चौहान (78) और कुशाग्र ओझा (103)* ने तीसरे विकेट के लिए 122 रन जोड़कर पारी संभाली। यशवर्धन के आउट होने के बाद मनाल चौहान (55)* ने कुशाग्र का साथ निभाया। दोनों चौथे विकेट के लिए अब तक नाबाद 131 रन जोड़ चुके हैं। श्रीलंका की ओर से गिमहान मेंडिस ने 2 और सेथमिका सेनेविरात्ने ने 1 विकेट लिया।

दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन की टीम जारी, ऋतुराज गायकवाड को कमान

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए वेस्ट जोन ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान और मुंबई के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में शार्दुल ठाकुर, सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, मुशीर खान और तनुश कोटियान भी शामिल हैं।

ऋतुराज इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करेंगे। वहीं, मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र से खेलने वाले पृथ्वी शॉ को रणजी ट्रॉफी 2025-26 में 537 रन बनाने के बाद टीम में मौका मिला है। उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ 156 गेंदों में 222 रन की पारी खेली थी। 19 साल के आयुष म्हात्रे चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना सके। टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

वेस्ट जोन की टीम

कप्तानः ऋतुराज गायकवाड़ (महाराष्ट्र) उपकप्तानः शम्स मुलानी (मुंबई), सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, जयमीत पटेल, शिवालिक शर्मा, शार्दुल ठाकुर, मुशीर खान, अतित शेठ, हार्विक देसाई, उर्विल पटेल, तुषार देशपांडे, तनुश कोटियान, सिद्धार्थ देसाई, मुकेश चौधरी।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नाथन स्मिथ और डैनी वैट-हॉज बनीं

विलिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी ने जून महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड का ऐलान किया। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी वैट-हॉज को सम्मान मिला। स्मित ने भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा, जबकि डैनी ने स्कॉटलैंड की कैथरीन ब्राइस और भारत की श्री चरणी को मात दी।

न्यूजीलैंड की इंग्लैंड पर 2-1 की टेस्ट सीरीज जीत में स्मित सबसे ज्यादा 16 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। लॉर्ड्स टेस्ट में उन्होंने मैच में 9 विकेट (दूसरी पारी में 6/70) लिए। अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने कहा कि टीम की जीत में योगदान देना उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

महिला वर्ग में डैनी वैट-हॉज ने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 62 गेंदों में नाबाद 105 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 गेंदों में नाबाद 89 रन बनाए। दोनों मैचों में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा कि लॉर्ड्स में वर्ल्ड कप फाइनल खेलना हमेशा यादगार रहेगा। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के विजेताओं का चयन फैंस की वोटिंग और पूर्व खिलाड़ियों व क्रिकेट विशेषज्ञों के पैनल की रेटिंग के आधार पर किया जाता है।

शतरंज खिलाड़ी जुडित पोलगर बन सकती हैं हंगरी की राष्ट्रपति

आनंद-कार्लसन को हराया, 26 साल नंबर-1 रहीं, यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड तोड़ा

बुडापेस्ट, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व शतरंज स्टार जुडित पोलगर हंगरी की राष्ट्रपति बन सकती हैं। उन्हें हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मग्यार ने राष्ट्रपति पद के लिए इन्विटेशन भेजा है। पीएम पीटर ने फेसबुक पोस्ट पर लिखा की वह राष्ट्रपति पद जुडित को सौंपने का प्रस्ताव देंगे।'

49 साल की जुडित दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला चेस प्लेयर्स में शामिल रहीं। उन्होंने सिर्फ 15 साल 4 महीने की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनकर यंगेस्ट प्लेयर का रिकॉर्ड बनाया था। इस साल उनकी जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'द क्वीन ऑफ चेस' भी रिलीज हुई। जानिए जुडित पोलगर की जर्नी...

जुडित सिर्फ 6 साल की उम्र से ही चेस टूर्नामेंट्स खेलने लगी थी। वे करियर में महिला वर्ग खेलने की जगह ओपन टूर्नामेंट्स खेलीं। उन्होंने पुरुष खिलाड़ियों से भी मैच खेले। 2005 में वह विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान तक पहुंचीं, जो किसी महिला खिलाड़ी की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वे इकलौती शतरंज महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2700+ येलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया।

पोलगर ने 15 साल 4 महीने की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनकर बॉबी फिशर का सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उन्होंने गैरी कास्पारोव, विश्वनाथन आनंद, अनातोली कार्पोव, बोरिस स्पास्की और मैग्नस कार्लसन सहित 11 विश्व चैंपियनों को क्लासिकल या रैपिड मुकाबलों में हराया।

पोलगर लगातार 26 साल 28 दिनों तक महिला विश्व रैंकिंग में नंबर-1 रहीं। वे 1 फरवरी 1989 से लेकर 1 मार्च 2015 तक रैंकिंग में लगातार पहला पोजिशन बरकरार रखा। उन्होंने पांच बार शतरंज ओलंपियाड का खिताब जीता। उन्हें हंगरी के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल 'ऑर्डर ऑफ सेंट स्टीफन' से भी सम्मानित किया गया।

मार्च 2026 में एक इंटरव्यू में जुडित पोलगर ने कहा था कि अगली 'जुडित पोलगर' भारत से आ सकती है। उन्होंने भारतीय जूनियर खिलाड़ियों और देश में तेजी से बढ़ रहे शतरंज के स्तर की भी तारीफ की थी।

पीटर मग्यार ने कहा कि हमारे देश को एकता, शांति और ऐसी राष्ट्रपति की जरूरत है जिसपर हर हंगेरियन गर्व कर सके। जुडित पोलगर की पहचान राजनीति से नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से बनी है। मग्यार ने कहा अगर जुडित जिम्मेदारी स्वीकार करती हैं, तो यह उनके लिए सम्मान की बात होगी।

अर्जेंटीना के 3 स्टार फुटबॉलर्स पर प्रीमियर लीग छोड़ने की नौबत; ब्रिटेन का वीजा रद्द होगा?

खेल डेस्क, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल जीतने के बाद 'लास माल्विनास सोन अर्जेंटिनास' वाला बैनर दिखाने के मामले में अर्जेंटीना के तीन प्रीमियर लीग खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्रिटेन में कुछ नेताओं और लोगों ने लिसांद्रो मार्टिनेज, क्रिस्टियन रोमेरो और एंजो फर्नांडीज का वर्क वीजा रद्द करने की मांग की है। हालांकि, आव्रजन विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ बैनर दिखाने के आधार पर वीजा रद्द करना आसान नहीं होगा। 2026 फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराने के बाद फॉकलैंड (माल्विनास) द्वीप विवाद से जुड़ा बैनर दिखाने पर अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। ब्रिटेन में अब मांग उठ रही है कि प्रीमियर लीग में खेलने वाले अर्जेंटीना के तीन खिलाड़ियों का वर्क वीजा रद्द कर दिया जाए। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा होना आसान नहीं है।

इनमें मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज, चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज और टॉटनहैम हॉटस्पर के डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद ये खिलाड़ी 'माल्विनास/फॉकलैंड द्वीप अर्जेंटीना के हैं' लिखा बैनर पकड़े हुए दिखाई दिए थे। इसके बाद ब्रिटेन में इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के पूर्व सहयोगी नाइल गार्डिनर ने इन खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, 'इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेलने वाला हर अर्जेंटीनी खिलाड़ी, जिसने इस ब्रिटेन विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लिया, उसका ब्रिटेन का वर्क वीजा रद्द कर देना चाहिए। ऐसे मामलों में बिल्कुल भी नरमी नहीं होनी चाहिए।' सोशल मीडिया पर भी कई ब्रिटिश प्रशंसकों ने खिलाड़ियों से सार्वजनिक माफी मांगने और वीजा रद्द करने की मांग की। एक फैन ने लिखा, 'मैं पूरी गंभीरता से कह रहा हूं कि जिस भी अर्जेंटीनी खिलाड़ी को इस बैनर की जानकारी थी, उसका वीजा तब तक रद्द कर देना चाहिए, जब तक वह सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगता।'

रोमेरो, लिसांद्रो और एंजो

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की

मेलबोर्न, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हैजलवुड और अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। तीनों चोट के कारण हालिया मैचों से बाहर थे। कमिंस पीठ की चोट से उबरने के बाद एशेज में सिर्फ एक टेस्ट खेल पाए थे। हैजलवुड एड़ी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरी सीरीज से दौरे से बाहर रहे थे। लियोन को एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी करानी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 13-17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा 22-26 अगस्त तक मैके में खेला जाएगा। फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में सात जीत के साथ 87.50% अंक लेकर डब्ल्यूटीसी तालिका में टॉप पर है।

सीनियर बॉलर्स की वापसी के साथ माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने कहा कि जरूरत पड़ने पर एक्स्ट्रा प्लेयर्स को टीम से जोड़ा जा सकता है। ओपनर उस्मान ख्वाजा के रिटायर होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टॉप ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। ट्रैविस हेड ओपनिंग करेंगे और जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है। खराब फॉर्म के बावजूद मार्नस लाबुशेन टीम में बरकरार हैं।

मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा होंगे। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर प्लेइंग इलेवन की दौड़ में हैं। विकेटकीपर जोश इंग्लिस को मध्यक्रम में मौका मिल सकता है।

टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हैजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड और ब्यू वेबस्टर।

कहां होगा 2030 का फुटबॉल विश्वकप, टीमें बढ़ाने की फीफा की कैसी तैयारी, क्या भारत करेगा क्वालिफाई?

खेल डेस्क, 21 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 का अंत हो चुका है। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर यह विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। 2026 का यह टूर्नामेंट अपने आप में काफी खास रहा। दरअसल, पहली बार विश्व कप के फॉर्मेट को बदलकर 48 टीमों के लिए बढ़ाया गया। इससे जहां एक तरफ केप वर्दे, कुराकाओ जैसी बेहतरीन टीमों ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया तो वहीं कॉन्गो जैसी टीम, जो कि महज दूसरे विश्व कप में उतरी, ने भी अपने खेल से विशेषज्ञों को प्रभावित किया। अब दुनिया की नजर 2030 के विश्व कप पर है, जो कि पहले फुटबॉल वर्ल्ड कप के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित होगा। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में एक बार फिर टूर्नामेंट का प्रारूप बदलने और इसमें टीमों की संख्या बढ़ाकर 64 करने में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, अंतिम फैसला फीफा की बैठक के बाद ही लिए जाएंगे।

विश्लेषकों और पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि 2030 विश्व कप में भारत के खेलने की संभावना मुख्य रूप से टूर्नामेंट के संभावित विस्तार और भारतीय फुटबॉल के बुनियादी ढांचे में सुधार पर निर्भर करती है। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया के अनुसार, अगर फीफा इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो भारत के लिए विश्व कप में क्वालिफाई करने की संभावनाएं काफी बेहतर हो सकती हैं।

2030 का फीफा विश्व कप इतिहास में पहली बार तीन महाद्वीपों और छह देशों में खेला जाएगा। इस विश्व कप की मेजबानी को दो मुख्य भागों में बांटा गया है। शेड्यूल के अनुसार, दक्षिण अमेरिका में ये तीन शुरुआती मैच खेलने के बाद टीमें और पूरा टूर्नामेंट स्थायी रूप से स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में स्थानांतरित हो जाएगा। यात्रा की थकान को कम करने के लिए टीमों को अतिरिक्त आराम के दिन भी दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के अधिकांश मैच इन तीन देशों में खेले जाएंगे। जहां स्पेन के आठ शहरों में 10 स्टेडियम में विश्व कप के मैच प्रस्तावित हैं, तो वहीं विश्व कप का फाइनल मैच भी स्पेन में ही खेले जाने की उम्मीद है। इसके अलावा पुर्तगाल को दो शहरों के तीन स्टेडियम में और मोरक्को के छह शहरों के छह स्टेडियम को मेजबानी का मौका मिलेगा।

अल नीनो के प्रभाव से राज्य को बचाने के लिए कार्य योजना तैयार कर रही है सरकार : भट्टी

डिप्टी सीएम ने राज्य स्तरीय जागरूकता सेमिनार में भाग लिया

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार एक सुव्यवस्थित और दूरदर्शी कार्य योजना तैयार कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल नीनो जैसे वैश्विक जलवायु परिवर्तन राज्य के लोगों, विशेष रूप से कृषि, पेयजल और बिजली क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव न डालें।

उन्होंने मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ मंगलवार को हैदराबाद के रवींद्र भारती में योजना विभाग द्वारा आयोजित प्रशांत महासागर के गर्म होने से लेकर तेलंगाना की तैयारियों तक शीर्षक वाले राज्य स्तरीय जागरूकता सेमिनार में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, सरकार का उद्देश्य केवल प्रशासनिक निर्णय लेना ही नहीं है, बल्कि अल नीनो के प्रभाव के बारे में लोगों में पूर्ण जागरूकता पैदा करना भी है। यदि समस्या की गंभीरता को पहले से ही समझ लिया जाए, तो प्रत्येक परिवार और प्रत्येक गाँव प्रभावी ढंग से अपनी योजनाएँ तैयार कर सकता है।

उन्होंने बताया कि हजारों किलोमीटर दूर स्थित भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में होने वाले तापमान परिवर्तन तेलंगाना के तालाबों, नदियों और गांवों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, यह समझने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किए जा रहे हैं। इन विश्लेषणों के आधार पर प्रभावी कार्य योजनाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पीने के पानी, सिंचाई के पानी की कमी न हो और साथ ही पशुधन, पक्षियों और वन्यजीवों की भोजन और पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्नत रणनीतियां तैयार की जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, पारिवारिक, ग्राम, मंडल और जिला स्तर पर जागरूकता पैदा करना है ताकि सभी लोग तैयार रहें। उन्होंने कहा कि सूखे जैसी स्थितियों के दौरान किसानों को वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए, सरकार विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर कम पानी की आवश्यकता वाले वैकल्पिक फसल पैटर्न को बढ़ावा दे रही है। दैनिक जीवन में बिजली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अल नीनो के कारण बढ़ी मांग से निपटने के लिए कुशल ऊर्जा प्रबंधन रणनीतियों को लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि दिन के समय, जब सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में और कम लागत पर उपलब्ध होती है, उसका अधिकतम उपयोग करने से सरकार और जनता दोनों पर वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलती है। भट्टी विक्रमार्क ने आगे बताया कि दिन के समय सौर ऊर्जा का प्रभावी उपयोग करके और बाद की जरूरतों के लिए तापीय ऊर्जा का व्यवस्थित प्रबंधन करके ग्रिड की स्थिरता बनाए रखी जा रही है।

प्रत्येक नागरिक को विरोध करने का अधिकार है : वामसी

सांसद ने घायल प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की

नई दिल्ली, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली से कांग्रेस सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने मंगलवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल जाकर सोमवार को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और पुलिस कार्रवाई की निंदा की। पीड़ितों और डॉक्टरों से बातचीत करने के बाद, वामसी कृष्णा ने आरोप लगाया कि महिलाओं और बच्चों सहित शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल अनुचित था। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में हर नागरिक को विरोध करने का अधिकार है। पुलिस को इन लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन नहीं करना चाहिए।

सांसद ने घायलों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनका यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब विपक्ष कथित नीट परीक्षा के पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की आलोचना कर रहा है।

तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा पैदा किया गया है सिंचाई संकट : हरीश राव

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपनेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर गोदावरी नदी में पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को जानबूझकर सिंचाई का पानी न देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण पूर्व वारंगल जिले के बड़े हिस्से में अनावश्यक सूखा पड़ गया है। मंगलवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि मौजूदा संकट अल नीनो के कारण हुआ सूखा नहीं है, बल्कि कांग्रेस सरकार द्वारा पैदा किया गया सूखा है। 12 जुलाई को आयोजित बीआरएस प्रेस कॉन्फ्रेंस को याद करते हुए हरीश राव ने कहा कि पार्टी ने सरकार से देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के पंपों को तुरंत चालू करने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि अगले ही दिन मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, भट्टी विक्रमार्क और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने परियोजना का दौरा किया और घोषणा की कि देवदुला परियोजना के तहत 22 जलाशयों को भरने के लिए 38 टीएमसी पानी उठाया जाएगा, जिससे किसानों ने रोपाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा, आज वे वादे पूरी तरह भुला दिए गए हैं। सरकार न तो पानी उठा रही है और न ही उन किसानों को सिंचाई की सुविधा दे रही है जिन्होंने उसके आश्वासनों पर भरोसा किया था। हरीश राव ने बताया कि श्यामपेट, भीमदेवरापल्ली, एल्काथुर्थी और वारंगल जिले के कई अन्य हिस्सों में किसान सिंचाई के पानी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान निर्मित सम्मक्का बांध में वर्तमान में पर्याप्त जल भंडार है और गोदावरी नदी से इसमें पर्याप्त जल का प्रवाह होता है। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता के बावजूद, सरकार देवदुला परियोजना के तहत सभी पंपों को चालू करने में विफल रही है। 13 जुलाई को मंत्रियों ने घोषणा की थी कि सभी दस पंप चालू रहेंगे। लेकिन 20 जुलाई तक भी केवल पांच पंप ही काम कर रहे थे। जब भी मंत्री आते हैं, प्रदर्शन के लिए सात पंप चालू किए जाते हैं, लेकिन उनके जाने के बाद केवल तीन पंप ही चालू रहते हैं।, हरीश राव ने सवाल उठाया कि जब कोई तकनीकी बाधा नहीं है तो सरकार देवदुला प्रणाली का पूरी तरह से उपयोग क्यों नहीं कर रही है। हरीश राव के अनुसार, गोदावरी नदी का 105 टीएमसी पानी सम्मक्का बैराज से होकर आंध्र प्रदेश की ओर बह चुका है, जबकि सरकार ने इसी अवधि के दौरान लगभग 12 टीएमसी पानी उठाने की क्षमता होने के बावजूद केवल 1.9 टीएमसी पानी ही उठाया है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया पानी की हर बूंद बचा रही हैं, लेकिन यह सरकार तेलंगाना के पानी को बहने दे रही है। अगर उपलब्ध पानी का एक अंश भी इस्तेमाल किया जाता, तो देवदुला के अंतर्गत आने वाले सभी 22 जलाशय पिछले 50 दिनों के भीतर भर सकते थे। बीआरएस नेता ने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने बिजली के बकाया का भुगतान करने में विफल रहने के कारण पिछले साल देवदुला पंपों के संचालन में लगभग 50 दिनों की देरी की, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों करोड़ रुपये की फसलों का नुकसान हुआ।

गोलकोंडा किले में बोनालू यातायात प्रबंधन के लिए ड्रोन तैनात

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा फोर्ट बोनालू 2026 समारोह के दौरान यातायात प्रबंधन के लिए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पहली बार 'ड्रोन निगरानी' तैनात की है, जो 13 अगस्त तक चलेगा। ड्रोन यातायात मार्गों, पार्किंग क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले इलाकों की वास्तविक समय में निगरानी कर रहे हैं, जिससे अधिकारियों को यातायात में बाधाओं को तुरंत दूर करने और श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। यह पहल हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार द्वारा त्योहार के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रबंधन में सुधार के लिए किए गए व्यापक यातायात इंतजामों का हिस्सा है। यातायात बंदोबस्त के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस संयुक्त आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस, आईपीएस के पर्यवेक्षण में, ड्रोन का उपयोग करके बंदोबस्त, यातायात नियमन, मार्ग परिवर्तन और पार्किंग प्रबंधन की सक्रिय रूप से निगरानी और प्रबंधन किया जा रहा है। यह निगरानी डीसीपी (ट्रैफिक) काजल, आईपीएस और एसीपी (ट्रैफिक, गोलकोंडा जोन) डी. धनलक्ष्मी द्वारा की जा रही है।

बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने सीएम रेवंत से की मुलाकात

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जाने-माने बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने मंगलवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास पर उनसे मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट श्रीकांत के यूएस ओपन (बीडब्ल्यूएफ सुपर 300) टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद हुई है, जहां वह उपविजेता रहे थे। इस बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने भारतीय खेलों में दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी के निरंतर योगदान की सराहना की और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी सफलता की कामना की।

पीडी एक्ट के तहत कुख्यात उपद्रवी पुलिस हिरासत में

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने कुख्यात चिलकलगुडा के बदमाश बोज्जा भाग्यराज के खिलाफ हिंसक अपराधों में बार-बार संलिप्तता और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरे का हवाला देते हुए निवारक नजरबंदी (पीडी) अधिनियम लागू किया है। पुलिस ने बताया कि भाग्यराज के खिलाफ हैदराबाद और मल्काजगिरि पुलिस कमिश्नरेट में हत्या के प्रयास, दंगा, गंभीर मारपीट, आपराधिक धमकी और पीओसीएसओ अधिनियम के तहत 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पहले पुलिस हिरासत और जमानत की शर्तों के बावजूद, उसने कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियां जारी रखीं, जिसके चलते अधिकारियों ने शहर की आदतन अपराधियों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति के तहत नया हिरासत आदेश जारी किया। उसके लगातार आपराधिक आचरण, जमानत की शर्तों और वचनबद्धताओं के बार-बार उल्लंघन और सार्वजनिक शांति के लिए आसन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने उसे भविष्य में आपराधिक गतिविधियों से रोकने के लिए पीडी अधिनियम के तहत आदेश जारी किया। पीडी प्रस्ताव चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक वलीशेट्टी रामकृष्ण और उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए थे। कार्यान्वयन प्रक्रिया की निगरानी चिलकलगुडा डिवीजन के एसीपी के. शशांक रेड्डी ने की और सिकंदराबाद जोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जे. नरसैया के समग्र निर्देशन में इसे पूरा किया गया। आदेश को चिलकलगुडा पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से निष्पादित किया गया।

हैदराबाद मेट्रो का निरीक्षण करने पहुंचे दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक

रेल-मेट्रो समन्वय को बताया शहरी परिवहन के लिए महत्वपूर्ण

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मेट्रो रेल की परिचालन व्यवस्था, रखरखाव प्रणाली, सुरक्षा उपायों तथा भविष्य की विस्तार योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली और मेट्रो के रखरखाव मानकों की सराहना की। महाप्रबंधक ने अपने दौरे की शुरुआत नागोल स्थित एल एंड टी मेट्रो रेल के प्रशासनिक भवन में आयोजित समीक्षा बैठक से की। बैठक में एचएमआरएल के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक अजीत रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक शिवेंद्र प्रताप सिंह, एल एंड टी मेट्रो रेल (हैदराबाद) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. वी. बी. रेड्डी, मुख्य परिचालन अधिकारी सुधीर चिपलूनकर सहित दोनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड तथा एल एंड टी मेट्रो रेल के अधिकारियों ने मेट्रो रेल प्रणाली की कार्यप्रणाली, परिचालन ढांचे, रखरखाव व्यवस्था, यात्रियों की संख्या, वर्तमान पहलों तथा भविष्य की विस्तार योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। अधिकारियों ने रेलवे समपार फाटकों से संबंधित आगामी मेट्रो विस्तार परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए रेलवे से निरंतर सहयोग का भी अनुरोध किया। इसके बाद महाप्रबंधक ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ हैदराबाद मेट्रो रेल के रखरखाव डिपो का निरीक्षण किया। उन्होंने परिचालन नियंत्रण केंद्र का दौरा कर ट्रेन संचालन, निगरानी प्रणाली, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा आपदा प्रबंधन तंत्र की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों ने रखरखाव शेड में मेट्रो कोचों के निरीक्षण एवं अनुरक्षण से जुड़े विभिन्न अनुभागों का अवलोकन किया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के उपयोग, पिट लाइन में उपलब्ध कोच रखरखाव सुविधाओं तथा रखरखाव डिपो में मेट्रो ट्रेनों के प्रवेश मार्ग पर स्थित प्वाइंट एवं क्रॉसिंग व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। दौरे के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे और हैदराबाद मेट्रो रेल के अधिकारियों ने मेट्रो डिपो परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित पहल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने हैदराबाद मेट्रो रेल के उच्च स्तरीय रखरखाव मानकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों और उत्कृष्ट अनुरक्षण व्यवस्था के कारण मेट्रो रेल का संचालन अत्यंत दक्षता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण मध्य रेलवे और हैदराबाद मेट्रो रेल के बीच निरंतर सहयोग से क्षेत्र में शहरी परिवहन अवसंरचना और अधिक सुदृढ़ होगी।

महिलाएं 'शी टीम्स' को सुरक्षित और गोपनीय तरीके से उत्पीड़न की रिपोर्ट कैसे कर सकती हैं?

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में उत्पीड़न का शिकार होने वाली महिलाओं के पास 'शी टीम्स' तक पहुंचने के कई सुरक्षित और गोपनीय तरीके हैं। पुलिस अधिकारियों ने भी दोहराया है कि हर शिकायत को गोपनीय तरीके से संभाला जाता है और पीड़ितों की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाती है।

चाहे उत्पीड़न सार्वजनिक स्थान, कार्यस्थल, सार्वजनिक परिवहन या ऑनलाइन हो, महिलाएं व्हाट्सएप, फोन कॉल, मोबाइल एप्लिकेशन, ईमेल, सोशल मीडिया या व्यक्तिगत रूप से कार्यालय जाकर 'शी टीम्स' को सूचित कर सकती हैं या उनसे संपर्क कर सकती हैं। पुलिस ने कहा कि शिकायत दर्ज करते समय पीड़ित तस्वीरें, वीडियो या अन्य सबूत साझा कर सकते हैं, जिससे अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई शुरू करने में मदद मिलती है।

हालांकि, जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, वहां महिलाओं को त्वरित सहायता के लिए आपातकालीन पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल करने की सलाह दी जाती है।

उपचार अधिनियम का उद्देश्य जनता का शोषण : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर प्रस्तावित कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) अधिनियम और इंदिराम्मा आवास योजना के माध्यम से हैदराबाद के निवासियों पर भारी वित्तीय बोझ डालने का आरोप लगाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राव ने आरोप लगाया कि क्योर अधिनियम से वार्षिक संपत्ति कर में पांच प्रतिशत तक की वृद्धि और जल एवं सीवरेज सेवाओं के लिए अलग-अलग शुल्क लगाने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने बताया कि इस कानून में जवाबदेही का अभाव है, यह 74वें संवैधानिक संशोधन की भावना को कमजोर करता है और इसे निवासी कल्याण संघों या जनता से परामर्श किए बिना लागू किया गया है। इंदिराम्मा आवास योजना को निशाना बनाते हुए राव ने आरोप लगाया कि मात्र 7,680 फ्लैटों के लिए आवेदकों से 10,000 रुपये की बयाना राशि (ईएमडी) और 100 रुपये का आवेदन शुल्क वसूलना गरीबों का शोषण है। उन्होंने मांग की कि सरकार द्वारा निर्मित खाली मकान पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क आवंटित किए जाएं और इन मकानों के खाली पड़े रहने के कारणों की जांच की जाए। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा विधानसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह इस विधेयक का कड़ा विरोध करेगी। इसके अलावा, भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह इंदिराम्मा आवास योजना का इस्तेमाल गरीबों को घर मुहैया कराने के बजाय उनसे पैसे वसूलने के लिए कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप आवेदकों से लगभग 1,000 करोड़ रुपये की वसूली हो सकती है। उन्होंने खाली पड़े सरकारी मकानों के तत्काल आवंटन की मांग करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस पर केंद्र की प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत वित्त पोषित मकानों का श्रेय लेने का आरोप भी लगाया। उन्होंने सरकार से पहले से निर्मित मकानों के खाली पड़े रहने के कारणों की व्यापक जांच का आदेश देने का आग्रह किया।

युवाओं में स्ट्रोक के बढ़ते मामले खतरनाक हैं : स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञ

अस्पताल में देरी से इलाज के परिणाम और भी खराब हो रहे हैं

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व मस्तिष्क दिवस के अवसर पर केयर हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि तंत्रिका संबंधी विकार विश्व स्तर पर विकलांगता का प्रमुख कारण बन गए हैं, और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और चिकित्सा हस्तक्षेप में देरी के कारण युवा भारतीयों में स्ट्रोक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शीघ्र पहचान और समय पर उपचार से आजीवन विकलांगता को रोका जा सकता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 12 लाख नए स्ट्रोक के मामले दर्ज किए जाते हैं, लेकिन कई मरीज़ लकवाग्रस्त होने या गंभीर तंत्रिका क्षति होने के बाद ही उन्नत अस्पतालों तक पहुँच पाते हैं, जिससे ठीक होने की संभावना कम हो जाती है। तंत्रिका विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि मरीज़ अक्सर स्थिति गंभीर होने के बाद ही चिकित्सा सहायता लेते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, तंत्रिका संबंधी विकार विश्व स्तर पर विकलांगता का प्रमुख कारण बनकर उभरे हैं। वैश्विक आबादी के 40% से अधिक, यानी 34 लाख से अधिक लोग मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली स्थितियों से पीड़ित हैं। ये विकार प्रतिवर्ष 1 करोड़ से अधिक मौतों के लिए भी जिम्मेदार हैं, जिससे तंत्रिका संबंधी रोग विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन गए हैं। तंत्रिका विज्ञानियों ने इस बात पर जोर दिया कि स्ट्रोक के बाद के पहले 4.5 घंटे, जिन्हें अक्सर 'गोल्डन विंडो' कहा जाता है, बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अचानक कमजोरी, अस्पष्ट वाणी, दृष्टि हानि, गंभीर सिरदर्द और दौरे जैसे लक्षणों के लिए तुरंत उपचार कराएं। विशेषज्ञों ने तंत्रिका संबंधी जोखिमों को कम करने के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की भी सलाह दी। विश्व मस्तिष्क दिवस के अवसर पर, केयर हॉस्पिटल्स ने लोगों से मस्तिष्क स्वास्थ्य को हृदय स्वास्थ्य के समान प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में मस्तिष्क संबंधी विकारों के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए जन जागरूकता बढ़ाना और तंत्रिका संबंधी सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।

आईपीएस प्रशिक्षुओं का आंध्र प्रदेश तटीय पुलिस के साथ प्रशिक्षण पूरा

विशाखापत्तनम, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) के 78वें नियमित भर्ती (आरआर) बैच के बाईस आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षुओं ने आंध्र प्रदेश तटीय सुरक्षा पुलिस के साथ एक विशेष समुद्री सुरक्षा मॉड्यूल में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर, विशाखापत्तनम रेंज (एफएसी) के तटीय सुरक्षा पुलिस महानिरीक्षक, गोपीनाथ जट्टी ने प्रशिक्षुओं को तटीय निगरानी, समुद्री सीमा सुरक्षा, तस्करी विरोधी अभियानों और भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय के बारे में जानकारी दी। उन्होंने भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने में तटीय सुरक्षा पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी आधारित तटीय सतर्कता और आपातकालीन तैयारियों पर भी प्रकाश डाला गया।

जीडीमेटला में पत्नी से झगड़े के बाद पति ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला में सोमवार रात पति-पत्नी के बीच अनबन के बाद 34 साल के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। रामोजू चंदू नाम के इस व्यक्ति ने 2017 में संध्या से शादी की थी और दंपति जीडीमेटला के गांधी नगर में रह रहे थे। उनकी दो बेटियां थीं।

पुलिस के अनुसार, दंपति के बीच अनबन हो गई थी, जिसके बाद चंदू से झगड़े के बाद संध्या अपने मायके चली गई थीं। व्यक्ति के रिश्तेदारों ने पुलिस को बताया कि अलग होने के बाद चंदू डिप्रेशन में चले गए थे। सोमवार रात चंदू ने कथित तौर पर छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.